E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

# आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -151 | प्रयागराज, मंगलवार 26 अगस्त, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

## रूस से तेल खरीदता रहेगा भारत,जहां सस्ता तेल मिलेगा, वहीं से लेंगे; ट्रम्प के टैरिफ को बेबुनियाद बताया-भारतीय राजदूत

मॉस्को। रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा है कि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। रविवार को रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां तेल वहीं से खरीदेंगी जहां उन्हें सबसे अच्छा सौदा मिलेगा। उन्होंने भारत पर अमेरिका के 50फीसदी टैरिफ को बेबुनियाद बताया। ट्रम्प ने रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जो 27 अगस्त से लागू हो जाएगा। इससे पहले ट्रम्प जुलाई में भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं, जिससे आने वाले दिनों में भारतीय सामान के आयात पर अमेरिका में 50फीसदी टैरिफ देना होगा। भारत को रूसी तेल खरीद पर 5फीसदी छूट मिल रही- भारत में रूसी डिप्लोमेट रोमन बाबुश्किन ने 20 अगस्त को बताया था कि भारत को रूस के कच्चे तेल पर करीब 5फीसदी की छूट मिल रही है। भारत, चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2फीसदी (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इम्पोर्ट करता था। मई 2023 तक यह बढ़कर 45फीसदी (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है।इससे पहले ट्रम्प के ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो ने भारत पर रूस से तेल खरीदकर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया था। नवारो ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा था कि भारत सस्ते दाम पर रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है, इंडियन कंपनियां उसे रिफाइन कर महंगे दाम पर दुनिया में बेच रही हैं। उन्होंने कहा कि इससे रूस को यूक्रेन जंग के लिए पैसा मिल रहा है, जबकि भारत मुनाफा कमा रहा है।उन्होंने कहा कि भारत हमें सामान बेचकर उससे मिलने वाले पैसों से रूसी तेल खरीदता हैं, जिससे तेल कंपनियां खूब पैसा कमाती हैं। इसलिए भारत पर टैरिफ लगाना जरूरी है।हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रूस-यूक्रेन जंग की शांति का रास्ता भारत से होकर ही जाता है।भारत कई यूक्रेन जंग को बढ़ावा देने वाले अमेरिकी आरोपों को खारिज कर चुका है। पिछले हफ्ते ही विदेश मंत्री जयशंकर ने रूस का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि भारत रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार नहीं है, बल्कि चीन है।

## पाकिस्तान-बांग्लादेश के बीच 6 समझौतों पर हस्ताक्षर,बिना वीजा एक-दूसरे के देश जा सकेंगे डिप्लोमैट्स,मीडिया एजेंसी भी मिलकर काम करेंगी

ढाका। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने रविवार को 6 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें ट्रेड, इकोनॉमी, डिप्लोमैटिक ट्रेनिंग, शिक्षा, मीडिया और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना शामिल है। ये समझौते पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मुहम्मद इशाक डार और बांग्लादेश के विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत के बाद हुए। दरअसल, इशाक डार दो कल दिवसीय दौरे पर बांग्लादेश पहुंचे थे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस यात्रा को दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ये यात्रा 13 साल बाद पहली बार किसी पाकिस्तानी विदेश मंत्री का बांग्लादेश दौरा था। बांग्लादेश के द डेली स्टार के अनुसार, दोनों देश सितंबर या अक्टूबर में संयुक्त आर्थिक आयोग की बैठक आयोजित करने की योजना बना रहे हैं, जो दो दशक बाद होगी। इसके लिए पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ढाका आ सकते हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने 6 समझौतों पर हस्ताक्षर किए- वीजा मुक्त समझौताः दोनों देशों के सरकारी और राजनयिक पासपोर्ट वाले लोग बिना वीजा के एक-दूसरे के देश जा सकेंगे। व्यापार कार्य समूहः दोनों देश मिलकर व्यापार बढ़ाने के लिए एक समूह बनाएंगे, जो व्यापार से जुड़े मुद्दों पर काम करेगा। विदेश सेवा अकादमी सहयोगः दोनों देशों के कूटनीतिक प्रशिक्षण संस्थान एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करेंगे और अनुभव साझा करेंगे। मीडिया एजेंसी सहयोगः एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान कॉर्पोरेशन और बांग्लादेश समाचार एजेंसी संगबाद के बीच एक समझौता हुआ है। ये संस्था मिलकर काम करेंगी। रणनीतिक अध्ययन सहयोगः दोनों देशों के रणनीतिक और अंतरराष्ट्रीय मामलों के शोध संस्थान मिलकर काम करेंगे। सांस्कृतिक आदान-प्रदानः दोनों देश अपनी संस्कृति, कला और परंपराओं को साझा करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करेंगे। पाकिस्तान नए दौर की साझेदारी चाहता है-ढाका पहुंचने के कुछ ही घंटों बाद डार ने कई राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात की। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी और कट्टरपंथी मानी जाने वाली जमात-ए-इस्लामी भी शामिल रही। जमात-ए-इस्लामी वही पार्टी है जिसने 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की आजादी का विरोध किया था। डार और जमात नेताओं की मुलाकात को खास अहमियत दी जा रही है। डार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पाकिस्तान अब बांग्लादेश के साथ नए दौर की साझेदारी चाहता है। उन्होंने सरकार, राजनीतिक दलों और युवाओं से मिलकर काम करने की अपील की।इशाक डार और बांग्लादेश के विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने पहले अकेले में बातचीत की, फिर अपनी-अपनी प्रतिनिधिमंडल के साथ औपचारिक बैठक की। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर कहा- बातचीत अच्छे माहौल में हुई, जो दोनों देशों के बीच मौजूदा दोस्ती को दर्शाती है। हमने संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। चर्चा में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों, फिलिस्तीन और रोहिंग्या मुद्दों का समाधान भी शामिल रहा। सूत्रों के मुताबिक बातचीत में द्विपक्षीय रिश्तों और सार्क को सक्रिय करने जैसे मुद्दे उठे। वहीं एनसीपी नेताओं ने 1971 के नरसंहार पर पाकिस्तान से माफी मांगने की मांग भी की। पाकिस्तान ने बांग्लादेशी छात्रों के लिए अगले पांच साल में 500 छात्रवृत्तियां देने की घोषणा की, जिनमें से एक-चौथाई चिकित्सा क्षेत्र में होंगी। साथ ही 100 बांग्लादेशी सिविल सेवकों के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। पाकिस्तान ने तकनीकी सहायता कार्यक्रम के तहत बांग्लादेशी छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्तियों को 5 से बढ़ाकर 25 करने का भी फैसला किया है।

## विपक्ष जेल से भी सरकार चलाना चाहता है,भरोसा है 130वां संविधान संशोधन संसद में पास हो जाएगा-शाह

नयी दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने न्यूज एजेंसी एएनआई को इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने हाल ही में संसद में लाए गए तीनों बिलों और इस पर विपक्ष के विरोध पर बात की। शाह ने 130वें संविधान संशोधन विधेयक के खिलाफ विपक्ष के रुख पर कहा, ये लोग (विपक्ष) आज भी ये कोशिश कर रहे हैं कि अगर कभी जेल गए तो जेल से ही आसानी से सरकार बना लेंगे। जेल को ही सीएम हाउस,पीएम हाउस बना देंगे। डीजीपी, मुख्य सचिव, कैबिनेट सचिव या गृह सचिव जेल से ही आदेश लेंगे। शाह ने ये भी कहा, लालू यादव को बचाने के लिए मनमोहन सिंह द्वारा लाए गए अध्यादेश को फाड़ने का राहुल गांधी का क्या औचित्य था? अगर उस दिन नैतिकता थी तो क्या आज नहीं है, क्योंकि आप लगातार तीन चुनाव हार चुके हैं? धनखड़ के इस्तीफे पर-पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर शाह ने कहा, 'धनखड़ जी एक संवैधानिक पद पर आसीन थे और अपने कार्यकाल में उन्होंने संविधान के अनुरूप अच्छा काम किया। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य समस्या के कारण इस्तीफा दिया है।' संसद के अंदर सीआईएसएफ की तैनाती पर गृह मंत्री बोले, 'मार्शल सदन में तभी प्रवेश करते हैं, जब अध्यक्ष उन्हें आदेश देते हैं। यह बदलाव उस बड़ी घटना के बाद आया है, जब कुछ वामपंथी लोगों ने संसद के अंदर खून किया था... उन्हें (विपक्ष को) बहाने चाहिए। वे जनता में भ्रम पैदा करना चाहते हैं। तीन चुनाव हारने के बाद हताशा के इस स्तर ने उनका विवेक खो दिया है।' रेड्डी को विपक्ष के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाने पर- शाह ने इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी पर कहा, 'उन्होंने सलवा जुडूम को खारिज कर दिया और आदिवासियों के आत्मरक्षा के अधिकार को खत्म कर दिया। इसी वजह से इस देश में नक्सलवाद दो दशकों से ज्यादा समय तक चला। मेरा मानना है कि वामपंथी विचारधारा ही (विपक्ष द्वारा सुदर्शन रेड्डी को चुनने का) मानदंड रही होगी।' पीएम-सीएम को जेल होने पर शाह ने कहा, कभी देश का प्रधानमंत्री जेल जाए तो क्या जेल से प्रधानमंत्री सरकार चलाए, वो क्या ठीक है? कोई मुख्यमंत्री जेल से शासन चलाए, ये क्या ठीक है? जो व्यक्ति पद पर है, क्या उसके अलावा देश चलेगा ही नहीं? जिस भी दल का बहुमत है, उसका कोई अन्य व्यक्ति आकर शासन चलाएगा। आपकी बेल हो जाए तो आप फिर पद संभाल लीजिए। हमको एक लेवल तो रखना ही है।

## दिल्ली सीएम रेखा की जेड सिक्योरिटी वापस ली गई,4 दिन पहले हमले के बाद बढ़ाई गई थी,दिल्ली पुलिस ही सुरक्षा देगी

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दी गई जेड प्लस सिक्योरिटी सोमवार को हटा ली गई। 4 दिन पहले उन पर हमले के बाद यह सिक्योरिटी दी गई थी। यह फैसला वापस क्यों लिया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अब फिर से उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है। इधर, सीएम रेखा पर हमले के मामले में रविवार को दूसरी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया ?के सहयोगी तहसीन सैयद को अरेस्ट किया गया है। दिल्ली सीएम आवास में 20 अगस्त की सुबह जनसुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता पर हमला हुआ था। शिकायतकर्ता बनकर पहुंचे राजेश ने सीएम को कागज देते समय उनका हाथ खींचा था। हमले में रेखा के हाथ-कंधे, सिर पर चोटें आईं थीं। सीएम पर हमले के मामले में पुलिस उन 10 लोगों पर नजर रख रही है जो कॉल और चैट के जरिए आरोपी राजेशभाई के संपर्क में थे। पुलिस की एक टीम राजकोट में उन 5 और लोगों के बयान दर्ज करने की तैयारी में जिनका डेटा आरोपी के मोबाइल से लिया गया। दिल्ली की सीएम रेखा पर 20 अगस्त की सुबह करीब 8.15 बजे जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया था। आरोपी ने उनके बाल खींचे और फिर थप्पड़ मारा। आरोपी गुजरात के राजकोट का रहने वाला राजेशभाई खीमजी है, जिसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया था। आरोपी को 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। उस पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है। राजेश पर गुजरात में भी चाकूबाजी समेत 5 केस पहले से दर्ज हैं। हालांकि, गिरफ्तारी के दौरान उसके पास कोई हथियार नहीं मिला। इंटेलिजेंस ब्यूरो और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल उससे पूछताछ कर रही है।

## अंतरिक्ष से लौटकर शुभांशु की 41वें दिन लखनऊ वापसी,मां लिपटकर रोईं एयरपोर्ट से लेकर शहर में जगह-जगह स्वागत, रोडशो और झांकी

लखनऊ। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला सोमवार को अपने गृहनगर लखनऊ पहुंच गए हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शुभांशु शुक्ला का स्वागत किया है। इस दौरान एयरपोर्ट पर ही उनके परिजन, बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों और स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से उनका अभिनंदन किया है। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, मेयर सुषमा खर्कवाल समेत छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अंतरिक्ष यात्री की पोशाक पहनकर उनका स्वागत करने एयरपोर्ट पहुंचे हैं। शुभांशु शुक्ला का एक लंबा काफिला एयरपोर्ट से निकल चुका है। वो अब गोमतीनगर स्थित सिटी मॉन्टेसरी स्कूल की ओर जा रहे हैं, जहां उनके लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। जी-20 चौराहे पर शुभांशु शुक्ला का भव्य स्वागत किया गया है। सीएमएस स्कूल के बच्चों ने हाथ में तिरंगा लेकर उनका स्वागत किया है। इस दौरान शुभांशु शुक्ला रथ में सवार होकर सीएमएस स्कूल की ओर जा रहे हैं। जगह-जगह उनका स्वागत किया जा रहा है। उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर पड़े हैं।वहीं शुभांशु शुक्ला का एयरपोर्ट पर स्वागत करने के बाद उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि आज लखनऊ का सपूत और भारत माता का सपूत शुभांशु शुक्ला का स्वागत पूरा लखनऊ आंखे बिछाकर कर रहा है। पीएम मोदी की अगुवाई में भारत ने जिस तरह अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल की हैं, उस पर हमें गर्व है।बृजेश पाठक ने कहा कि अपने लाल का स्वागत कर हम सभी बेहद खुश हैं। शुभांशु शुक्ला ने दुनिया को रास्ता दिखाने का काम किया है।

## कजरी तीज पर मंदिर में व्यवस्था का लिया जायजा,गोंडा के दुःख हरण नाथ मंदिर के आसपास अतिक्रमण को किया दुरुस्त

गोंडा। गोंडा के प्रसिद्ध दुःख हरण नाथ मंदिर में अमूमन हमेशा ही श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहता हैं वहीँ अब कजरी तीज त्योहार की तैयारियां शुरू हो गई हैं। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज रावत ने मंदिर का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर के बाहर और आसपास के क्षेत्र का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने मंदिर के आसपास से अतिक्रमण हटवाया। उन्होंने जलाभिषेक की व्यवस्था को लेकर विशेष निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर मौके पर नगर कोतवाल समेत पुलिस बल तैनात रहा। मंदिर आई श्रद्धालु शक्ति अपनी बेटी आन्या के साथ वो बताती हैं इस मंदिर का पौराणिक इतिहास हैं यहाँ वो हर गुरूवार को आयी हैं। यहाँ मांगी कोई भी मनोकामना जरूर पूरी होती हैं। वहीं एएसपी ने कहा की कांवड़ियों के लिए समुचित प्रबंध किया जाना अत्यंत आवश्यक है जिस किसी भी प्रकार की कठिनाई कांवड़ियों को ना कि हो।

## लखनऊ में घर के अंदर बुजुर्ग मां-बेटे के शव मिले,पालतू कुत्ता साथ था,रिश्तेदार ने शव लेने से मना किया,अंतिम संस्कार में फंसा पेच

लखनऊ। घर के अंदर बुजुर्ग मां-बेटे के शव मिले हैं। करीब 30 घंटे तक शव घर में ही पड़े रहे। जब पूरे दिन घर से कोई नहीं निकला तो पड़ोसियों ने जाकर देखा। उनकी सूचना के बाद पुलिस पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराया। घर में दोनों के साथ एक पालतू कुत्ता भी रहता था। वह घर में बंद था।मामला रविंद्रपल्ली का है। यहां असीम चक्रवर्ती (65) अपनी मां बेला चक्रवर्ती (90) के साथ रहते थे। शनिवार को पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर गाजीपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस एम्बुलेंस बुलाई और स्थानीय लोगों की मदद से घर के अंदर गई। मृतकों के रिश्तेदार ने शव लेने से मना कर दिया है।घर के अंदर असीम चक्रवर्ती की मां बेला चक्रवर्ती (90) भी सोफे पर बेहोश पड़ी मिलीं। दोनों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौके से फील्ड यूनिट ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पड़ोसियों ने बताया कि अब इनके परिवार में कोई नहीं बचा है। दो भाइयों की पहले मौत हो चुकी है। दोनों मां-बेटे की मौत के बाद घर में सिर्फ एक कुत्ता जर्मन शेफर्ड बचा था। वह किसी को देखने पर भौंक रहा था। उसे एनजीओ ने रेस्क्यू किया।बेला के पति पीसी चक्रवर्ती रेलवे में अकाउंटेंट थे, जिनकी पेंशन आती थी। दोनों मां-बेटे कुत्ते पालकर बेचने का काम करते थे। दो भाइयों अमित और रंजीत की पहले मौत हो चुकी है। अमित ब्रिज कॉर्पोरेशन में जेई था। अमित की पत्नी चंद्ररानी सैनिक निदेशालय में स्टेनो थीं। उनकी भी मौत हो चुकी है। दयाल रेजीडेंसी में बेला के भाई रहते हैं। उनका लड़का जॉय आया था लेकिन शव लेने से मना कर दिया। वहीं, सूचना पर अनिल बनर्जी नाम के एक बुजुर्ग पहुंचे। उन्होंने खुद को बेला के सबसे बड़े बेटे की पत्नी चंद्ररानी के भाई होने का दावा किया। हालांकि, पुलिस ने अनिल से पूछताछ कर जांच कर रही है।बेला की मौत की सूचना पर चारबाग से अनिल बनर्जी नाम के बुजुर्ग पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि उनकी बहन चंद्ररानी की शादी अमित से हुई थी। बहन की मौत के 2 साल बाद बहनोई की भी मौत हो गई।

## मरने से पहले पत्नी को जमकर पीटा था,बचने के लिए बालकनी में छिपी तो देवर ने खींचा, पति समेत चार गिरफ्तार

कानपूर। कल्याणपुर में फंदे पर लटकी मिली दिशा ने अपनी जान नहीं दी, बल्कि मार कर लटकाया गया था। इस बात का खुलासा 38 सेकेंड के एक वीडियो फुटेज से हुआ। 22 अगस्त को दिशा की मौत से पहले पति, सास और देवर ने उसकी जमकर पिटाई की थी। पिटाई से बचने के लिए वह बालकनी में आकर छिप गई, जिसके बाद उसका देवर ऋषभ उसे घसीट कर ले गया और उसकी सास आशा पांडेय ने बालकनी का गेट बंद कर लिया। गेट बंद होते ही दिशा की चीखे घर के बाहर तक सुनाई दे रही थी और कुछ ही देर बाद उसकी चीखें सन्नाटे में तब्दील हो गईं। कल्याणपुर में 22 अगस्त को मसवानपुर शिवनगर निवासी राम प्रसाद तिवारी की बेटी दिशा तिवारी का शव फंदे पर लटका मिला था। राम प्रसाद ने बताया कि उनके दामाद स्पोर्ट्स टीचर हिमांशु पांडेय ने उन्हें दिशा के मोबाइल से वीडियो कॉल की और बोला कि तुम्हारी बेटी को मार कर लटका दिया है, बचा सकते हो तो बचा लोष्ठ जिसके बाद बदहवास परिजन मौके पर पहुंचे तो उन्हें दिशा का बेड पर पड़ा मिला था। राम प्रसाद ने आरोप लगाया था कि 27 फरवरी 2024 को दिशा की शादी बारा सिरोही निवासी हिमांशु पांडेय के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही सास आशा पांडेय, ससुर शिव मोहन, देवर ऋषभ समेत अन्य लोग दहेज में 3 तोले की चेन और 3 लाख कैश की डिमांड करने लगे थे। मांग पूरी न करने पर बेटी को आए दिन प्रताड़ित करते थे। जिस पर उन्होंने 2 लाख रुपए का इंतजाम कर ससुरालीजनों को दिए, लेकिन इसके बावजूद आरोपी ससुरालीजन बेटी को प्रताड़ित करते रहे थे। आरोप लगाया था कि ससुर और देवर बेटी पर अवैध संबंध बनाने का दबाव बनाते थे। बेटी ने शिकायत की, तो मामा पुत्तन अग्निहोत्री ने जबरन समझौता करा दिया था। शुक्रवार सुबह 9:20 दिशा ससुराल में मृत अवस्था में पड़ी मिली थी। दिशा की मौत से करीब एक घंटे पहले सास, पति व देवर ने उसकी जमकर पिटाई की थी, जिसका पड़ोसियों ने एक 38 सेकेंड का वीडियो बना लिया था।

## कथित भाजपा नेता के खिलाफ सिविल लाइन थाने में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में कथित भाजपा नेता की गुंडागर्दी का मामला सामने आया। कथित भाजपा नेता मोनू सोनकर वह उसके गुरुओं द्वारा एक गरीब ड्राइवर को सिविल लाइंस बस स्टैंड के पास दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। पीड़ी ड्राइवर आजाद ने कथित भाजपा नेता मोनू सोनकर बंटी सोनकर सुमित सोनकर राखी सोनकर निखिल सोनकर मानस सोनकर वह मोहम्मद साबिर समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ सिविल लाइन थाने में लिखित तहरीर देकर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करवा दिया है।

## करछना का 10 साल का अंश 5 दिन से बेहोश,लखनऊ पीजीआई के आईसीयू में भर्ती, झाड़ी में खून से लथपथ मिला था,1 आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज का 10 साल के अंश 5 दिन से आईसीयू में है। उसकी हालत में सुधार नहीं हो रहा है। बुधवार को अंश झाड़ी में खून से लथपथ मिला था। रातभर उसे चीटियों ने नोंचा था। कौंधियारा के जारी निवासी अंश जिंदगी के लिए जूझ रहा है। प्रयागराज के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने हालत में सुधार न होने पर लखनऊ पीजीआई के लिए रेफर कर दिया। जहां पांच दिनों से वह आईसीयू पर है। अंश को अभी तक होश नहीं आया है। पिता राजेश के मुताबिक बेटे अंश की हालत बेहद गंभीर है। पूरा परिवार पांच दिनों से सदमे में है। कौंधियारा पुलिस ने मामले में एक आरोपी विष्णु को गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की है। पुलिस की इस कार्रवाई पर घरवाले संतुष्ट नहीं है। पिता का कहना ही की मेरे बेटे को इस हालत में पहुंचाने के पीछे एक का हांथ नहीं है। इसमें और भी लोग शामिल है। पिता का कहना है कि पूरे मामले की पुलिस जांच और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजे। मेरा बेटा जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। सीसीटीवी में लेकर जाते दिखा था आरोपी बुधवार को घर के बाहर से अंश को विष्णु अपने साथ लेकर गया। वापस लौटने का का कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार की रात 10.30 बजे घर से 200 मीटर की दूरी पर इंद्रजीत कुशवाहा के मकान के पीछे अंश झाड़ियों में मरणासन्न स्थिति में पड़ा मिला था। इंद्रजीत ने ही इसकी सूचना अंश के घरवालों को दी थी। जिसके बाद घरवालों ने बेटे को शहर के निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया था। पांच दिन के बाद अंश के हालत में सुधार नहीं दिखा। गंभीर हालत में परिवार वालो ने उसे लखनऊ पीजीआई में भर्ती करा दिया। जहां अभी उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। बुधवार की सुबह अंश को विष्णु अपने साथ लेकर गया। उसके सिर पर पत्थर से मारकर उसे बेहोश के दिया। आरोपी ने अंश का हांथ पांव बांधकर उसे झाड़ियों में फेंक कर भाग निकला। रात भर वह पानी में भीग पड़ा रहा। उधर उसके चेहरे को चींटियां खाती रही।

## डीएसए फ्लाईओवर से उतरते ही गड्ढा मुँह खोले पड़ा हैं,कई बार हो चुके हादसे,लोगों ने मरम्मत की मांग की

प्रयागराज। डीएसए ग्राउंड फ्लाईओवर से उतरते ही सड़क पर बने गहरे गड्ढे ने राहगीरों और वाहन चालकों की परेशानी बढ़ा दी है। महाकुंभ के दौरान जहाँ पूरा शहर मेंटेन किया गया था उसके विपरीत इस बार की बारिश में ताश के पत्तो की तरह सरे निर्माण कार्य ख़राब हो गए. रेलवे ने कई बार पुल की मरम्मत कराई, मगर फ्लाईओवर से नीचे उतरने वाले रास्ते में गटर के बीच बने इन गड्ढों को कभी स्थायी समाधान नहीं मिल सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दिनों में यह गड्ढा बेहद खतरनाक हो जाता है। पानी भरने के बाद वाहन चालकों को गड्ढा दिखाई नहीं देता और अक्सर बाइक फिसलने या पहिया फंसने से दुर्घटनाएं हो जाती हैं। कई बार तो लोग गंभीर रूप से घायल भी हो चुके हैं। राहगीरों का कहना है कि यह गड्ढा हादसों का स्थायी कारण बन चुका है, लेकिन प्रशासन इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहा है।लोगों ने बताया कि फ्लाईओवर से भारी वाहनों का आवागमन पहले ही रोक दिया गया है, मगर दोपहिया और हल्के वाहन इसी रास्ते से गुजरते हैं। गड्ढे की वजह से यहां पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। हर बारिश में पानी भरने से यह जगह दलदल जैसी हो जाती है और दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो यह गड्ढा कभी भी बड़ा हादसा करवा सकता है। लोगों की मांग है कि प्रशासन और रेलवे मिलकर इस हिस्से की जल्द से जल्द मरम्मत कराएं, ताकि हादसों पर रोक लगाई जा सके और राहगीरों को राहत मिल सके।

## राणा बेनी माधव सिंह जी की 221वीं जयंती पर भाव समर्पण एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जगतपुर स्थित खेल

मैदान में प्रथम स्वाधीनता संग्राम (1857 की क्रान्ति) के महानायक, शौर्य, पराक्रम, त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति, रायबरेली की पावन धरती में जन्मे माँ भारती के सच्चे सपूत राणा बेनी माधव सिंह जी की 221वीं जयंती वृहद स्तर पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित भाव समर्पण एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह सम्मिलित हुए। उन्होंने राना बेनी माधव सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। उन्होंने समारोह में बैसवारा क्षेत्र की 100 विशिष्ट विभूतियों का सम्मान भी किया। कार्यक्रम में मा0 उच्च न्यायालय, लखनऊ के पूर्व न्यायमूर्ति डी.पी. सिंह, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी, पूर्व विधायक इंद्रेश विक्रम सिंह, ब्लॉक प्रमुख हंडिया प्रयागराज महेश सिंह, संयोजक पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ विनोद बाजपेई, प्रदेश अध्यक्ष के अध्यक्ष राजकुमार सिंह धीरज सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। इसके पूर्व उद्यान मंत्री ने जगतपुर के शंकरपुर स्थित मां दुर्गा देवी मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया तथा सभी जनों की सुख-समृद्धि की कामना की गई। इसी क्रम में विकास खंड जगतपुर के कस्बा कांजी हाउस में 110 फुट ऊँचे भव्य तिरंगे का लोकार्पण एवं ध्वजारोहण कर राष्ट्र को नमन किया गया।

## पीडीए कॉलोनी के कई मकानों पर खतरा, 40 फीट नीचे बह रहा है बड़ा नाला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के चक

रघुनाथ (वार्ड संख्या-40) स्थित विशाल अंडरग्राउंड नाला जगह-जगह टूटने से स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। क्षेत्रवासियों ने आशंका जताई है कि यदि जल्द ही मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का कार्य नहीं कराया गया तो आसपास के मकानों और पेड़ों को गंभीर नुकसान हो सकता है। जानकारी के अनुसार, एल.डी.-114 से लेकर एल.डी.-113 तक फैला यह नाला लगभग 50 फीट गहरा है। पीडीए (एडीए) द्वारा निर्मित इस नाले के जर्जर होने के कारण आसपास की मिट्टी धंस रही है। इसके चलते बड़े-बड़े पेड़ गिरने की स्थिति में हैं और घरों की नींव भी प्रभावित हो रही है। सड़क और गलियों में लगातार गड्ढे बनते जा रहे हैं, जिससे लोगों की आवाजाही भी मुश्किल हो गई है। पत्रकार सुधांशु शर्मा और डी ब्लॉक परिवार के अन्य लोगों ने बताया कि नगर निगम और जलकल विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर मामले को टाल रहे हैं। कभी-कभी नगर निगम केवल मलबा भरवा देता है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं करता। वहीं जलकल विभाग सीवर लाइन तो दुरुस्त कर देता है, मगर सड़क के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी नहीं लेता। लोगों का कहना है कि यह स्थिति दिन-प्रतिदिन भयावह होती जा रही है। यदि समय रहते नाले की मरम्मत और विभागों की स्पष्ट जिम्मेदारी तय नहीं की गई तो जन-धन की बड़ी हानि से इनकार नहीं किया जा सकता। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर नाले की मरम्मत एवं मजबूतीकरण कराने की मांग की है, ताकि लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

## माँ सरस्वती की कृपा से श्रद्धा मिश्रा में गायन व सितार वादन के गुण विराजमान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। संगीत की देवी माँ सरस्वती की कृपा से श्रद्धा मिश्रा ने गायन एवं सितार वादन में अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया है। बचपन से ही संगीत के प्रति विशेष रुचि रखने वाली श्रद्धा ने निरंतर अभ्यास और समर्पण से इस विधा में महारत हासिल की है। श्रद्धा मिश्रा न केवल सुरों की समझ रखती हैं, बल्कि उनका गायन मन को शांति प्रदान करता है। उनकी आवाज़ में एक ऐसी मधुरता है जो सीधे आत्मा को छू जाती है। वहीं दूसरी ओर, सितार के तारों से निकलती उनकी उंगलियों की जादूगरी श्रोताओं को सम्मोहित कर देती है। श्रद्धा का मानना है कि यह सब माँ सरस्वती की अनुकंपा और गुरुजनों के आशीर्वाद का फल है। उन्होंने कहा, 'संगीत मेरे लिए साधना है, और इसे मैं माँ सरस्वती की भेंट मानती हूँ।' स्थानीय कार्यक्रमों में उनकी प्रस्तुति को खूब सराहना मिल रही है, और संगीत जगत में उनका भविष्य उज्ज्वल माना जा रहा है। श्रद्धा मिश्रा युवाओं के लिए प्रेरणा हैं, जो यह सिद्ध करती हैं कि लगन और श्रद्धा से कोई भी कला साधी जा सकती है।

## शहीद वॉल पर पहुंचे न्यायमूर्ति गौतम चौधरी, हजारी प्रसाद पांडे के बलिदान को किया नमन, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब की डायरेक्टरी 2025 का हुआ विमोचन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। रविवार 24 अगस्त को देश की आजादी दिलाई। एनसीजेडसीसी के डायरेक्टर सुदेश शर्मा ने कहा– 'सारे

आजादी में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानी हजारी प्रसाद पांडे की शहादत दिवस पर शहीद वॉल पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति गौतम चौधरी ने कहा कि प्रयागराज के शहीदों के बिना आजादी की गाथा पूरी नही होती। हमारा दायित्व है कि हम इन्हे आजाद भारत में सदैव याद रखें और सम्मान दें।

मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गौतम चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि दो दशक से अधिक समय तक स्वतंत्रता सेनानियों ने संघर्ष और बलिदान के बाद देश को जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा'–यह पंक्ति हर उस शहीद को समर्पित है जिसने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को स्वतंत्रता दिलाई।

वहीं, जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर रजनीकांत मिश्रा ने कहा कि यह शहीद वॉल उस स्थान पर बनी है जहाँ कभी भारतीयों के प्रवेश पर प्रतिबंध था, लेकिन आज वहीं पर शहीदों की स्मृति को अमर किया गया है।

शहीद वॉल के संस्थापक वीरेंद्र पाठक ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि शहीदों की याद को संजोना हमारा कर्तव्य है।

उन्होने बताया कि आज 24 अगस्त को हजारी राम पाण्डेय की शहादत हुई थी। नमामि गंगे की अनामिका चौधरी ने धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम का संचालन डा प्रभाकर त्रिपाठी ने किया।

इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति और पत्रकार मौजूद रहे

जिनमें प्रमुख रूप से इलेक्ट्रॉनिक

मीडिया क्लब के सचिव कुलदीप शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष संदीप तिवारी, उपाध्यक्ष सैयद मोहम्मद आमिर, पवन उपाध्याय,

आरव भारद्वाज, सलमान अहमद, विकास मिश्रा, अनवर खान, नितेश सोनी, गगन

सिंह, विनीत सेठी, पंकज शुक्ला आदि शामिल रहे।

## टीचर की धमकी- कोचिंग नहीं करोगी तो फेल कर दूंगा,बोली- बहुत बेइज्जत किया, डिप्रेशन में पहुंची अस्पताल 12वीं की स्टूडेंट

प्रयागराज। प्रयागराज में एक टीचर ने 12वीं की स्टूडेंट को दी। इससे डिप्रेशन में आई छात्रा की

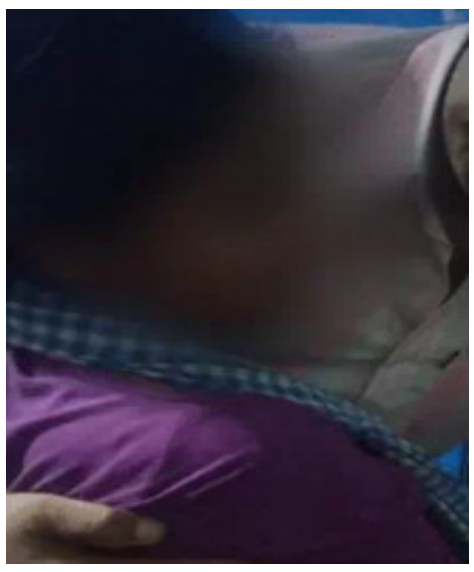

हालत इतनी खराब हो गई कि परिजनों को उसे हॉस्पिटल में भर्ती करवाना पड़ा। पूरा मामला नैनी क्षेत्र के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज का है। बेटी ने बताया टीचर ने बोला- 'अगर मुझसे कोचिंग नहीं पढ़ोगी तो तुम्हें फेल कर दूंगा। देखता हूं ऑनलाइन क्लास करके कैसे पास होती हो। तुम ज्यादा तेज बन रही हो। जिससे शिकायत करना हो कर देना। डरता नहीं हूं।' छात्रा का आरोप है कि वह रेगुलर स्कूल जाती है। ऑनलाइन क्लास भी करती है। इसके बाद भी टीचर उस पर उनसे कोचिंग करने का दबाव बनाते हैं। क्लास में सभी स्टूडेंट के सामने उससे कठिन सवाल पूछते हैं। वहीं, जवाब न देने पाने पर बेइज्जती करते हैं। मांडा महेवा कला के रहने वाले रजनीश श्रीवास्तव की बेटी निशिता (17) इंडस्ट्रियल एरिया के संडवा में परिवार के साथ रहती है। वह नैनी सरगम स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में 12वीं की छात्रा है।छात्रा निशिता ने बताया- टीचर मनीष हम लोगों को फिजिक्स पढ़ाते हैं। वह हमेशा मुझे टारगेट करके बेइज्जत करते हैं। क्लास में मुझसे टफ क्वेश्चन पूछते हैं। जब मैं जवाब नहीं दे पाती हूं तो कहते हैं कि ऑनलाइन क्लास वालों को तुम्हारे बारे में क्या ही पता चलेगा। तुम मुझसे कोचिंग पढ़ो नहीं तो फेल कर दूंगा।पिता रजनीश श्रीवास्तव ने बताया- बेटी 21 अगस्त को स्कूल से घर पहुंची। घर आने के बाद वह गुमसुम रहने लगी। 22 अगस्त को उसकी तबीयत खराब हुई। फिर वह बेहोश हो गई। हम लोग घबरा गए कि क्या हुआ। फिर उसे नजदीक के प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। वहां हम लोगों और डॉक्टरों ने पूरी बात पूछी तो टीचर की धमकी की बात सामने आई। हॉस्पिटल में भर्ती रहने के दौरान मैंने और डॉक्टरों ने निशिता को समझाया कि मनीष सर के हाथ में कुछ नहीं है। स्कूल में इतने टीचर हैं तो तुम्हेम डरने की जरूरत नहीं है। बोर्ड का एग्जाम तुम दोगी मनीष सर कुछ नहीं कर पाएंगे। टीचर मनीष दुबे बलिया के रहने वाले हैं और आईएएस की तैयारी कर रहे हैं। साथ ही लक्ष्य कोचिंग चलाते हैं। उन्होंने बताया- छात्र को ऑफलाइन क्लास करने के लिए दबाव नहीं बनाया था। मैंने सिर्फ यह कहा था कि ऑनलाइन क्लास से बच्चों को समझ में कम आता है। ऑफलाइन क्लास करनी चाहिए, जिससे पढ़ाई अच्छी हो सके। अगर मेरी वजह से छात्र डिप्रेशन में गई है तो मैं उसके लिए माफी चाहता हूं।टीचर मनीष दुबे बलिया के रहने वाले हैं और पीसीएस की तैयारी कर रहे हैं। साथ ही लक्ष्य कोचिंग चलाते हैं। उन्होंने बताया- छात्र को ऑफलाइन क्लास करने के लिए दबाव नहीं बनाया था। मैंने सिर्फ यह कहा था कि ऑनलाइन क्लास से बच्चों को समझ में कम आता है। ऑफलाइन क्लास करनी चाहिए, जिससे पढ़ाई अच्छी हो सके। अगर मेरी वजह से छात्र डिप्रेशन में गई है तो मैं उसके लिए माफी चाहता हूं।

## अतिरिक्त निदेशक मानपाल सिंह , प्रशिक्षण निदेशालय उत्तर प्रदेश के द्वारा रोजगार मेले का निरीक्षण किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ऊंचाहार में से किया गया। आज के मेले में पवन पवन कुमार प्रतिमा चौरसिया चंद्रकांत पांडे आशीष कुशवाहा एवं

दिनांक 23/08/2025 को रोजगार मेले का आयोजन किया गया ।उक्त मेले में त्रिवेणी अलमीरा प्राइवेट लिमिटेड नोएडा प्रतिनधि के द्वारा 67 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया । कुल 200 से अधिक लोगो ने भाग लिया चयनितों को रुपये वेतन 24079 /- रुपये प्रतिमाह के साथ मे कैंटीन की सुविधा वर्दी जूता मुफ्त में मिलेगा । चयन प्रक्रिया लिखित व साक्षात्कार के माध्यम ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर सी एम श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे अपर निदेशक महोदय के द्वारा अभ्यर्थियों से पूछने पर ज्ञात हुआ कि वह आसपास के जिलों से भी आए हुए थे। जिस पर अपर निदेशक जी के द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई एवं चयनित प्रशिक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें भविष्य मे इस प्रकार के और अधिक अवसर उपलब्ध कराने की बात कही गयी।

## अफसर ने रेलकर्मी से की गाली-गलौज, हंगामा:रेलवे कर्मचारियों ने पैदल मार्च निकाला, विरोध प्रदर्शन कर कामकाज रोका

प्रयागराज। एक रेलवे अफसर के खिलाफ कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। आरोप मांग रखी है कि जब तक अधिकारी मांफी नहीं मांगेंगे विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

है कि सहायक अभियंता ने अपने साथ काम करने वाले एक कर्मचारी से बदसलूकी कर गालियां दीं। ऑफिस से भगा दिया। इस मामले को लेकर रेलवे कर्मचारियों ने जमकर हंगामा किया। सोमवार को रेलवे यूनियन से जुड़े पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने रेलवे कर्मचारियों के साथ मिलकर पैदल मार्च निकाला। अफसर के आफिस पहुंच हंगामा किया। रेलवे कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की मांग की। कर्मचारियों ने हेड क्वार्टर के साथ ही प्रयागराज मंडल की शाखाओं में जाकर विरोध किया। ओल्ड महाप्रबंधक कार्यालय में ईएएन/टीएमसी-2 के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। करीब एक घंटे तक हंगामा हुआ। ईएएन/टीएमसी-2 अपने चैंबर में उपस्थित नहीं थे। आक्रोशित कर्मचारियों ने मंडल एसके सिंह, डीएस यादव, मो. सईद, एसपी यादव, आशीष कुमार, नगेंद्र बहादुर, बृजेन्द्र कुमार, राजू प्रसाद, ओपीएस कुशवाहा, अरविंद पांडे, जितेंद्र दिवेदी, बीके अवस्थी, मनोज कुमार, दीपक यादव, वेद प्रकाश आदि मौजूद रहे।रेलवे ट्रैक मशीन में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत संजय चौधरी जिनका कार्यालय ओल्ड महाप्रबंधक कार्यालय बाल्मीकी चौराहे पर स्थित है। आरोप है कि वो अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से गली गलौज करते हैं। शुक्रवार की शाम कर्मचारी को आपने चैंबर में बुलाकर कहा कि आपकी ड्यूटी मेरे साथ थी आप मेरे से ऊपर के अधिकारी के साथ किससे कहने पर कार्य करने लगे।कर्मचारी ने बताया की मैंने अपने से ड्यूटी नहीं लगाई है। आरोप है कि इस पर संजय चौधरी ने मां बहन की गाली देने लगे।

## चंदापुर मंदिर प्रांगण में आठवां गणपत पूजन महोत्सव दिनांक 27 अगस्त से प्रारंभ होगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को बाबा

जगमोहनेश्वर धाम, चंदापुर मंदिर प्रांगण में आठवां गणपत पूजन महोत्सव दिनांक 27 अगस्त से प्रारंभ होगा । जगमोहनेश्वर धाम कमेटी के व्यवस्था प्रभारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने बताया की दिनांक 26 अगस्त को मुंशीगंज से गणपत भगवान की मूर्ति ढोल नगाड़ों के साथ रात्रि 7:30 बजे लाई जाएगी। इसके लिए भव्य दरबार बनाया गया है । मंदिर परिसर की भव्य सजावट कराई गई है त मंटू शुक्ला ने बताया दिनांक 27 अगस्त 2025 दिन बुधवार को भाद्र शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि रहेगी और इसी दिन गणपत भगवान का प्रकटोत्सव अपराह्न में हुआ था । प्रातः 9:00 बजे गणेश जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा आचार्य पंडित नरेश चंद्र शास्त्री द्वारा संपन्न कराई जाएगी । इसके बाद गणेश जी को दूध दही, घी , शहद,शंकर एवं पंचामृत समर्पित किया जाएगा तदुपरांत गणेश जी को 1000 नाम के द्वारा सहर्ष अर्चन किया जाएगा ।1000 दुर्वांकुर, 1000 मखाना का लावा, तथा 1000 मोदक समर्पित किया जाएंगे। 21 बार गणपत अथर्वशीर्ष का पाठ होगा तथा दोपहर 12:00 हवन होगा। इसके बाद आरती और प्रसाद का वितरण होगा । प्रतिदिन प्रात काल 9:00 बजे एवं रात्रि कालीन 7:30 बजे गणेश जी की आरती होगी। भक्तगण दिनांक 27 तारीख को प्रातः 9:00 बजे पूजन या गणेश जी की दोनों समय में संपन्न होने वाली आरती में मुख्य यजमान के रूप में शामिल हो सकते हैं।कृपया मंदिर स्थित कार्यालय से संपर्क करें त यह गणपत महोत्सव आठवां गणपति महोत्सव है जो 6 सितंबर तक चलेगा। दिनांक 6 सितंबर 2025 को भाद्र शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि रहेगी जो अनंत चतुर्दशी के नाम से प्रचलित है ।इस दिन दोपहर 12:00 बजे हवन के पश्चात गणपत भगवान का विसर्जन किया जाएगा ।गणपत महोत्सव के इस पूरे व्यवस्था में आशीष सविता, राजीव दीक्षित, राम प्रकाश, आचार्य नीरज तिवारी, आचार्य योगेश मिश्रा का विशेष सहयोग रहेगा।

## श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन हेतु 04 सितम्बर तक विशेष पंजीयन अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सहायक श्रमायुक्त आर0एल0 स्वर्णकार ने बताया है

कि उप श्रमायुक्त, उ0प्र0 राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड, लखनऊ के द्वारा प्लेटफार्म श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन कराये जाने हेतु 25 अगस्त से 05 सितम्बर 2025 तक विशेष अभियान चलाये जाने, अभियान अवधि में विशेष पंजीयन कैम्पों की लोकेशन गूगल फार्म में, लिंक/यू0आर0एल0 पर अपलोड किये जाने तथा अभियान अवधि की प्रगति निर्धारित प्रारूप पर प्रेषित करने के निर्देश दिये गये हैं।विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों तथा उनके परिवारों को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत स्वास्थ्य सेवाओं से आच्छादित किया जाना है। अभियान अवधि में प्लेटफार्म एग्रीगेटर्स (सेवायोजक) से समन्वय स्थापित करते हुए उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित किया जाना है। सहायक श्रमायुक्त ने प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में अपेक्षित कार्यवाही करने हेतु जनपद रायबरेली में निर्धारित तिथियों में कैंप आयोजित किए जाने के लिए अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। जिसके अनुसार 25 अगस्त 2025 को ई कार्ट, त्रिपुला चौराहा, अहिया रायपुर, रायबरेली में कैंप का आयोजन किया गया। इसी प्रकार 26 अगस्त को शैडो फैक्स, त्रिपुला चौराहा नियर पराग डेयरी, रायबरेली में, 27 अगस्त को मीशो, त्रिपुला चौराहा, अहिया रायपुर, रायबरेली में, 28 अगस्त को डेली वेरी, रतापुर, रायबरेली में, 29 अगस्त को अमेजन, छजलापुर सेंट पीटर स्कूल के पास, रायबरेली में, 30 अगस्त को रोजाना, सुल्तानपुर रोड, औद्योगिक क्षेत्र-साइट-01. रायबरेली में, 01 सितम्बर को रोजाना, जेल रोड, रायबरेली में, 02 सितम्बर को ई-कॉम, परशदेपुर रोड, नियर पी0ए0सी0 लाइन रायबरेली में, 03 सितम्बर को ब्लिंकिट सेंटर, मनिका सिनेमा के पास, रायबरेली में एवं 04 सितम्बर को सुपर मार्केट, वी मार्ट के पास, रायबरेली। सहायक श्रमायुक्त ने कैंप हेतु लगाए गए अधिकारी/कर्मचारियों को आदेश दिए हैं कि कैम्प प्रभारी श्रम प्रवर्तन अधिकारी के निर्देशन में उक्त कार्यवाही किया जाना तथा पंजीयन की प्रगति/सूचना प्रतिदिन निर्धारित प्रारूप पर श्रमायुक्त, उ0प्र0 व यू0पी0ए0स0ए0स0बोर्ड को प्रेषित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

## विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन,नोएडा कार्यक्रम बीके कीर्ति (लीना दीदी) के मार्गदर्शन में संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के समाजसेवा प्रभाग द्वारा पूर्व मुख्य



प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 18वीं पुण्यतिथि (25 अगस्त) के अवसर पर भारत और नेपाल स्तर पर 23 अगस्त से एक विशाल रक्तदान महाअभियान प्रारंभ किया गया है। इसकी औपचारिक शुरुआत ब्रह्मा कुमारीज़ मुख्यालय, माउंट आबू से हुई। इस अभियान को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य मानवता, सेवा और करुणा के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है। अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर आयोजित शिविरों में अत्यंत उत्साह देखने को मिल रहा है। पहले दो दिनों (23 और 24 अगस्त) में 670 शिविरों के माध्यम से लगभग 50,000 यूनिट रक्त एकत्र किया जा चुका है। लक्ष्य है कि 25 अगस्त तक 1500 से अधिक शिविरों के माध्यम से एक लाख यूनिट रक्त एकत्र कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया जाए। नोएडा में इस राष्ट्रीय स्तर के अभियान का संचालन बीके कीर्ति (लीना दीदी) के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा - 'शास्त्रों में कहा गया है - दानं परमं बलम्, अर्थात् दान सबसे बड़ा बल है। रक्तदान एक महान जीवनदान है, जिससे किसी को नया जीवन मिल सकता है। यह सच्ची मानवता की सेवा है।' बीके ऋतु बहन ने भी अपनी बात रखते हुए कहा - 'यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता और भाईचारे का उत्सव है। हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी अन्य के जीवन की धड़कन बन सकता है।' नोएडा में आयोजित रक्तदान शिविर विवरणः 1. सेक्टर 75, नोएडा (24 अगस्त, सुबह 9 से शाम 5 बजे) स्थलः क्लब हाउस, गोल्फ सिटी, प्लॉट 8 सहयोगीः रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली इंस्पायर व रोटरी नोएडा ब्लड सेंटर, मुख्य अतिथिः डॉ. किरण बाला (लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन), श्री राज (रोटरी), श्री नरेश विजयवर्गीय (पॉली मेडिक्योर), श्री बृजेश कुमार, 2. सेक्टर 50, नोएडा (23 अगस्त, सुबह 10 से दोपहर 1 बजे) स्थलः कम्युनिटी सेंटर, ई ब्लॉक, सहयोगीः जिला सम्मिलित अस्पताल, सेक्टर 39, अतिथिः श्री गिरीश पराशर 3. सेक्टर 108, नोएडा (23 अगस्त, सुबह 9 से दोपहर 3 बजे), स्थलः क्लब हाउस, डिवाइन मीडोज सहयोगीः पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ मुख्य अतिथिः डॉ. किरण बाला, डॉ. तपस्विनी प्रधान (ऑन्कोलॉजिस्ट) महाअभियान की समाप्ति पर समस्त केंद्रों से प्राप्त आँकड़ों को संकलित कर विश्व रिकॉर्ड हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। यह सेवा निःस्वार्थ मानवीय सहयोग का अद्वितीय उदाहरण सिद्ध हो रही है।

## एवियर कॉलेज में निःशुल्क दंत, स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 62 स्थित एवियर

कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन द्वारा स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 22 और 23 अगस्त को दो दिवसीय निःशुल्क दंत, स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर संस्थान के स्टाफ एवं विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया। जिसमें क्लोव डेंटल और मैक्स हेल्थकेयर के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने जांच कर परामर्श दिया। दो दिन चले इस स्वास्थ्य शिविर में छात्रों और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने प्रतिभागियों की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच की, जिसमें दंत परामर्श, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण और नेत्र जांच शामिल थे और साथ ही उनके स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक सलाह दी गई तथा नियमित जांच और रोकथाम संबंधी उपायों के महत्व बताए। कॉलेज की इस पहल का मुख्य उद्देश्य था कि नियमित स्वास्थ्य जांच न केवल रोगों की समय पर पहचान में सहायक होती है, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर कॉलेज के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमरेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां समय-समय पर आयोजित की जाती रहेंगी ताकि कॉलेज का प्रत्येक सदस्य स्वस्थ, जागरूक और सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित हो।

## विद्यार्थी प्रतिनिधियों को दिलायी गयी शपथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को नगर स्थित संत जेवियर्स उ. मा. विद्यालय एवं संत जेवियर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल में सामूहिक रूप से विद्यार्थी



प्रतिनिधियों को पद एवं कर्त्तव्य निष्ठा की शपथ दिलायी गयी। इस अवसर पर समारोह का शुभारम्भ नव चयनित हेड ब्वाय, हेड गर्ल, स्कूल कैप्टन व वाइस कैप्टन के साथ प्रधानाचार्य फा. आनन्द कुमार जॉन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात् शिक्षिकाओं द्वारा 'सुबह सबेरे लेकर तेरा नाम प्रभु प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया गया। सभी चयनित विद्यार्थी प्रतिनिधियों का प्रधानाचार्य द्वारा स्लैस अलंकरण, बैज अलंकरण करने के बाद उन्हें ध्वज सौंपा गया और उसके बाद उन्हें पद तथा कर्त्तव्य निष्ठा की शपथ प्रधानाचार्य द्वारा ही दिलायी गयी। चयनित विद्यार्थी प्रतिनिधियों में संत जेवियर्स उ. मा. विद्यालय से स्कूल कैप्टन नीतेश धर द्विवेदी, स्कूल वाइस कैप्टन पलक पाण्डेय, स्पोर्ट्स कैप्टन हीना, वाइस स्पोर्ट्स कैप्टन अखिल, मुख्य अनुशासक सत्यम कुमार, उप अनुशासक सुप्रिया शुक्ला के साथ ब्लू हाउस के कैप्टन देवाशीष मण्डल व वाइस कैप्टन दीक्षा, ग्रीन हाउस के कैप्टन आर्यन कुमार शुक्ला व वाइस कैप्टन काजल कुमारी, रेड हाउस के कैप्टन प्रियम शुक्ला व वाइस कैप्टन शिवांगिनी, यलो हाउस कैप्टन मैत्रेयी व वाइस कैप्टन प्रभात पाण्डेय सम्मिलित हैं। इसी प्रकार संत जेवियर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल के हेड ब्वाय उत्पल व वाइस हेड ब्वाय स्पर्श, हेड गर्ल इच्छा परवीन व वाइस हेड गर्ल जरीन फातिमा, स्पोर्ट्स कैप्टन नितिन गुप्ता व वाइस स्पोर्ट्स कैप्टन तृप्ति, कल्चरल हेड शिवांगी पाण्डेय व वाइस कल्चरल हेड ऋचा मौर्या के साथ गाँधी हाउस ब्वायज कैप्टन आयुष कुमार पाठक व वाइस ब्वायज कैप्टन श्रेयांश शर्मा, गाँधी हाउस गर्ल्स कैप्टन श्रेष्ठा सिंह व वाइस गर्ल्स कैप्टन ब्लैसी लॉरेंस, टैगोर हाउस ब्वायज कैप्टन सार्विक गुप्ता व वाइस ब्वायज कैप्टन अमन जायसवाल, टैगोर हाउस गर्ल्स कैप्टन श्रेया सोनी व वाइस गर्ल्स कैप्टन माधुरी, नेहरू हाउस ब्वायज कैप्टन नीतेश चन्द्र व वाइस ब्वायज कैप्टन चन्द्रभानु मिश्रा, नेहरू हाउस गर्ल्स कैप्टन प्रॉजली सिंह व वाइस गर्ल्स कैप्टन आँचल कुमारी, शास्त्री हाउस ब्वायज कैप्टन प्रियांशु सोनी व वाइस ब्वायज कैप्टन अश्विन कुमार, शास्त्री हाउस गर्ल्स कैप्टन अल्फीया सिद्दिकी व वाइस गर्ल्स कैप्टन हर्षिता शर्मा सम्मिलित है। प्रधानाचार्य ने अपने सम्बोधन में सभी चयनित प्रतिनिधियों को उनके कर्त्तव्यों के प्रति आगाह करते हुए कहा कि आज आप विद्यार्थियों के प्रतिनिधि के रूप में अपने दायित्वों के साथ यदि अपने अध्ययन को भी सही ढंग से निभा लेते हैं तो भविष्य में आप किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम होंगे। समारोह का संचालन शिक्षिका प्रियम्बदा पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थी, शिक्षक-शिक्षिकाएँ तथा तमाम अभिभावक मौजूद थे।

## आदर्श पब्लिक स्कूल में अमावस्या पर हुआ महायज्ञ,योगेश्वर कृष्ण माखन चोर नहीं,न राधा से था कोई संबंध-डॉ जयेन्द्र आचार्य

### कृष्ण का जीवन आप्त पुरुषों जैसा निष्कलंक था- ममता विदुषी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गाजियाबाद वेद प्रचार परिषद द्वारा आदर्श पब्लिक

स्कूल,मकनपुर इन्दिरापुरम गाजियाबाद में अमावस्या पर यज्ञ और प्रवचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। वैदिक विदुषी ममता आर्या ने अमावस्या के पावन अवसर पर यज्ञ कराया और बच्चों तथा अध्यापकों को बताया कि भगवद्गीता में श्रीकृष्ण भगवान ने यज्ञ न करने वाले को पापी बताया है।उन्होंने श्रीकृष्ण जीवन चरित्र पर विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि महाभारत में श्रीकृष्ण का जीवन आप्त पुरुषों जैसा निष्कलंक था। मुख्य वक्ता डा. जयेन्द्र आचार्य (कुलपति आर्ष गुरुकुल नोएडा) ने अपने वक्तव्य में बताया कि बुद्धि दो प्रकार की होती है स्वाभाविक और नैमित्तिक।मनुष्य को परमात्मा ने नैमित्तिक बुद्धि दी है,उसे सब कुछ सीखना पड़ता है जबकि अन्य सभी प्राणियों को उनकी आवश्यकता का ज्ञान उन्हें जन्म से ही मिल जाता है इसलिए मनुष्य को सिखाने और संस्कारित करने की जरूरत होती है। श्रीकृष्ण योगीराज थे। 12 वर्ष की आयु में वह गुरुकुल चले गए,गुरु संदीपन के आश्रम में पढ़ाई की। उन्होंने न गोपियों के साथ रास रचाया,न माखन चुराया,न कोई अनैतिक कार्य किया।पूरे महाभारत और भगवदगीता में कहीं भी उनका संबंध राधा नाम के किसी पात्र से नहीं रहा।राधा को कृष्ण के साथ जोड़ना एक बड़ा षडयंत्र है।श्रीकृष्ण जैसा नीति वान, राजनीतिज्ञ,विनम्र,सदाचारी, ज्ञानी व्यक्ति महाभारत में अन्य कोई नहीं है।उनकी रूक्मिणी ही एक मात्र पत्नी थी और बारह साल के कठोर व्रत के बाद प्रद्युम्न नामक एक पुत्र पैदा हुआ जो हूबहू श्रीकृष्ण के समान ही दिखता था। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक सुबोध त्यागी ने सबका धन्यवाद किया और बच्चों को प्रवचन की मुख्य बातों को अपने जीवन में धारण करने का आवाहन किया। समाज सेवी व जे पी एस पब्लिक स्कूल के संस्थापक विनोद त्यागी ने बच्चों को बताया कि मनुष्य जीवन अमावस्या के समान अंधेरे से घिरा रहता है जैसे अमावस्या के बाद चन्द्रमा धीरे धीरे बढ़ता जाता है और पौर्णिमा तक पूर्ण हो जाता है ऐसे ही हमें धीरे धीरे विद्या अर्जन करना चाहिए और अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करना चाहिए। मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने अपने संदेश में कहा कि इस तरह के पब्लिक स्कूलों में आध्यात्मिक कार्यक्रम निरंतर होते रहने चाहिए ताकि युवा पीढ़ी मातृपितृ भक्त, देशभक्त और सुसंस्कारित हो सके।महायज्ञ की ब्रह्मा ममता आर्या ने शान्ति पाठ कराया और सबका धन्यवाद किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से यज्ञवीर आर्य, अनिल टंडन, राजन, जीतेन्द्र अग्रवाल और विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

## विनय चौधरी ने बढ़ाया आगरा का मान किक बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के वाइस चेयरमैन पद की मिली जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) आगरा। जनपद आगरा के कस्बा किरावली से निकलकर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुके भाजपा के तेजतर्रार युवा नेता विनय चौधरी को किक बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के वाइस चेयरमैन पद पर निर्विरोध चुना गया है। इस उपलब्धि से न केवल आगरा, बल्कि पूरे ब्रज क्षेत्र में हर्ष की लहर है। गौरतलब है कि रिटायर्ड मेजर जी.डी. बख्शी के संरक्षकत्व में संचालित इस फेडरेशन में विनय चौधरी को मिली यह अहम जिम्मेदारी उनके राजनीतिक और सामाजिक योगदान का परिणाम मानी जा रही है। दुबई में आयोजित एक व्यापारिक समिट में शिरकत कर रहे विनय चौधरी ने दूरभाष पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि - यह जिम्मेदारी मेरे लिए गर्व का विषय है। मेरा लक्ष्य किक बॉक्सिंग को सीमित दायरे से निकालकर गांव-गांव तक पहुंचाना है। ग्रामीण परिवेश से जुड़े युवाओं को इस खेल में अवसर उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता होगी। खेल न केवल कैरियर देता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा की भावना भी जाग्रत करता है। उन्होंने कहा कि भारत प्राचीनकाल से ही पारंपरिक खेलों का केंद्र रहा है। आवश्यकता है कि इन विद्याओं को आधुनिक स्वरूप देकर नए भारत के नए युवा तैयार किए जाएं। साथ ही युवाओं से आह्वान किया कि खेलों में भी लक्ष्य तय कर निरंतर प्रयास करें, सफलता निश्चित रूप से मिलेगी। उल्लेखनीय है कि विनय चौधरी भाजपा में ओबीसी मोर्चा के रिसर्च एवं पॉलिसी विभाग के राष्ट्रीय सह प्रभारी हैं और टीवी डिबेट्स में भाजपा का पक्ष मजबूती से रखने के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकल फॉर ग्लोबल अभियान को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने टॉरस ब्रांड की स्थापना की, जो आज खेल परिधानों का एक प्रमुख नाम बन चुका है। इस ब्रांड के वे चेयरमैन एवं डायरेक्टर भी हैं।

## मैहर पुलिस की तकनीकी दक्षता और जन सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। जिला सायबर सेल मैहर ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से





लगभग 10 लाख 35 हजार रूपये कीमत के 60 नागरिकों के मोबाइल खोजे पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर अग्रवाल (भापुसे) द्वारा सीईआईआर पोर्टल में शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला साइबर सेल मैहर को गुम मोबाइल की तलाश हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर अग्रवाल (भापुसे) के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. चंचल नागर के मार्गदर्शन में जिला सायबर सेल मैहर की टीम द्वारा गुम मोबाइल संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से लगभग 10 लाख 35 हजार रूपये कीमत के विभिन्न कम्पनियों के कुल 60 मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया गया। बरामद किये गये मोबाइल सेमसंग, वनप्लस, ओप्पो, वीवो, पोको, टेक्नो, रेडमी, रीयलमी, एमआई, इनफिनिक्स, लावा आदि कंपनियों के है। उक्त सभी मोबाइलों को सतना,मैहर, रीवा ,पन्ना, छतरपुर, चित्रकूट दिल्ली, भिण्ड, टीकमगढ़, गुजरात, आदि स्थानों से ट्रेस किया जाकर बरामद किये गये हैं। उक्त मोबाइलों को आज मैहर पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व सायबर सेल की टीम द्वारा मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किया गया। आवेदकों को मोबाइल वापिस मिलने पर सभी मोबाइल मालिकों द्वारा मोबाइलों के वापस मिलने पर पुलिस अधिकारियों एवं सायबर सेल की टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। पुलिस अधीक्षक मैहर ने सायबर सेल की टीम को उक्त सराहनीय कार्य हेतु पुरस्कृत करने की घोषणा की है। सराहनीय भूमिकाः- उक्त मोबाइलों को खोजने में सायबर सेल टीम मैहर व संबन्धित थानो के अधिकारी/कर्मचारी की सराहनीय भूमिका रही। मैहर पुलिस की अपील- यदि किसी का मोबाइल गुम हो गया है या चोरी हो गया है तो इसकी रिपोर्ट नजदीकी थाने पर दर्ज कराएं और फिर सीईआईआरपोर्टल (www.ceir.gov.in) पर जाकर मोबाइल को ब्लॉक कराए ताकि उक्त डिवाइस का दुरुपयोग न हो सके। इसी पोर्टल के माध्यम से ही आपका मोबाइल खोजा जाएगा। सुरक्षा के साथ सहायता को तत्पर जिला पुलिस बल मैहर।

## दलितों के मसीहा बी.पी. मंडल की मनाई गई जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय सोनभद्र पर दलितों के मसीहा बी.पी. मंडल की जयंती मनाई गई एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।जिसकी अध्यक्षता समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने किया और संचालन जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने किया । संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि पिछड़ों के मसीहा समाजवादी चिंतक बी.पी. सिंह मंडल एक ऐसे महान व्यक्ति थे जिन्होंने हमेशा गरीबों मजदूरों आदिवासियों किसानों और हर वर्ग के समाज की लड़ाई लड़ने का काम



किया । आज उन्हीं की देन है कि आप सभी लोगों को आरक्षण का लाभ मिल रहा है। उन्हीं के रास्ते पर चलते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सड़क से लेकर सदन तक किसानों नौजवानों मजदूर आदिवासियों पिछड़ों अल्पसंख्यकों और हर समाज की लड़ाई लड़ने का काम कर रहे हैं जिससे हर समाज को उनका हक मिल सके । संगोष्ठी में मुख्य रूप से अनिल प्रधान रमेश सिंह यादव विष्णु कुशवाहा बालेश्वर यादव रमेश कुमार वर्मा सुरेश पटेल राजनाथ यादव अजीत कुमार मौर्य प्रमोद मनीष कुमार त्रिपाठी डॉक्टर केडी सिंह पटेल बाबू हाशमी अवनीश कुमार चौबे सत्यम पांडे दिनेश सरोज सुशील राय गुलाम यासीन परशुराम यादव राजमणि यादव नितेश पटेल मिथिलेश सिंह अखिलेश जिज्ञासु विपिन श्रीवास्तव बुधीराम यादव विनोद के साथ दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

## जहरीले जंतु काटने से दूसरे दिन अधूरे महिला की मौत,सदर कोतवाली क्षेत्र के चेरुई गांव का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सड़क कोतवाली क्षेत्र के चेरुई गांव में बीते शुक्रवार की देर रात्रि चारपाई पर सो रही है 62 वर्षीय अधेड़ महिला को जहरीले जंतु के काटने से हुई मौत।जानकारी के अनुसार जगवंती देवी उम्र 62 पति राम केवट निवासी चेरुई जो प्रतिदिन की भात शुक्रवार की रात्रि भी चारपाई पर सोई थी इसी दौरान किसी जहरीले जंतु ने काट लिया काटने से हालत गंभीर देखते हुए परिजन आसपास के लोगों के झाड़ फुक करवाते हुए जिला अस्पताल लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सकों ने अधेड़ महिला को मृत घोषित कर दिया। उधर पुलिस को मिली सूचना के बाद अग्रिम कार्रवाई में जुटी।

## रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र चोरहटा के निवासी रामजी पाठक की जर्मोहरा नदी किनारे मिली लाश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। बीते सोमवार को को सुबह

8 बजे दोस्तो के साथ गए रामजी पाठक कि आज 25/08/ 2025 को लगभग 9:00 बजे के करीबन जरमोहरा नदी में बहती हुई बॉडी बरामद हुई परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। परिजनों का कहना है कि साथ में गए रजनीश सिंह,भोलू सिंह,भोकरण सिंह,राजू सिंह लोगों से हम लोगों ने संपर्क करने की कोशिश की कि हमारा भाई कहां है घर क्यों नहीं आया तो इन लोगों ने हमें 8:00 बजे का टाइम दिया 8:00 बजे रात तक घर वापस आ जाएगा। फिर रात 12:00 तक जब हमारा भाई नहीं आया तो हम लोग खोजने लगे खोजते खोजते कहीं पता नहीं मिला आज सुबह पुनः खोजना शुरू कर दिए फिर कुछ लोगों ने लाश बहने की सूचना दी तब हमें शंका लगा तो हम लोग नदी किनारे पहुंचे जर्मोहरा और खरवाही के लोगों की मदद से बॉडी को नदी से निकाला गया जो की जर्मोहरा देहात थाना क्षेत्र में आता है। देहात थाना पुलिस को सूचना कर बॉडी को पीएम के लिए भेजा गया। आगे पुलिस कार्यवाही कर रही है।

## राना की गौरव गाथा का गुणगान होना जरूरीः मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, बैसवारे के लाल राना बेनी माधव बक्श सिंह की मनाई गई 221वीं जयंती

### शहर के फिरोज गांधी सभागार में आयोजित हुआ कार्यक्रम व सम्मानित हुए बच्चे

रायबरेली। सोमवार को बैसवारे की माटी में जन्में जिले की आन-मान और शान कह जाने वाले अमर सेनानी 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के महानायक व अवध केसरी राना बेनी माधव बक्श सिंह की



221 वीं जयंती के उपलक्ष्य में भाव समर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राना बेनी माधव बक्श सिंह स्मारक समिति की तरफ से शहर के फिरोज गांधी कॉलेज के सभागार में भाव समर्पण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। भाव समर्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री लोक निर्माण विभाग कुंवर बृजेश सिंह ने राना की अश्वरोही प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। मुख्य अतिथि का स्वागत समिति के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, संरक्षक पूर्व विधायक इंद्रेश विक्रम सिंह, दिनेश सिंह चौहान ने बुके देकर किया।भाव समर्पण कार्यक्रम में आए अतिथियों को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने कहा कि राना बेनी माधव बक्श सिंह की गौरव गाथा का गुणगान अवश्य होना चाहिए। राणा बेनी माधव के साहस का वर्णन करते हुए कहा कि 1857 की क्रांति में दिल्ली, कानपुर और लखनऊ की पराजय के बाद भी बैसवारा के राना बेनी माधव ने लॉर्ड कैनिंग के सामने समर्पण नहीं किया। उनकी वीरता और सैन्य कौशल का प्रमाण है कि वे तात्या टोपे के साथ उन दो सेनानियों में शामिल थे, जिन्हें वास्तविक स्वतंत्रता सेनानी की संज्ञा दी गई। राना बेनी माधव बख्श सिंह स्मारक समिति ने जिस तरह से अपने पूर्वजों को संजोने का काम किया है, वह वास्तव में बहुत ही तारीफ के योग्य है। हमें अमर सेनानियों के इतिहास के बारे में जानकारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समिति की तरफ से उनकी स्मृति में बनवाएं जा रहे सभागार का जब उद्घाटन होगा, उस समय हम अवश्य आएंगे। इसके साथ ही उन्होंने शंकरपुर गांव तक जाने वाली सड़क को तीन मीटर से अधिक चौड़ी करने का प्रस्ताव पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से भेजने को कहा। उन्होंने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री जी से मिलकर सड़क को चौड़ीकरण कराने का प्रस्ताव पास कराया जाएगा। सदर विधायक अदिति सिंह ने कहा कि आजादी की असली ललक संगठित रूप से 1857 में देखने को मिली थी। जब एक साथ देश में अलग-अलग जगहों पर आंदोलन शुरू किया गया था। बुंदेलखंड में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने बागडोर संभाली थी तो कानपुर में तात्या टोपे ने। वहीं अवध क्षेत्र में जिस नायक ने अंग्रेजों से मोर्चा लिया था, उस अमर नायक का नाम था राना बेनी माधव बख्श सिंह। शंकरगंज स्टेट के राजा अपने हजारों वीर सैनिकों के साथ मोर्चा लेने के लिए मैदान में निकल पड़े थे। उनके साथ में कंधा से कंधा मिलाकर साथ देने वालों में वीर सेनानी वीरा पासी को कैसे भूल सकते हैं, जिन्होंने अवध क्षेत्र में आंदोलन को गति प्रदान की थी। उनकी ओर से जलाई गई अलख के बाद हम लोग 90 वर्षों तक अंग्रेजों से लड़ते रहे और हजारों नायकों की वजह से ही हमें आजादी मिली थी। आज अगर हम लोग सुरक्षित हैं तो उसमें सबसे बड़ा योगदान हमारे सैनिकों का है। समिति के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि भाव समर्पण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता सेनानी बेनी माधव की स्मृति को संजोना और युवा पीढ़ी को उनके बलिदान से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद से जिले में सभागार का निर्माण हो रहा है। उसका निर्माण पूरा होते ही सीएम योगी आदित्यनाथ के हाथों ही समिति की तरफ से कराया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रमों को संचालन करने के लिए बनाई गई समितियों में समन्वय समिति से हरिहर सिंह, मदन सिंह चौहान, रविंद्र सिंह, अभिषेक विक्रम सिंह,जितेंद्र सिंह बबलू केसरिया को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा डिबेट एवं चित्रकला प्रतियोगिता संचालन समिति से पूर्व प्राचार्य डायट रायबरेली जेपी सिंह, डॉक्टर शशिकांत शर्मा, गोविंद खन्ना, ऋषि अग्रवाल, देवेंद्र सिंह चौहान, राजेंद्र बहादुर सिंह राजन , डॉक्टर आर एन सिंह, डॉक्टर अभिषेक द्विवेदी, रणविजय सिंह गंगा पारी, सत्येंद्र सिंह, स्वास्थ्य शिविर संचालन समिति से डॉक्टर मनीष चौहान, डॉक्टर बृजेश सिंह, डॉक्टर सीबी सिंह, राकेश सिंह भदौरिया, राकेश सिंह राना व महेंद्र अग्रवाल, रक्तदान संचालन समिति से शिवम सिंह, संतोष सिंह, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह व शिक्षक विवेक मिश्रा को सम्मानित किया गया। वहीं, पौधरोपण संचालन समिति से डॉ रवि प्रताप सिंह, रामसेवक चौधरी, फल वितरण संचालन समिति से शिवकुमार सिंह, रामबली सिंह, अतुल गुप्ता, तथा दीपदान संचालन समिति से सभासद एसपी सिंह, अमित सिंह को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही समिति के उन तमाम सहयोगियों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने हमेशा से सहयोग देते रहे हैं।

## प्रशासन के आश्वासन पर खत्म हुआ भूख हड़ताल,सदर नायब तहसीलदार ने अनशन स्थल पर लिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनहित के मुद्दे को लेकर के सोनभद्र विकास मंच के अध्यक्ष समाज सेवी मान्यता प्राप्त पत्रकार रह चुके ज्ञानेश्वर प्रसाद श्रीवास्वत ने नायब तहसीलदार विशाल पासवान को मांगो के संबंध ने ज्ञापन देने के बाद दिन के 2.30 बजे अपना अनशन समाप्त किया। कांग्रेस नगर अध्यक्ष फरीद खां, उत्तर प्रदेश तमाम समाजसेवी नगरवासी,व्यापार मंडल के प्रतिनिधि और पत्रकार गण अनशन स्थल पर पहुंचकर ज्ञानेश्वर श्रीवास्तव के आंदोलन का समर्थन

ने जनहित के प्रमुख मांगो को लेकर पूर्व सूचनानुसार मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सामने अपना धरना प्रदर्शन शुरू किया। तय समय ग्यारह बजे उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष कौशल कुमार शर्मा एवं संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने उनके जनहित के मुद्दों का पूर्ण समर्थन करते हुए उन्हें माला पहनाकर अनशन पर बैठाया। परन्तु इसकी जानकारी होते ही एल आई यू सोनभद्र की टीम, प्रभारी थाना कोतवाली राबर्ट्सगंज एवं जिला प्रशासन के प्रतिनिधि के रूप में नायब तहसीलदार सदर विशाल पासवान अनशन स्थल पर पहुंचकर ज्ञानेश्वर श्रीवास्तव द्वारा जन हित के संबंध में मांग की जा रही सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा करवाने का आश्वाशन देते हुए अनशन समाप्त करने का अनुरोध किया। जिस पर सोनभद्र विकास मंच के पदाधिकारियों एवं उपस्थित समाज सेवियों से विचार विमर्श के बाद ज्ञानेश्वर श्रीवास्तव एवं मंच के लोगों उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष कौशल कुमार शर्मा एवं संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने ज्ञानेश्वर श्रीवास्तव को जूस पिलाकर उनका अनिश्चित कालीन भूख हड़ताल समाप्त करवाया। इस मौके पर ज्ञानेश्वर श्रीवास्तव ने उपस्थित नगरवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा मुझे आश्वस्त किया गया है कि आपके द्वारा उठाए गए जनहित की आवश्यक मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा और इन मांगों को पूरा करने के लिए जो भी संभव सार्थक प्रयास होगा वह जिला प्रशासन करेगा इसलिए जिला प्रशासन के ही आश्वासन पर एवं नगर के प्रबुद्ध जनों के आग्रह पर मैं अपना अनशन समाप्त कर रहा हूं लेकिन इन मांगों पर जिला प्रशासन द्वारा जल्द सार्थक प्रणाम नहीं दिया गया तो अपने मंच के लोगों से विचार मार्च कर में पुनः भूख हड़ताल करूंगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। इस अवसर पर नगर के करते हुए अपने अपने विचार व्यक्त किए। श्रीवास्तव ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगो में प्रथम मांग राबर्ट्सगंज नगर में जिला चिकित्सालय के भवन में 24 घंटे सिटी अस्पताल का संचालन हो जिससे नगर के लोगों को तत्काल चिकित्सीय व्यवस्था मिल सके उनकी दूसरी प्रमुख मांग मुख्यालय सोनभद्र रावटसगंज में राजकीय महिला महाविद्यालय कॉमर्स विज्ञान से लेकर स्नातकोतर तक जल्द से जल्द शुरू किया जाए जिससे लड़कियों को उच्च शिक्षा का मूलभूत अधिकार प्राप्त हो सके और इसके अलावा रावटसगंज सोनभद्र सिटी स्टेशन से मुंबई तक जाने वाली ट्रेन का संचालन सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर अनशन स्थल पर अनशन के समर्थन में शिव प्रसाद यादव, अवधेश कुमार श्रीवास्तव, अनुपम द्विवेदी,प्रवीण श्रीवास्तव,प्रदीप धर द्विवेदी, उमापति पांडेय,राजेश कुमार पांडेय,शिव पूजन दुबे ,प्रांजल श्रीवास्तव आदि सैकड़ों नगर वासी उपस्थित रहे।

## साईं हॉस्पिटल में आयोजित रक्तदान शिविर समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/रॉबर्ट्सगंज। रक्तदान मानवता की सच्ची सेवा है क्योंकि इसे मनुष्य एक ईश्वरीय उपहार के ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र सोनभद्र की मुख्य प्रशासिका बी के सुमन दीदी ने रक्तदान शिविर के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह हुए अपनी गौरवमयी उपस्थित से लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कुल 20 रक्तदाताओं

रूप में जन्म से लेकर आता है। रक्त जीवन के संकटकाल में आवश्यक आवश्यकता है जिसका कोई भी विकल्प आज के वैज्ञानिक युग में भी नहीं है। रक्तदान के प्रति सकारात्मक अवधारणा अपनाने की आवश्यकता है। लोगों को रक्तदान करके संकटग्रस्त लोगों के जीवन की रक्षा करने के लिए आगे आना चाहिए। उक्त बातें सदर माननीय विधायक श्री भूपेश चौबे जी ने ब्रह्माकुमारीज आध्यात्मिक संस्था द्वारा साईं हॉस्पिटल में आयोजित रक्तदान शिविर समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा । रक्तदान शिविर ब्रह्माकुमारी संस्था की दिवंगत मुख्य प्रशासिका परम आदरणीय दादी प्रकाशमणी जी के 18 वे पुण्यतिथि के अवसर पर पूरे भारत और नेपाल में आयोजित किया जा रहा है।रक्तदान करके मानव जीवन की रक्षा करना जन्म-जन्मांतर के लिए श्रेष्ठ भाग्य बनाने का शुभ अवसर है। जब आप किसी संकटग्रस्त व्यक्ति को अपना रक्त देकर रक्षा करते हैं तो परमात्मा आपके जीवन की संकट के समय स्वयं रक्षा करते हैं। साईं हॉस्पिटल डायरेक्टर डॉ वी सिंह तथा प्रबंध निदेशिका डॉ अनुपमा सिंह ने माननीय विधायक का स्वागत करते ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बी के प्रतिभा बहन, बी के सीता, बी के सरोज, बी के कविता, डॉ संजय सिंह,अवधेश धर दुबे, राजीव शुक्ला, हरीन्द्र, भाई गोपाल भाई,राजेश कुमार यादव, विनय जायसवाल, सुशील जायसवाल, राजन सोनी, इत्यादि ने सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन रागिनी श्रीवास्तव नें किया।कार्यक्रम का शुभारम्भ सदर विधायक तथा मंचासिन अतिथियों नें दादी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके तथा दीप प्रज्वलित करके किया।

## हैंडबाल मंडलीय टीम प्रादेशिक प्रतियोगिता के लिए कोच प्रवीण कुमार संघ बहा रहा पसीना,रेणुकूट के प्रवीण कुमार कोच की भूमिका निभा जीत के लिए खिलाड़ियों को लगातार दे रहे टिप्स

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रेणुकूट। जब बात मंडलीय हो या प्रादेशिक स्तर को मिला जहां 69वीं माध्यमिक स्कूली मंडलीय हैंडबाल

पर खेल में जितने की तो हर खिलाड़ी अपनी टीम को जीताने के लिए अपना पसीना तक बहा देता है और जब जीत दर्ज होती है तो यह खुशियां चार चांद में बदल जाती है। जी हां ऐसा ही एक मंजर वाराणसी में देखने प्रतियोगिता 22 अगस्त को परमानंदपुर के विकास इंटर कालेज में खेली गयी जहां मंडलीय टीम का हिस्सा बनने के लिए चार जिलों के 270 खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखायेंगे इसमें वाराणसी के आठ राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने अपना अभ्यास भी शुरू कर दिया है इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के सोनभद्र के रेणुकूट निवासी कोच प्रवीण कुमार अपने खिलाड़ियों संघ काफी मेहनत कर गोलपोस्ट पर अटैक करने का अभ्यास करा कर पसीना बहा रहे हैं ताकि आज का यह पसीना कल हमें व हमारे जिले को खुशियां दे यही नहीं प्रवीण कुमार ने और भी बताया कि इस प्रतियोगिता में अंडर 14,17 व 19 आयु वर्ग में बालक व बालिका वर्ग के मुकाबले होंगे नॉक आउट आधार पर खेली जाने वाली इस प्रतियोगिता में आठ से अधिक राष्ट्रीय खिलाड़ी अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे चयनित टीम आगरा में खेली जाने वाली प्रादेशिक प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी।

## सोनभद्र की एक और उपलब्धिः अमेरिका यात्रा से लौटे डॉ0 हरीश उपाध्याय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राजकीय इंजीनियरिंग

कॉलेज सोनभद्र ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यहां पर कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ हरीश चन्द्र उपाध्याय का शोध पत्र, विश्व की प्रतिष्ठित अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा आयोजित एसीएस फॉल -2025 सिंपोजियम में व्यक्तिगत प्रस्तुतीकरण हेतु स्वीकृत हुआ। डॉ. उपाध्याय को भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के अन्तर्गत विधायी संस्था इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च द्वारा यात्रा अनुदान दिया गया, जिसके परिप्रेक्ष्य में वे 17 से 21 अगस्त 2025 तक अमेरिका यात्रा पर रहे। वॉशिंगटन डीसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस सिंपोजियम में उन्होंने अपने एंटीबायोटिक पर किए गए शोध का प्रस्तुतीकरण दिया। डॉ उपाध्याय ने बताया कि इस सिंपोजियम में विश्व के प्रतिष्ठित संस्थानों से लगभग 11000 वैज्ञानिक व प्रोफेसर शामिल रहे, जिनसे संवाद व भविष्य के शोध पर चर्चा निश्चित ही प्रेरणास्पद रहा। डॉ उपाध्याय ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय संस्थान के निदेशक प्रो गीतम सिंह तोमर के मार्गदर्शन, तथा समस्त कार्याधिकारियों एवं फैकल्टी मित्रों, व अपने शोध छात्रों को दिया, साथ ही आर्थिक सहायता हेतु आई सी एम आर, भारत सरकार का आभार व्यक्त किया। डॉ उपाध्याय के निर्देशन में पहले से ही डीआरडीओ लाइफ साइंसेज रिसर्च बोर्ड व यू पीसीएसटी जैसी संस्थाओं द्वारा वित्त पोषित रिसर्च प्रोजेक्ट चल रहे हैं।

## थाना म्योरपुर पुलिस ने तीन वारण्टियों को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा जनपद सोनभद्र

द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक(आप0) त्रिभुवननाथ त्रिपाठी के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के कुशल निर्देशन में आज दिनांक-24.08.2025 को थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा 03 नफर वारण्टियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार वारण्टियों विवरण - 1.श्यामबिहारी पुत्र ललवा पनिका, निवासी ग्राम परनी, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 42 वर्ष। 2.भागीरथी उर्फ मुन्ना पुत्र ललवा, निवासी ग्राम परनी, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 52 वर्ष। 3.उर्मिला पत्नी राम सूरत, निवासी बभनडीहा, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 42 वर्ष।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः- 1.थानाध्यक्ष श्री कमल नयन दूबे, थाना म्योरपुर, सोनभद्र। 2.उ0नि0 कृष्णानन्द सिंह, थाना म्योरपुर, सोनभद्र। 3.हे0का0 अतुल कुमार यादव थाना म्योरपुर, सोनभद्र। 4.का0 सुधीर चौधरी थाना म्योरपुर, सोनभद्र। 5.म0हे0का0 संगीता पाठक थाना म्योरपुर, सोनभद्र।

## शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग

(आधुनिक समाचार मनोज कोहरवानी,

नेटवर्क) सोनभद्र। आदर्श पब्लिक स्कूल ब्यौहारी के शिक्षकों को वर्तमान परिपेक्ष्य के अनुसार अपने विचारों से सम्बोधित कर प्रशिक्षित किया.इस प्रशिक्षण वर्ग में मुख्य वक्ता के रूप में आदरणीय डॉक्टर रवि द्विवेदी प्रेमलाल मिश्रा, विजय कुमार निगम, इंजीनियर नीरज गुप्ता ,वर्षा प्रदीप गुप्ता,? रुपाली मनोज गुप्ता जी प्रशिक्षक वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।आदर्श पब्लिक स्कूल ब्यौहारी के संचालक जवाहरलाल गुप्ता जी एवं समस्त शिक्षकवृंद परिवार का हार्दिक आभार धन्यवाद।

## महिला शिक्षकों ने बीएससी पर लगाए गंभीर आरोप, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने का भी आरोप लगाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले में बेसिक शिक्षा अधिकारी के खिलाफ महिला शिक्षिकाओं का गुस्सा फूट पड़ा। आरोप है कि बीएसए ने शिक्षिकाओं से अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और उन्हें दफ्तर से भगा दिया। इसके बाद आक्रोशित शिक्षिकाएं बारिश में भीगते हुए बीएसए कार्यालय के बाहर डटी रहीं और जमकर नारेबाजी की। महिलाएं बीएसए पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रही हैं। शिक्षिकाओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए महिलाओं के अपमान करने वाले बीएसए को बर्खास्त करने की मांग कही। वहीं महिला शिक्षिकाओं के द्वारा बीएसए द्वारा वसुली करने का भी आरोप लगाया। मामले में पीड़ित शिक्षिका कुंज लता त्रिपाठी ने आरोप लगाते हुए कहा कि सीसी अरविंद पाठक के द्वारा मेरे साथ दुर्व्यवहार किया गया और उसने मुझसे कहा कि मैने कई महिलाओं को अपने पीछे

घुमाया है हम आप को भी देख लेंगे। जिसकी लिखित शिकायत करने हम सभी शिक्षिकाए बीएसए मुकुल पांडेय से करने के लिए आए तो बीएसए द्वारा भी हम लोगो के साथ भद्दी भद्दी भाषा का इस्तेमाल करते हुए हमें ऑफिस से भगाया गया। जिसके बाद हम सब अपने को अपमानित महसूस कर रही हैं क्या इस तरह से एक बड़े अधिकारी के द्वारा महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया जायेगा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री लगातार महिलाओं के सशक्तिकरण की बात कर रहे हैं और ये अधिकारी की भाषा इस तरह की है। वहीं महिला शिक्षिका संघ की जिलाध्यक्ष कौशर जहां सिद्दीकी ने बताया कि हम सब लोग बीएससी के पास अरविंद पाठक की शिकायत करने पहुंचे पर बीएसए के द्वारा हम महिला शिक्षकों की बात ना सुनकर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए लोगों को ऑफिस से आया गया उसकी वीडियो भी हम लोगों ने बनाया है। हमारी मांग है कि ऐसे दो व्यावहारिक बीएसए को तत्काल हटाया जाए। महिलाओं के संग किस तरह का अभद्र भाषा सर्वजनि के स्थान पर कैसे बोला जा सकता है। महिलाएं अब किसी से डरने वाली नहीं है जो कोई भी उनको दबाकर भाग नहीं सकता हमारी मांग है कि ऐसे अधिकारियों पर सरकार के द्वारा लगाम लगाया जाए जो महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करते है। कौशर जहां सिद्दीकी ( जिलाध्यक्ष महिला शिक्षक संघ, सोनभद्र )

## सदर विधायक रात भर घूम घूम कर लेते रहे जल भराव वाले क्षेत्रों का जायजा, अधिकारियों को देते रहे निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर विधायक भूपेश चौबे दो दिनों से लगातार हो रही अतिवृष्टि से शनिवार रात जिला सदर विधायक भूपेश चौबे शनिवार शाम से ही नगर क्षेत्र में जल भराव वाले मोहल्लों का भ्रमण कर स्थिति से अवगत होते रहे नगर क्षेत्र के में आकाशी बिजली से जीरा देवी की गाय की हुई मौत व क्षतिग्रस्त मकान के बारे में भी जानकारी हासिल किया उन्होंने सदर

मुख्या लय समेत जलभराव वाले गांवों का जायजा लेते रहे। साथ में सदर तहसीलदार अमित कुमार सिंह सीओ रणधीर कुमार मिश्रा भाजपा जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी भी मौजूद रहे। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों को तत्काल सरकार द्वारा अनुमन्य सुविधा दिलाई जाय। यदि इसमें किसी भी तरह की कोताही बरती गई तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ शासन स्तर पर कार्यवाही कराने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। शुक्रवार से लगातार हो रही तेज बारिश ने जनपद मुख्यालय समेत कई ग्रामीण इलाकों में तमाम लोगों के सामने काफी मुश्किलें पैदा हो गई हैं। इसी को ध्यान में रखकर नई बस्ती की इमरती कॉलोनी समेत कई मोहल्ले में स्वयं जाकर निरीक्षण करते रहे इसके अलावा रविवार सुबह नगर क्षेत्र से सटे सजौर बिजौली गांव में भी जाकर लोगों से समस्याओं से संबंधित जानकारी हासिल की इसके अलावा बेलन नदी के किनारे स्थित करारी बिठगांव धरनीपुर तरावां आदि गांव के लोगों से दूरभाष के जरिए जानकारी हासिल करते रहे घग्गर नहर के किनारे स्थित जल भरा वाले गांव गोर्डीहा जिगना एलाही हर गांव से भी लगातार संपर्क में बने रहे रविवार सुबह से ही पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ वार्ता करने के बाद सदर तहसीलदार को लेकर प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन करते रहे सदर तहसील क्षेत्र के सिल्थम गांव तहसीलदार को जल्द से जल्द राहत राशि उपलब्ध कराए जाने को कहा। पुरैनिया घुआस मार्ग पर लखनपुर मां गांव के पास बनी पुलिया धंस जाने से आवागमन बाधित होने की जानकारी पर संबंधित विभाग को शीघ्र पुलिया निर्माण के निर्देश दिए आपदा से प्रभावित परिवारों को शासन द्वाराअनुमन्य राहत राशि शीघ्र उपलब्ध कराए जाने का निर्देश संबंधित विभाग के लोगों को दिया सदर विधायक ने कहा कि यदि सरकार की योजनाओं का लाभ पीड़ित परिवारों तक नहीं पहुंचा तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ शासन स्तर से कार्रवाई भी कराई जाएगी।

## पुलिस व एसओजी टीम द्वारा पिस्टल से फायरिंग की घटना में 25000/- रुपये का इनामिया अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ में घायल/गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मामला 03 जुलाई का हैं जब थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत मशान बाबा के पास, चौकी हिन्दुआरी के समीप, एक व्यक्ति को पिस्टल से गोली मारे जाने की घटना के संबंध में पंजीकृत मु0अ0सं0-699/2025 धारा 109(1) बीएनएस व 3/25 शस्त्र अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया था। उक्त घटना के क्रम में संलिप्त अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के विशेष निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा के नेतृत्व में थाना रॉबर्ट्सगंज व एसओजी प्रभारी को जरिये मुखबिर सूचना मिली कि उक्त प्रकरण में वांछित अभियुक्त आज दिनांक 24.08.2025 को थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम होना से हिन्दुआरी की तरफ जा रहा है। स्थानीय पुलिस बल व एसओजी टीम द्वारा अभियुक्त को रोकने की कोशिश की गयी तो अभियुक्त अपने आप को घिरता देख, पुलिस बल पर फायरिंग कर दी। पुलिस बल द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही की गई जिसमें अभियुक्त के बाएं पैर में गोली लगने से घायल हो गया। अभियुक्त को घटनास्थल (हिनौता रोड़) से 01 अदद अवैध तमंचा, 01 अदद खोखा कारतूस व 01 अदद जिन्दा कारतूस व एक अदद मोटरसाइकिल के साथ पुलिस मुठभेड़ मे गिरफ्तार किया गया। घायल अभियुक्त अमित यादव उर्फ प्रिन्स

उपरोक्त को ईलाज हेतु जिला अस्पताल लोढ़ी लाया गया जहाँ वह ईलाजरत है। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा अभियुक्त को 25000/- रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। मौके पर शांति एवं कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त का विवरण- अमित यादव उर्फ प्रिन्स पुत्र रामकेश यादव निवासी बाघी थाना नौगढ़ चन्दौली उम्र लगभग 24 वर्ष। अभियुक्त अमित यादव का आपराधिक इतिहास- 01. मु0अ0सं0-699/2025 धारा 109(1) बीएनएस थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 02. मु0अ0सं0-107/2022 धारा 120-बी, 407, 419, 420, 467, 468, 471, भादवि थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र।03. मु0अ0सं0-59/2023 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र। 04. मु0अ0सं0-100/2021 धारा 323, 504, 506 थाना नौगढ़ जनपद चन्दौली।बरामदगी का विवरण- 01 अदद अवैध तमंचा, 01 अदद खोखा कारतूस व 01 अदद जिन्दा कारतूस व एक अदद मोटरसाइकिल। गिरफ्तार करने वाली टीम का विवरण- 1. प्रभारी निरीक्षक गोपाल जी गुप्ता थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र मय हमराह। 2. प्रभारी निरीक्षक एसओजी बृजेश सिंह जनपद सोनभद्र मय हमराह। 3. उ0नि0 शिवकुमार सिंह चौकी प्रभारी कस्बा थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 4. उ0नि0 रविकान्त मिश्रा चौकी प्रभारी सुकृत थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 5. उ0नि0 आशुतोष राय चौकी प्रभारी हिन्दुआरी थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 6. उ0नि0 संजय सिंह चौकी प्रभारी लोढ़ी थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 7. उ0नि0 रामअवध यादव थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 8. हे0का0 संदीप यादव थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र।

# मरीज के गॉल ब्लैडर से निकलीं 8125 पथरी,इन 10 लोगों को स्टोन का रिस्क ज्यादा,कारण व बचाव के तरीके

नयी दिल्ली। हाल ही में गुरुग्राम के फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां डॉक्टरों ने एक 70 वर्षीय बुजुर्ग मरीज के पित्ताशय से 8,125 स्टोन निकाले। बुजुर्ग व्यक्ति लंबे समय से पेट दर्द, बीच-बीच में बुखार, भूख न लगने, कमजोरी और सीने व पीठ में भारीपन जैसी कई समस्याओं से जूझ रहा था। सर्जरी के बाद अब मरीज को इन समस्याओं से राहत मिली है। मेडिसिन की भाषा में इस बीमारी को गॉलस्टोन कहा जाता है और इसे ठीक करने के लिए जो सर्जरी की जाती है, उसे कोलिसिस्टेक्टॉमी कहते हैं।

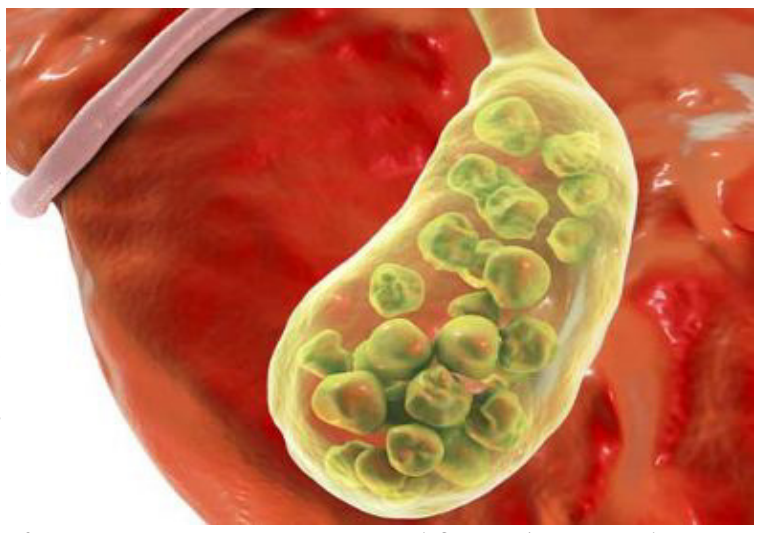

पिछले कुछ सालों में गॉलस्टोन के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण हमारी खराब लाइफस्टाइल और असंतुलित खानपान है। ग्लोबल डेटा डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में भारत में गॉल ब्लैडर से जुड़ी लगभग 32.9 लाख सर्जरी की गई थी। वहीं क्लिनिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी जर्नल में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, दुनिया की लगभग 6प्रतिशत आबादी गॉलस्टोन की समस्या से जूझ रही है। अमेरिका में यह आंकड़ा लगभग 15प्रतिशत है। अनुमान है कि आने वाले समय में यह समस्या और भी तेजी से बढ़ सकती है। हालांकि कुछ सावधानियों और लाइफस्टाइल में बदलाव के साथ गॉलस्टोन के खतरे से बचा जा सकता है। गॉल ब्लैडर (पित्त की थैली) पेट के दाहिनी ओर, लिवर के ठीक नीचे स्थित एक छोटा नाशपाती के आकार का अंग है। यह पित्त को स्टोर करता है और जरूरत पड़ने पर उसे छोटी आंत में छोड़ता है। पित्त का काम भोजन में मौजूद फैट को छोटे-छोटे हिस्सों में तोड़कर उन्हें पचाने में मदद करना है। वहीं जब गॉल ब्लैडर में पथरी (स्टोन) बन जाती है तो इसका सीधा असर पाचन तंत्र पर पड़ता है। इससे खाना पचाना मुश्किल हो जाता है और पेट दर्द, अपच जैसी समस्याएं होने लगती हैं।जब हमारे पित्ताशय के भीतर मौजूद पित्त में कोलेस्ट्रॉल, बिलीरुबिन जैसे तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है तो ये अतिरिक्त तत्व पित्ताशय की दीवारों पर जमा होने लगते हैं। समय के साथ ये कठोर होकर पथरी यानी स्टोन का रूप ले लेते हैं। आइए जानते हैं कि ऐसे कौन-से कारण हैं, जो पित्ताशय में स्टोन का कारण बन सकते हैं।अगर आप ज्यादा फैट खा रहे हैं और आपके खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत ज्यादा बढ़ गई है तो पित्त में भी इसकी मात्रा बढ़ जाएगी। वह एक्स्ट्रा कोलेस्ट्रॉल पित्ताशय की दीवारों पर जमा हो जाता है और धीरे-धीरे स्टोन का रूप ले लेता है।बिलीरुबिन एक बाय-प्रोडक्ट है, जो रेड ब्लड सेल्स के टूटने से बनता है। अगर शरीर में बहुत अधिक बिलीरुबिन है तो इसका कारण यह हो सकता है कि व्यक्ति को कोई ब्लड डिसऑर्डर है, जो बहुत अधिक रेड ब्लड सेल्स को खराब कर रहा है या फिर लिवर में कोई समस्या है। जरूरत से ज्यादा बिलीरुबिन भी पित्ताशय में स्टोन का कारण बन सकता है।कुछ बीमारियां 'बाइल एसिड मालएब्सॉर्प्शन' का कारण बन सकती हैं, जिसका मतलब है कि शरीर से शौच के रास्ते बहुत ज्यादा बाइल एसिड निकल रहा है। बाइल एसिड की कमी के कारण पित्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे पथरी बनने का खतरा होता है।अगर गॉल ब्लैडर ठीक ढंग से काम नहीं कर पाता है तो वह पित्त को खाली नहीं कर पाता है। ऐसे में पित्त गाढ़ा होकर जमने लगता है और स्टोन बनने लगते हैं।कुछ लोगों में गॉलस्टोन का खतरा ज्यादा होता है। इसकी वजहें शरीर की स्थिति, लाइफस्टाइल या जेनेटिक्स से जुड़ी हो सकती हैं।गॉलस्टोन के कई मामलों में कोई लक्षण नहीं दिखाई देते, इसलिए इसे 'साइलेंट स्टोन' भी कहा जाता है। लेकिन जब यह स्टोन पित्त नली में फंस जाते हैं तो तेज दर्द के साथ मतली, उल्टी और पीलिया जैसे लक्षण हो सकते हैं। इसका सबसे बेहतर इलाज गॉल ब्लैडर हटाने की सर्जरी है। ये आमतौर पर लेप्रोस्कोपिक तकनीक से होती है और बहुत सुरक्षित मानी जाती है। इसे निकालने के बाद भी व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है क्योंकि सर्जरी के बाद पित्त सीधा लिवर से छोटी आंत में पहुंचता है। अगर गॉल ब्लैडर में ज्यादा सूजन, इन्फेक्शन या जख्म हो तो डॉक्टर ओपन सर्जरी की भी सलाह दे सकते हैं।

# ड्रीम-11 ने टीम इंडिया की स्पॉन्सरशिप छोड़ी,रु358 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट तोड़ा,बीसीसीआई बोला- अब किसी ऑनलाइन गेमिंग कंपनी के साथ नहीं जुड़ेंगे

मुंबई। एशिया कप 2025 से पहले ड्रीम-11 ने भारतीय क्रिकेट टीम के लीड स्पॉन्सर से हटने का फैसला किया है। बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने सोमवार (25 अगस्त) को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने वाला बिल पास हो गया है। लिहाजा बीसीसीआई और ड्रीम-11 अब साथ नहीं रहेंगे। बीसीसीआई भविष्य में ऐसी किसी भी (ऑनलाइन गेमिंग) कंपनी के साथ नहीं जुड़ेगा। बिल में ड्रीम-11 जैसे रियल-मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को बैन किया गया है। ड्रीम-11 ने 2023 में बीसीसीआई के साथ 358 करोड़ रुपए में तीन साल का स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। 2026 में खत्म होना था कॉन्ट्रैक्ट, तीन बड़ी बातें- ड्रीम 11 इस डील के तहत बीसीसीआई को हर घरेलू मैच के लिए 3 करोड़ रुपए देता था।विदेशों में खेले गए हर मैच के लिए बीसीसीआई को 1 करोड़ रुपए मिलते थे।कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद बीसीसीआई अब नए स्पॉन्सर के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करेगा। स्पेशल क्लॉज के कारण डील तोड़ने पर भी जुर्माना नहीं लगेगा- ड्रीम 11 को बीसीसीआई के साथ अपने स्पॉन्सरशिप करार को समय से पहले खत्म करने के लिए जुर्माना नहीं देना होगा। इसका कारण यह है कि करार में एक स्पेशल क्लॉज शामिल है। ये कहता है कि यदि सरकार का कोई कानून स्पॉन्सर के मुख्य बिजनेस को प्रभावित करता है, तो उन्हें कोई जुर्माना नहीं देना पड़ेगा। सरकार के नए कानून ने रियल-मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो ड्रीम11 के कोर बिजनेस को प्रभावित करता है। इस वजह से ड्रीम 11 स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर सकता है। टाटा-रिलायंस जैसी कंपनी बन सकती है नई स्पॉन्सर टाटा ग्रुप, रिलायंस और अडाणी ग्रुप जैसी पुरानी कंपनियां मजबूत दावेदार के रूप में उभर रही हैं। टाटा पहले से ही आईपीएल का ऑफिशियल स्पॉन्सर है। रिलायंस जियो स्पोर्ट्स स्पॉन्सरशिप और प्रसारण अधिकारों में शामिल है। अडाणी ग्रुप ने भी स्पोर्ट वेंचर्स में निवेश किया है। ड्रीम 11 की 67फीसदी कमाई रियल मनी सेगमेंट से होती थी. ड्रीम 11 का रियल मनी गेमिंग सेगमेंट कंपनी की कुल कमाई का 67फीसदी हिस्सा है। यानी, कंपनी की ज्यादातर कमाई फैंटेसी क्रिकेट जैसे गेम्स से आती थी। यहां यूजर्स पैसे लगाकर अपनी टीमें बनाते थे और जीतने पर कैश प्राइज पाते थे। नए बिल के तहत ये गेम्स अब गैरकानूनी हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के सीईओ हर्ष जैन ने कर्मचारियों को बताया कि नए कानून के तहत रियल मनी गेमिंग को जारी रखने का कोई कानूनी रास्ता नहीं है। इस वजह से ड्रीम 11 ने अपने इस कोर बिजनेस को बंद करने का फैसला किया। कंपनी अब अपने नॉन-रियल मनी गेमिंग वेंचर्स पर फोकस करेगी। 22 अगस्त को ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी। अब ये कानून बन गया है। 21 अगस्त 2025 को राज्यसभा ने और उससे एक दिन पहले लोकसभा ने प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 को मंजूरी दी थी। इस बिल को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पेश किया था।

## महिला सशक्तिकरण पर साक्षात्कारित-साइकोलॉजिस्ट 'प्रियंका सिंह राजपूत', काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ

### साक्षात्कारकर्ताः रचना त्रिवेदी, चैनल हेड - आधुनिक समाचार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)। **(प्रश्न 1: साइकोलॉजिस्ट प्रियंका, सबसे पहले आपका स्वागत है। आप महिला सशक्तिकरण को किस प्रकार परिभाषित करती हैं?** अबः धन्यवाद रचना जी। मेरे अनुसार

रचना त्रिवेदी चौनल हेड आधुनिक समाचार

महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से इतना मजबूत बनाना कि वे अपने भावनाओं को संतुलित कर सकें और आत्मविश्वास के साथ हर कार्य कर सकें। आने वाले समय में सशक्तिकरण का असली रूप यही होगा कि महिलाएँ किसी पर निर्भर हुए बिना अपने निर्णय स्वयं ले सकें और अपनी पहचान स्वयं बना सकें। **प्रश्न 2: मानसिक स्वास्थ्य का महिला सशक्तिकरण से क्या संबंध है?** उत्तरः मानसिक स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण का आपस में बहुत गहरा संबंध है। आज के समय में कई महिलाएं अपने मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करती हैं, जबकि यही उनकी व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि महिला मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं होगी, तो वह न तो अपना ध्यान रख पाएगी और न ही परिवार, समाज और करियर में संतुलन बना पाएगी। आज भी अनेक महिलाएं अवसाद, चिंता और घरेलू हिंसा जैसी चुनौतियों से जूझ रही हैं, लेकिन अक्सर खुलकर व्यक्त नहीं कर पातीं। मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना और इस विषय पर खुलकर चर्चा करना ही वास्तविक महिला सशक्तिकरण की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि स्वस्थ और आत्मविश्वासी महिला ही देश के विकास की सच्ची धुरी बन सकती है। **प्रश्न 3: क्या आप अपने अनुभव से कुछ उदाहरण साझा कर सकती हैं, जहां काउंसलिंग से महिलाओं की ज़िंदगी बदली हो?** उत्तरः जी बिल्कुल। एक महिला मेरे पास घरेलू हिंसा की शिकार होकर आई थीं, जिनकी एक आंख तक उनके पति की मारपीट में चली गई थी। काउंसलिंग और समर्थन से उन्होंने न सिर्फ खुद को संभाला, बल्कि आज एक स्कूल में शिक्षिका हैं, परिवार का सहारा बनी हुई हैं और अपने पति के खिलाफ कानूनी

डॉ प्रियंका सिंह राजपूत नैदानिक मनोविज्ञानी

लड़ाई भी जीती हैं। यह उदाहरण दिखाता है कि सही मार्गदर्शन से महिलाएं अपनी ज़िंदगी में अद्भुत बदलाव ला सकती हैं। **प्रश्न 4: समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अभी भी बहुत भ्रांतियां हैं। इसे आप कैसे देखती हैं?** उत्तरः हां, बिल्कुल। समाज में अब भी यह भ्रांति है कि साइकोलॉजिस्ट के पास सिर्फ 'पागल' लोग जाते हैं। जबकि सच यह है कि जैसे हम शरीर की बीमारी के लिए डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मन की समस्या के लिए साइकोलॉजिस्ट के पास जाना ज़रूरी है। आज भी लोग परेशानी होने पर अंधविश्वास या गलत जगहों का सहारा लेते हैं, लेकिन असली समझ यही है कि हम मानें–स्वस्थ शरीर के साथ स्वस्थ मन भी उतना ही ज़रूरी है। **प्रश्न 5: महिला सशक्तिकरण के लिए आपकी नज़र में सबसे जरूरी कदम क्या हैं?** उत्तरः मेरे अनुसार महिला सशक्तिकरण के लिए सबसे पहला कदम है महिलाओं को शिक्षित करना। दूसरा, उनमें आत्मविश्वास और साहस को बढ़ावा देना ताकि चाहे घर हो या कार्यस्थल, वे बिना डर के आगे बढ़ सकें। तीसरा, पुरुषों को यह समझना और सीखना ज़रूरी है कि महिलाओं का सम्मान करना ही उनका कर्तव्य है। जिस दिन समाज के पुरुष सच में यह सीख लेंगे, उस दिन अलग से 'महिला सशक्तिकरण' की बात करने की आवश्यकता ही नहीं रहेगी। **प्रश्न 6: आप युवा लड़कियों को क्या संदेश देना चाहेंगी?** उत्तरः मैं युवा लड़कियों को यही संदेश देना चाहूंगी कि खुद पर विश्वास रखो और आगे बढ़ने से कभी मत रुको। जिस दिन आप खुद पर शक करने लगोगी, उसी दिन रुक जाओगी। अपने सपनों को पूरा करो और अपनी खुशियों को प्राथमिकता दो, क्योंकि जो इंसान खुद खुश नहीं रह सकता, वह दूसरों को भी खुश नहीं रख सकता। खुद से प्यार करो, दूसरों से तुलना मत करो–क्योंकि आप जैसी हो, वैसे ही परफेक्ट हो। रचना त्रिवेदीः बहुत प्रेरणादायक बातें साझा करने के लिए धन्यवाद, साइकोलॉजिस्ट. प्रियंका। हमें विश्वास है कि यह बातचीत कई महिलाओं को अपनी ज़िंदगी में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करेगी। साइकोलॉजिस्ट. प्रियंकाः आपका भी धन्यवाद। अगर मेरी बातों से किसी एक महिला की सोच बदलती है, तो वही मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

# चेतेश्वर के नन्हे पुजारी से पुजारा बनने की कहानी,टेस्ट में भारतीय बैटिंग की बैक बोन कहलाए,आज इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा

नयी दिल्ली। 10 साल की उम्र में वीडियो गेम की लत गई। मां ने कहा अगर तुम्हें गेम खेलना ही है तो मेरी एक शर्त मानों। तुम्हें रोज 10 मिनट पूजा करनी होगी। इसके बाद पूजा करना रोज की रूटीन में शामिल हो गया। कुछ समय बाद वीडियो गेम की लत बैटिंग करने की लत में बदल गई। घर के बारामदे से शुरू हुआ बैटिंग का सिलसिला राजकोट के हर छोटे-बड़े मैदान से गुजरता हुआ मेलबर्न से लेकर लॉर्ड्स तक पहुंचा। दुनिया का हर मशहूर ग्राउंड उसके कारनामों का गवाह बना। यह छोटी, लेकिन सच्ची कहानी चेतेश्वर पुजारा की है। पुजारा ने आज इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। आगे की स्टोरी में जानेंगे कि एक नन्हा पुजारी भारतीय टेस्ट टीम का दिग्गज बल्लेबाज कैसे बना? पुजारी से पुजारा बनने का सफर- पुजारा के पिता अरविंद और मां रीमा ने जल्दी ही अपने बेटे की प्रतिभा को पहचान लिया। 8 साल की छोटी-सी उम्र में अपने पिता से क्रिकेट का ककग..सीखा। अरविंद कोच के रूप में बहुत सख्त थे। थोड़ी-सी गलती होने पर सबके सामने डांट पड़ती थी। पुजारा के चाचा बिपिन भी सौराष्ट्र की ओर से रणजी खेल चुके हैं।पुजारा 17 साल के थे, जब उनके सिर से मां का आंचल उठ गया। 2005 में वे अंडर-19 का मैच खेल कर लौटे। पुजारा ने अपनी मां रीमा को फोन पर कहा कि पिताजी को लेने के लिए राजकोट बस स्टैंड भेज दें, लेकिन इस युवा को बस स्टैंड में पिता की जगह एक रिश्तेदार मिला, जिसने उन्हें बताया कि आपकी मां का निधन हो चुका है। इसी साल पुजारा ने रणजी डेब्यू किया।2009 में साउथ अफ्रीका में इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए पुजारा की हैमस्ट्रिंग बोन टूट गई। ऐसे में परिवार वाले उन्हें राजकोट लाना चाहते थे, लेकिन टीम के मालिक शाहरुख ने पुजारा के परिजनों से बात की और उन्हें साउथ अफ्रीका में पुजारा की सर्जरी कराने के लिए राजी किया। शाहरुख का तर्क था कि रग्बी खिलाड़ियों को इस तरह की चोट लगती है और वहां के डॉक्टर इसकी सर्जरी अच्छे से करते हैं। शाहरुख ने पुजारा के पिता का पासपोर्ट बनाया और उन्हें साउथ अफ्रीका ले गए।करीब 15 साल पहले 2010 में पुजारा ने बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में दस्तक दी। सीरीज के दूसरे मुकाबले की चौथी पारी में भारत को 200 से ज्यादा रनों का लक्ष्य मिला था और भारत ने 17 रन पर वीरेंद्र सहवाग का विकेट गंवा दिया था। सीरीज के पहले मुकाबले की चौथी पारी में 72 रन की क्लासिकल पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने वाले डब्लूएस लक्ष्मण भी उस मैच में नहीं खेल रहे थे। वे चोटिल थे। ऐसे में कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने टीम को बचाने का जिम्मा युवा पुजारा को दिया, जबकि वे इस मुकाबले की पहली पारी में महज 4 रन ही बना सके थे। उसके बावजूद धोनी बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करते हुए पुजारा को राहुल द्रविड़ की जगह नंबर-3 पर उतारा। पुजारा ने भी कप्तान को निराश नहीं किया और 72 रनों की पारी खेलकर टेस्ट क्रिकेट में दस्तक दी। भारत ने वह मैच 7 विकेट से जीता। पुजारा ने अपने दमदार डिफेंस के दम पर खुद को द्रविड़ के विकल्प के तौर पर साबित किया और धीरे-धीरे नंबर-3 पर अपनी जगह पक्की कर ली। 99 टेस्ट में उन्होंने कई यादगार पारियां खेलीं। 206 और 41 । अहमदाबाद, नवंबर 2012 चेतेश्वर पुजारा ने डेब्यू के बाद अपने छठे टेस्ट में ही इंग्लैंड के खिलाफ दोहरा शतक जड़ दिया। नवंबर 2012 में इंग्लैंड की टीम 4 टेस्ट खेलने भारत आई। अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट में ही उन्हें पुजारा का विशाल रूप देखने को मिल गया। पुजारा ने करीब साढ़े आठ घंटे की बैटिंग में 21 चौकों की मदद से नाबाद 206 रन बना डाले। इस पारी के दम पर भारत ने 521/8 के स्कोर पर अपनी पहली पारी डिक्लेयर कर दी। दूसरी पारी में भी पुजारा ने नाबाद 41 रन बनाए और टीम को 7 विकेट से जीत दिला दी। 145 । कोलंबो, अगस्त 2015 2014 में खराब फॉर्म के चलते पुजारा टेस्ट टीम से बाहर हो गए, लेकिन अगस्त 2015 में उन्हें श्रीलंका दौरे पर फिर मौका मिला। पुजारा ने कमबैक गेम में ओपनिंग की और 145 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने गेंदबाजों के साथ पार्टनरशिप की और टीम को 312 रन तक पहुंचाया। दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार परफॉर्मेंस किया और श्रीलंका को 386 रन का टारगेट मिला। कोलंबो में शतकीय पारी के दौरान चेतेश्वर पुजारा। वे दूसरी पारी में जल्दी आउट हो गए। श्रीलंका से एंजलो मैथ्यूज ने शतक जड़ा, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। भारत ने पुजारा की पारी के दम पर 117 रनों से मैच जीता। भारत ने श्रीलंका में यह सीरीज 2-1 से जीती और यहीं से पुजारा भारतीय टेस्ट टीम की बैकबोन बन गए। 132 । साउथैम्प्टन, सितंबर 2018 2018 में भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर गई और 3 मैच के बाद सीरीज में 2-1 से पिछड़ गई। चौथे टेस्ट में इंग्लैंड 246 पर ऑलआउट हुई, लेकिन 195 के स्कोर पर भारत ने भी 8 विकेट गंवा दिए। पुजारा एक एंड पर टिके हुए थे। उन्होंने यहां भी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा और जसप्रीत बुमराह के साथ पार्टनरशिप की और टीम को 273 रन तक पहुंचाया। पुजारा ने 257 गेंद में 16 चौकों की मदद से नाबाद 132 रन बनाए। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बेहतर बैटिंग की और भारत के सामने बड़ा टारगेट रखा। टीम इंडिया ने चेज करने की कोशिश की, लेकिन मोईन अली के 4 विकेट के बाद भारत 60 रन से मैच हार गया। मुश्किल परिस्थितियों में पुजारा की इस पारी ने उन्हें इंग्लैंड में भी भारत का बेस्ट बैटर बना दिया। 123 और 71 । एडिलेड, दिसंबर 2018 2018 में ही पुजारा ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी बैटिंग से भारत को टेस्ट सीरीज जिताई। पहले ही टेस्ट में पुजारा ने 123 रन की पारी खेली और टीम के आधे रन बनाए। भारत पहली पारी में 250 रन बना सका। पुजारा के स्कोर के बाद गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को कम स्कोर पर ऑलआउट कर दिया। दूसरी पारी में भी पुजारा ने कमान संभाली और 71 रन बनाकर टीम को 307 रन तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया को 323 रन का टारगेट मिला। जिसे भारतीय गेंदबाजों ने बखूबी डिफेंड किया और भारत 31 रन से मैच जीत गया। पुजारा ने इस सीरीज में 521 रन बनाए और अपनी टीम को 2 टेस्ट जिताए। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी दिया गया। 50 और 77 । सिडनी, जनवरी 2021 पुजारा की सबसे यादगार मैचों में से दो मैच 2 साल पहले ऑस्ट्रेलिया में देखने को मिले। 4 टेस्ट की सीरीज में 2 मैचों के बाद स्कोर लाइन 1-1 से बराबर थी। तीसरा टेस्ट सिडनी के खतरनाक विकेट पर खेला गया। जहां पुजारा ने पहली पारी में 176 बॉल पर 50 और दूसरी पारी में 205 बॉल पर 77 रन बनाए। उन्होंने दोनों ही पारियों में कंगारू तेज गेंदबाजों के बाउंसर सहे और शरीर पर 11 चोट लगने के बाद भी ऋषभ पंत का साथ दिया। इस पारी के दम पर भारत ने टेस्ट मैच ड्रॉ करा लिया। पुजारा ने सिडनी टेस्ट में 77 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेलकर मैच ड्रॉ कराया। बाद में भारत ने ब्रिस्बेन टेस्ट जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी सिडनी के बाद ब्रिसबेन टेस्ट में भी पुजारा ने कई गेंदें खेल और एक एंड संभाला। उन्होंने पहली पारी में 94 बॉल पर 25 और दूसरी पारी में 211 बॉल पर 56 रन बनाए। उनकी पारियों ने पंत का कॉन्फिडेंस बढ़ाया। जिसके सहारे भारत ने टेस्ट मैच जीता और ऑस्ट्रेलिया में लगातार दूसरी बार टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा किया।



# वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड जीता:48 किलो वर्ग में कुल 193 किलो वजन उठाया; पेरिस ओलिंपिक के बाद पहला टूर्नामेंट खेला

अहमदाबाद। इंडियन वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड जीत लिया हैं। एक साल के लंबे ब्रेक के बाद वापसी करते हुए चानू ने सोमवार को कुल 193 किलो का वजन उठाया। यह टूर्नामेंट अहमदाबाद में खेला जा रहा है। पेरिस ओलिंपिक के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट था। टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट ने स्नैच में 84 किलो और क्लीन एंड जर्क में 109 किलो का वजन उठाया। उन्होंने स्नैच और क्लीन एंड जर्क में कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड तोड़ते हुए 48 किलो वर्ग में जीत हासिल की।चोट की वजह से थकी हुई दिखीं चोट की वजह से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में लौटते हुए 31 वर्षीय मीराबाई इवेंट के समय थोड़ी थकी हुई नजर आईं। उन्होंने 6 प्रयासों में से केवल तीन सफल लिफ्ट किए। स्नैच में अपने पहले प्रयास 84 किलो पर वह असफल रहीं और दाहिने घुटने को पकड़ते दिखाई दी। हालांकि दूसरे प्रयास में उन्होंने यही वजन आराम से उठा लिया। मीराबाई तीसरे प्रयास में 89 किलो उठाने की कोशिश में भी नाकाम रही।कामनवेल्थ चैंपियनशिप में मीराबाई को कड़ी चुनौती देने वाला कोई खिलाड़ी नहीं था। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 105 किलो से शुरुआत की। फिर उसे बढ़ाकर 109 किलो तक पहुंचाया, लेकिन 113 किलो का अंतिम प्रयास वे पूरा नहीं कर सकीं। मलेशिया की आइरीन हेनरी ने कुल 161 किलो (73 किलो प्लस 88 किलो) उठाकर सिल्वर मेडल जीता, जबकि वेल्स की निकोल रॉबर्ट्स ने कुल 150 किलो (70 किलो प्लस 80 किलो) के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। जूनियर कैटेगरी में सौम्या दालवी ने स्वर्ण पदक जीता। 31 वर्षीय चानू पहले 49 किलो वर्ग में वेटलिफ्टिंग करती थी। हालांकि पिछले ओलिंपिक में 49 किलो वर्ग हटा दिया गया, जिस वजह से उन्हें 48 किलो वर्ग में शिफ्ट होना पड़ा। पिछले साल अगस्त में पेरिस खेलों में के बाद मीराबाई पहली बार किसी टूर्नामेंट में भाग ले रही थी। मीराबाई पेरिस ओलिंपिक में चौथे स्थान पर रही थीं। हाल के वर्षों में चोटों से जूझती रहीं मीराबाई ओलिंपिक में एक किलोग्राम से पोडियम स्थान से चूक गई थीं। मीराबाई ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए नए ओलिंपिक भार वर्ग लागू होने के बाद 49 किग्रा से 48 किग्रा में जाने का फैसला किया है। मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर काम करते हुए चानू अपनी तकनीक को भी निखार रही हैं। उनका मुख्य टारगेट स्नैच में 90 किलोग्राम का वजन उठाना हैं। अक्टूबर में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचने की तैयारी में जुटी चानू ने हाल ही में कहा था कि, मैं अहमदाबाद में पूरी ताकत नहीं लगाऊंगी क्योंकि मैं विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हूं। मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य एशियाई खेल हैं जहां मुझे विश्व रिकॉर्ड तोड़ना और मेडल जीतना है क्योंकि मैंने अभी तक वहां कोई रिकॉर्ड नहीं बनाया है।

# विमेंस वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की टीम घोषित,7 नई क्रिकेटर्स को मौका दिया, 2 अक्टूबर को बांग्लादेश से पहला मैच

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में होने जा रहे विमेंस वर्ल्ड कप के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। सोमवार को जारी इस टीम में 7 नई खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। नई खिलाड़ियों में ऐमान फातिमा, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सदाफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार और सैयदा अरूब शाह शामिल हैं। विमेंस वर्ल्ड कप का आयोजन 30 सितंबर से 2 नवंबर के बीच होगा। पाकिस्तान की टीम 2 अक्टूबर को बांग्लादेश से पहला मैच खेलेगी। टीम का दूसरा मुकाबला 5 अक्टूबर को भारत से होगा। पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल पर श्रीलंका में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच हुए हाइब्रिड समझौते के अनुसार, पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू कोलंबो में खेलेगी। इनमें बांग्लादेश (2 अक्टूबर), इंग्लैंड (15 अक्टूबर), न्यूजीलैंड (18 अक्टूबर), दक्षिण अफ्रीका (21 अक्टूबर) और श्रीलंका (24 अक्टूबर) के खिलाफ मैच शामिल हैं। पाकिस्तान की टीम अगले महीने लाहौर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। सीरीज 16 से 22 सितंबर के बीच खेले जाएगी। इससे पहले टीम 29 अगस्त से हेड कोच मोहम्मद वसीम की देखरेख में ट्रेनिंग करेगी। वनडे वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की टीम फातिमा सना (कप्तान), मुनीबा अली सिद्दीकी (उप-कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, ऐमान फातिमा, नशरा सुंधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सदाफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज (विकेटकीपर) और सैयदा अरूब शाह। ट्रैवलिंग रिजर्वः गुल फिरोजा, नजीहा अल्वी, तुबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर।

## समझना होगा कि हम मशीनों पर गुस्सा नहीं कर सकते

'डिंग डॉन्ग'.. दरवाजे बाईं ओर खुलेंगे' क्या ये आवाज और इस घोषणा से आप परिचित हैं? जी हां, ये आम तौर पर मेट्रो ट्रेन में सुनाई देती है। इस शनिवार को जब बेंगलुरु में 'ग्रीन लाइन' मेट्रो सर्विस के वाजारहल्ली स्टेशन पर मेट्रो रुकी तो बिल्कुल ऐसी ही घोषणा हुई। यात्रियों ने धैर्य से दरवाजे खुलने का इंतजार किया, क्योंकि ट्रेन के पूरी तरह से रुकने के कुछ सेकंड बाद सिस्टम दरवाजे खोलता है। लेकिन किसी अज्ञात तकनीकी खराबी के कारण मेट्रो के कुछ दरवाजे नहीं खुले। ट्रेन चल पड़ी, जैसे हर स्टॉप के बाद चलती है, बिना यह जाने कि पीछे के डिब्बों में कोई तकनीकी खराबी आ गई है। उतरने को बेताब यात्री स्तब्ध रह गए, उन्होंने वहीं किया, जिसमें वो अच्छे हैं- घबरा गए! इसके बाद कुछ यात्रियों ने दिमाग में खुराफाती विचारों के साथ चीखना शुरू कर दिया और भीड़ भी उनके पीछे हो चली। किसी ने नहीं सोचा कि ये तर्कसंगत है भी या नहीं। और बेंगलुरु भी कोई अलग नहीं था। घबराए यात्री तेजी से भाग कर मेट्रो पायलट (मेट्रो ट्रेन के चालक को पायलट कहा जाता है) के केबिन के पीछे वाले लेडीज कोच में पहुंचे और पायलट केबिन का दरवाजा पीटना शुरू किया, जैसे वो किसी ऐसे 'घोड़े बेचके सोने वाले' रूममेट को जगाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे यह पता नहीं कि घर में आग लगी है। धक्कामुक्की और हंगामे से डरे पायलट ने सोचा कि कुछ भयंकर हुआ है और उसने ब्रेक लगा दिए, जिससे ट्रेन एक निर्जन से स्थान पर जाकर रुक गई। जैसे ही उसने सावधानी से अपने केबिन का गेट खोला, उसके सामने गुस्साए यात्री खड़े थे, जो इस बात

का जवाब मांग रहे थे कि क्यों उन्हें पिछले स्टेशन पर नहीं उतरने दिया गया। इसके बाद कुछ मिनटों तक तीखी नोकझोंक हुई। और आप जानते हैं कि जब भीड़ एकत्रित होती है तो कोई एक व्यक्ति तर्कसंगत तरीके से बात नहीं कर सकता। पायलट ने यह समझाने की विफल कोशिश की कि उसे पीछे हुई समस्या के बारे में पता नहीं था और जब यात्री उसके केबिन के दरवाजे को पीटने लगे तो उसने ब्रेक लगाए। चूंकि वह ट्रेन को वापस पीछे नहीं ले जा सकता था, इसलिए पायलट ने सभी यात्रियों से अपने-अपने डिब्बों में लौटने के लिए कहा। पायलट ने यात्रा फिर शुरू की और अगले स्टेशन पर ट्रेन रोक दी। वही आंदोलनरत यात्री तत्काल इकट्ठा हो गए, पायलट के केबिन की ओर भागे और प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर उससे गलती के लिए स्पष्टीकरण मांगने लगे।उनमें से कुछ पिछले स्टेशन पर वापसी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए भी कह रहे थे। लोको पायलट ने पूरा मामला स्टेशन कंट्रोलर को रिपोर्ट किया, जिसने आकर स्थिति संभाली और वापसी की यात्रा में यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने में यथासंभव सहायता की। भारत में अभी 17 शहरों में 17 मेट्रो रेल सिस्टम संचालित हो रहे हैं, जिनकी दैनिक परिचालन दूरी 939.18 किमी की है। 2025 के अंत तक 18वीं ऐसी सेवा की शुरुआत के साथ ही कुल परिचालन दूरी 1000 किलोमीटर से अधिक हो जाएगी, जिससे हमारा मेट्रो सिस्टम दुनिया का तीसरा सबसे लंबा सिस्टम बन जाएगा। भारत में अर्बन रेल ट्रांजिट सिस्टम का पहला प्रकार उपनगरीय रेल थी, जो 16 अप्रैल 1853 को तत्कालीन बॉम्बे (आज के मुम्बई) में बनी था।कोई यह भी नहीं भूल सकता कि हमारे पास 1873 में कलकत्ता (आज के कोलकाता) में घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली ट्राम सेवा भी थी। आवागमन के मामले में तब से अब तक भारत मशीन और तकनीकी की सहायता से बहुत आगे बढ़ चुका है। विदेशों में ऐसी तकनीकी गड़बड़ियां सामान्य हैं। हाल ही मैंने ऐसी ही एक खराबी न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर देखी। वहां यात्रियों को जब ये बताया गया कि तकनीकी कारणों से एक सेवा कुछ घंटों के लिए अस्थायी रूप से बाधित रहेगी तो सभी यात्री शांति से स्टेशन के बाहर आ गए। फंडा यह है कि आप मशीनों पर नाराज नहीं हो सकते। तकनीकी और ऊर्जा पर चलने वाली मशीनों की दुनिया में गड़बड़ी तो होगी ही, भले ही बार-बार ना हो। हमें धैर्य विकसित करना होगा और सीखना होगा कि ऐसी स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया दें। अन्यथा ये दुनिया हम पर हंसेगी।

## अब गाजा में युद्ध का अंत चाहते हैं इजराइल के लोग

मैं इजराइल में एक सप्ताह बिताकर लौटा हूं और मैंने वहां 7 अक्टूबर 2023 के बाद पहली बार कुछ नया महसूस किया। इसे एक व्यापक युद्ध-विरोधी आंदोलन कहना तो जल्दबाजी होगी, क्योंकि वह तभी हो सकता है जब सभी इजराइली बंधकों को रिहा कर दिया जाए। लेकिन मैंने इस बात के स्पष्ट संकेत देखे कि बहुतेरे इजराइली लोग- फिर चाहे वे किसी भी विचारधारा के क्यों न हों- इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि यह युद्ध जारी रखना इजराइल के लिए एक आपदा है : नैतिक के साथ ही कूटनीतिक या रणनीतिक रूप से भी।पूर्व प्रधानमंत्री एहुद ओलमर्ट ने समाचार पत्र हारेत्ज में एक लेख लिखा, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके गठबंधन की आलोचना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ओलमर्ट ने कहा कि इजराइल की सरकार बिना किसी उद्देश्य, लक्ष्य या स्पष्ट योजना के और किसी सफलता की संभावना के बिना ही युद्ध लड़ रही है। उन्होंने कहा, हम गाजा में जो कर रहे हैं, वह विनाशलीला है : नागरिकों की अंधाधुंध, असीमित, क्रूर और आपराधिक हत्या। उनका निष्कर्ष था कि हां, इजराइल युद्ध-अपराध कर रहा है।नेतन्याहू की अपनी दक्षिणपंथी पार्टी के सदस्य एमिट हलेवी जैसे लोग- जो कि युद्ध के कट्टर समर्थक रहे हैं- को लगता है कि क्रियान्वयन में गड़बड़ी हो रही है। हलेवी की विदेश मामलों और रक्षा समिति की सदस्यता नेतन्याहू के गठबंधन द्वारा निलंबित कर दी गई थी, क्योंकि उन्होंने इजराइली रिजर्विस्टों के लिए आपातकालीन कॉल-अप आदेश जारी करने की सरकार की क्षमता का विस्तार करने के प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया था।अपनी बर्खास्तगी के बाद एक अखबार को दिए साक्षात्कार में हलेवी ने कहा : यह युद्ध एक धोखा है। उन्होंने अपनी उपलब्धियों के बारे में हमसे झूठ बोला है। इजराइल 20 महीनों से लड़ रहा है और वह हमास को नष्ट करने में सफल नहीं हो रहा है।वहीं इजराइल के उदारवादी गठबंधन के नेता यायर गोलान ने इजराइल रेडियो पर दिए एक इंटरव्यू में कहा कि अगर हम एक समझदार देश की तरह व्यवहार करना नहीं सीखते हैं, तो इजराइल दक्षिण अफ्रीका की तरह एक बहिष्कृत राष्ट्र बनने की डगर पर है।एक समझदार देश नागरिकों के खिलाफ नहीं लड़ता है, बच्चों को नहीं मारता है और आबा?दियों को अपनी रहने की जगहों से बाहर निकालने का लक्ष्य नहीं रखता है। गोलान- जो खुद गाजा-युद्ध के नायक रह चुके हैं- ने स्पष्ट किया कि वे इजराइली सेना नहीं, उन राजनेताओं को दोष दे रहे हैं, जो युद्ध को ऐसे कारणों से बढ़ा रहे हैं, जिनका राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई लेना-देना नहीं। आज किसी भी स्वतंत्र विदेशी पत्रकार को गाजा से सीधे रिपोर्ट करने की अनुमति नहीं दी जा रही है- इजराइली सेना के बिना। जब युद्ध खत्म होगा और गाजा अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों और फोटोग्राफरों से भर जाएगा, तब जाकर वहां से मृत्यु और विनाश की पूरी रिपोर्ट सामने आएंगी। वह इजराइल और यहूदी-समुदाय के लिए बहुत बुरा समय होगा। यही कारण है कि गोलान ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अब रुक जाएं, युद्ध-विराम करें, बंधकों को वापस लाएं, गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय और अरब सेना भेजें और बाद में हमास के अवशेषों से निपटें। उन्होंने कहा, जब आप पहले ही गड्ढे में हों तो और खुदाई करना बंद कर दें। लेकिन नेतन्याहू खुदाई जारी रखने पर अड़े हुए हैं। उनका दावा है कि वे हमास पर दबाव बनाकर इजराइली बंधकों को लौटा ला सकते हैं। वहीं उनके गठबंधन के धुर-राष्ट्रवादी सदस्यों ने भी उनसे कहा है कि अगर वे युद्ध बंद कर देते हैं, तो उनका तख्तापलट कर दिया जाएगा। इसलिए इजराइली सेना अधिक से अधिक सेकंडरी-टारगेट्स पर हमला कर रही है, और नतीजा यह है कि हर दिन नागरिक मारे जा रहे हैं। हारेत्ज के सैन्य विश्लेषक अमोस हारेल ने बताया कि हमास नेताओं के खिलाफ चलाए जा रहे कई बमबारी अभियान वास्तव में सामूहिक हत्या के प्रयास हैं, अकसर तब, जब वे अपने परिवार के साथ होते हैं। ये अधिकारी अब निजी घरों या अपार्टमेंट इमारतों में नहीं रहते। वे अमूमन हजारों नागरिकों के साथ भीड़ भरे कैंपों में रहते हैं। सेना चाहे जितनी सावधानी बरते, इन हमलों के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर आम नागरिकों की हत्याएं होती हैं। लेकिन इजराइल के लोग गाजा में हताहतों की बढ़ती संख्या के चलते ही युद्ध के खिलाफ नहीं हो रहे हैं। हकीकत यह है कि युद्ध ने पूरे समाज को थका दिया है। इसके संकेत आज आत्महत्याओं की बढ़ती संख्या से लेकर टूटते परिवारों और ढहते व्यवसायों तक सब तरफ नजर आ रहे हैं।गाजा में भी युद्ध-विरोधी आंदोलन जोर पकड़ता दिख रहा है। फिलिस्तीनी सेंटर फॉर पॉलिसी एंड सर्वे रिसर्च के सर्वे में पाया गया कि गाजा पट्टी के 48फीसदी लोगों ने हाल में कई जगहों पर हुए हमास- विरोधी प्रदर्शनों का समर्थन किया हैं।

## परमात्मा पर जितना भरोसा, संसार से उतने ही कम धोखे

मनुष्य को कर्म नहीं भटकाते, कर्म करने का दबाव परेशान नहीं करता, उसे कर्त्ताभाव परेशान करता है। कर्म करने और कर्त्ताभाव में अंतर है। कर्त्ताभाव का अर्थ है मैं यह काम कर रहा हूं। ये जो मैं है, यही परेशानी का कारण है। ये सही है कि हम ही कर रहे हैं, पर कर्त्ताभाव के अभाव का अर्थ है कोई एक परम शक्ति है, जो हम से करा रही है, तो हम कर रहे हैं। आजकल हमारे जीवन में सहज ही डिजिटल मीडिया के कारण कई वैद्य-डॉक्टरों की भरमार हो गई है। स्वास्थ्य को लेकर जानकारियों की झड़ी लगी हुई है और हम सब भी कुछ न कुछ करने के लिए इस सबमें उतर जाते हैं। झूठे आश्वासन, अतार्किक ?चिकित्सा, अंधविश्वास से भरी धार्मिक कथाओं, ?फिजूल के किस्सों आदि के लपेटे में न आएं। ये अप्रत्याशित समाधान जो सोशल मीडिया से पेश किए जा रहे हैं, इनके प्रति अतिरिक्त सावधान रहें। परमात्मा पर जितना भरोसा होगा, उतनी सावधानी जीवन में आ जाएगी और संसार से उतने ही धोखे कम मिलेंगे।

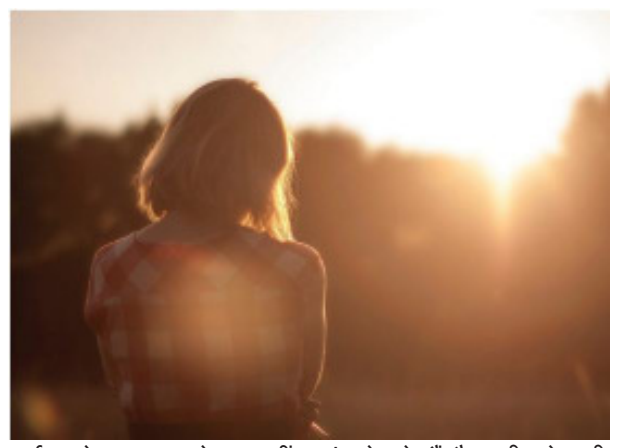

## बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं

मुझे पता है, आप क्या सोच रहे हैं? दरअसल, ये कहना आसान है और करना मुश्किल। खासकर तब जब कोई व्यक्ति ट्रेन की बोगी में कई सारी गेंदें और गुब्बारा लटकाए घूम रहा है और बार-बार आकर कह रहा है कि कौन मुन्ना रो रहा है? मैं उसे दो सेकंड में खुश कर दूंगा और वह एक रबर की पारदर्शी गेंद रेलवे बर्थ के बीच फेंकता है और गेंद अचानक कई रंगों में चमकने लगती है। और बच्चा कहता है कि 'मुझे वो बॉल चाहिए।' बच्चे को समझाने की कोशिश करें कि यह 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं करेगी तो सेल्समैन आप पर टूट पड़ता है कि सर, मैं गारंटी देता हूं कि मुन्ना आपकी वापसी की यात्रा में भी इसी से खेलेगा।मैं हमेशा इसी ट्रेन में रहता हूं। अगली गर्मियों में भी यदि ये गेंद काम नहीं करे आप आकर इसे वापस कर सकते हो। मैं बिना कोई सवाल पूछे इसे बदल दूंगा।' इस बीच आप देखेंगे कि बच्चा पहले ही बॉल से खेलने लग गया है और उसे दूसरी बर्थों पर लुढ़काने लगा है।आपके पास इसे खरीदने के अलावा कोई चारा नहीं रहता। और ऐसी खरीदारी कर चुके आपमें से अधिकांश लोग मुझसे सहमत होंगे कि ऐसी गेंदें एक यात्रा में भी नहीं चल पाती। या तो बच्चा इसे खो देता है या फिर गेंद की वो चमकीली लाइटें बंद हो जाती है, जो फर्श पर मारने के बाद बच्चे को आकर्षित करती थीं।ज्यादातर दूसरा वाला कारण अधिक सामान्य है। अब यह बॉल आपके बैग में रखी हुई एसी कार से घर वापसी की यात्रा कर रही है। और घर पर ये बॉल या तो भुला दी गई है या किसी कोने में अव्यवस्थित सी पड़ी है और कुछ समय बाद कूड़ेदान में चली जाती है!अगर आपके घर में बच्चे हैं तो मुझसे यह मत कहिएगा कि आपके घर में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यही कारण है कि मैंने इस हैडलाइन के साथ शुरूआत की थी कि बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं। उपहार विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि कैसे उपयोगिता, बच्चे के विकास और खुशी को प्राथमिकता दी जाए। वे ऐसे गिफ्ट की सलाह देते हैं, जो खेल और रचनात्मकता को बढ़ावा दे और प्लास्टिक से बचने की राय देते हैं। यहां उम्र के अनुसार कुछ सुझाव पेश हैं।4 वर्ष उम्र वालों के लिएः हिसार में एक स्कूल चलाने वाले मेरे दोस्त हरिपाल पिलानिया ने मुझे लकड़ी के क्यूब्स दिए, जिनसे बच्चे रूबिक क्यूब बना सकते हैं। यकीन मानें, यह गेम आज भी मेरे घर पर 10 साल से है और जो बच्चे मेरे घर आते हैं, बिना थके इससे खेले हैं, चाहे फिर वह 10 साल के हों।6 वर्ष उम्र वालों के लिएः कैट एंड रैट थीम वाले कार्ड गेम। मैंने इसे अमेरिका से खरीदा था। बच्चे ताश खेलने वाले बड़ों की नकल पसंद करते हैं। अकेली बिल्ली किसी चूहे पर भारी पड़ जाए या चूहों का एक समूह बिल्ली को घेर ले, यह वाकई मजेदार खेल है। यहां तक कि हमारी उम्र के लोग भी इसे खेल सकते हैं। मुझे बताओ कि ' रैट-ए-टैट कैट' जैसे गेम खेलने का किसका मन नहीं करेगा?8 वर्ष उम्र वालों के लिएः कई सारे ऐसे कलरफुल जर्नल्स हैं, जो प्रश्नों से भरे होते हैं, उनमें इलस्ट्रेशन और ड्रॉइंग के लिए संकेत होते हैं- उदाहरण के लिए 'यदि मेरे पास एक रोबोट होता तो मैं इसे प्रोग्राम करने के लिए कहता.(ऐसी चीजें मेरे दिमाग में है)10 वर्ष उम्र वालों के लिएः नए बेकर्स और उत्सुक कुक्स के लिए शेफ इन ट्रेनिंग एक गेम है। इसमें मिनी व्हिस्क, स्पेचुला, नापने वाला कप और कई सारी चीजें होती हैं। यह उन्हें अंडे फेंटने और सलाद सजाने जैसे कुछ काम सीखने में मदद करता है। फंडा यह है कि अलग-अलग उम्र के लिए ऐसा सही उपहार चुनना, जिसे वे संभाल कर रखें और ये आसान काम नहीं है। सबसे पहले हमें खुद को रचनात्मक होना पड़ेगा और उससे अधिक उपयोगिता के बारे में सोचना होगा कि वह गिफ्ट उसे बोर ना करे। यदि आपके पास कुछ सुझाव हैं, तो शेयर करें, ताकि मैं सभी पाठकों को इस बारे में बता सकूं।

## अर्थव्यवस्था में सोने का और बेहतर उपयोग कैसे करें?

आज भारतीय परिवारों के पास दुनिया के दस सबसे बड़े केंद्रीय बैंकों- अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, चीन, इटली, स्विट्जरलैंड, जापान, तुर्किये और खुद भारत के स्वर्ण भंडारों से भी अधिक सोना है! भारतीय घरों में लगभग 25,000 टन सोना रखा हुआ है। यह अमेरिकी सरकार के स्वर्ण भंडार (8,133 टन) का तीन गुना और भारतीय रिजर्व बैंक (879 टन) के स्वर्ण भंडार का लगभग 30 गुना है।आज की कीमतों के हिसाब से भारत के घरेलू सोने की कीमत कितनी होगी? सोने के मूल्य लंबे समय से बढ़ रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण इनमें उछाल आया है। लगभग एक लाख रुपए (1,200 डॉलर) प्रति तोला (10 ग्राम) की वर्तमान कीमत के हिसाब से भारतीय घरों में रखे 25,000 टन सोने का मूल्य लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर ठहरता है। यह भारत की 2025 की जीडीपी 4.19 ट्रिलियन डॉलर का लगभग 75 प्रतिशत है।अनुमान है कि इनमें भी भारतीय महिलाओं के पास ही 24,000 टन से ज्यादा सोना है। यह अमेरिका सहित जर्मनी (3,300 टन), इटली (2,450 टन), फ्रांस (2,400 टन) और रूस (1,900 टन) के केंद्रीय बैंकों के सोने के भंडार से ज्यादा है। ऑक्सफोर्ड गोल्ड ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास दुनिया के कुल सोने का 11 प्रतिशत हिस्सा है।सोने से भारतीयों के इस असीम लगाव की वजह क्या है? इसे एक सुरक्षित और स्थिर निवेश माना जाता है। पिछले 25 वर्षों में ही सोने की कीमत 4,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है- यानी 25 वर्षों में 25 गुना वृद्धि। चक्रवृद्धि आधार पर तो सोने का मूल्य प्रति वर्ष लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा है और यह लगभग हर पांच साल में दोगुना हो रहा है।इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 2000 से 2025 के बीच 6,000 से बढ़कर 80,000 से अधिक अंकों तक पहुंचा है- यानी 25 वर्षों में लगभग 14 गुना वृद्धि। यह 12 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) बताता है।लंबी अवधि में सोना इक्विटी से भी बेहतर प्रदर्शन करता है। स्टॉक के विपरीत, सोने की कीमतें कम अस्थिर होती हैं। दुनिया की सबसे रूढ़िवादी निवेशकों में से एक भारतीय महिलाओं को यह बात अच्छी तरह से पता है।सोने ने भारतीय परिवारों को शादियों के लिए पैसे जुटाने और दिवालिया होने से बचाने में मदद की है। लेकिन वित्तीय सुरक्षा के लिए रखे गए एक डेड-एसेट के बजाय भारत की अर्थव्यवस्था में सोने का अधिक प्रोडक्टिव उपयोग कैसे किया जा सकता है?आरबीआई की स्वर्ण निवेश योजना को सीमित सफलता मिली है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का उद्देश्य सोना रखने का विकल्प प्रदान करना है। जैसा कि आरबीआई कहता है, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक बेहतर विकल्प प्रदान करता है। इसमें स्टोरेज का जोखिम और लागत समाप्त हो जाती है।निवेशकों को मैच्योरिटी के समय सोने के बाजार मूल्य और आवधिक ब्याज का आश्वासन दिया जाता है। आभूषण के रूप में सोने के उपयोग के मामले में भी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड समस्याओं से मुक्त है। लेकिन भारतीयों में भौतिक सोने का आकर्षण इतना प्रबल है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पूरी तरह से लोकप्रिय नहीं हो पाया है।भारत ने 2024-25 में 58.01 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया। तस्करी को कम करने के उद्देश्य से आयात शुल्क में 15 से 6 प्रतिशत की कटौती ने 2023-24 में सोने के आयात को 27 प्रतिशत बढ़ाने में मदद की।2024-25 में भारत का व्यापारिक और सेवा व्यापार में कुल घाटा 94.26 अरब डॉलर था। इसलिए 2024-25 में भारत के आयात में 58.01 अरब डॉलर का सोना भारत के व्यापार घाटे का एक प्रमुख घटक है। वैसे भारत के आयात बिल में सबसे बड़ा घटक कच्चा तेल है, जिसका 2024-25 में 133 अरब डॉलर का योगदान था। सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए। लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। सोने के प्रति आकर्षण आर्थिक के साथ ही सांस्कृतिक और भावनात्मक भी है। चूंकि भारतीय महिलाओं के पास 3 ट्रिलियन डॉलर मूल्य का 24,000 टन से अधिक सोना है और पिछले वित्तीय वर्ष में भी उन्होंने 58 अरब डॉलर मूल्य का अनुमानित 600 टन सोना खरीदा है, इसलिए सोने की कीमतों में उछाल बने रहने की संभावना है।सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए। लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

## 'चुपचाप भुगतने दो' की कला में आलोचना झेलने का तरीका छिपा है!

सैकड़ों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भरी दुनिया में किसी को भी अपनी राय व्यक्त करने के लिए दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं, लेकिन हर विषय पर अपनी विशेष टिप्पणी देना तो जैसे कई लोगों का शगल बनता जा रहा है। चाहे उन्हें उस क्षेत्र का ज्ञान हो या न हो। वे हर चीज पर टीका-टिप्पणी करते हैं और किसी भी बात को तिल का ताड़ बना सकते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जो अपने अच्छे काम के बावजूद भी लोगों की शिकायतों की बौछार से परेशान हो जाते हैं, तो यह कहानी आपके लिए है।जयपुर में एक महिला हैं, जो एक पेइंग गेस्ट हाउस चलाती हैं। उनका एक पुश्तैनी घर है, जिसमें 10-12 बड़े कमरे हैं। उन्होंने हर कमरे में 3 बिस्तर लगा रखे हैं। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में भोजन भी मिलता है। उन्हें खाना खिलाने का बहुत शौक है। वे बड़े मन से खाना बनाती और खिलाती हैं। उनके यहां इतना शानदार भोजन मिलता है कि कोई बढ़िया से बढ़िया शेफ भी वैसा नहीं बना सकता। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में ज़्यादातर नौकरी करने वाले लोग और छात्र रहते हैं। सुबह का नाश्ता और रात का भोजन तो सभी लोग करते ही हैं। और जिसे ज़रूरत होती है, वे दोपहर का भोजन पैक करके भी देती हैं। लेकिन उनके यहां एक बड़ा अजीब नियम है। हर महीने में सिर्फ 28 दिन ही भोजन बनता है। बाकी 2 या 3 दिन सबको होटल में खाना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि आप पेइंग गेस्ट हाउस की रसोई में खुद कुछ बना लें।

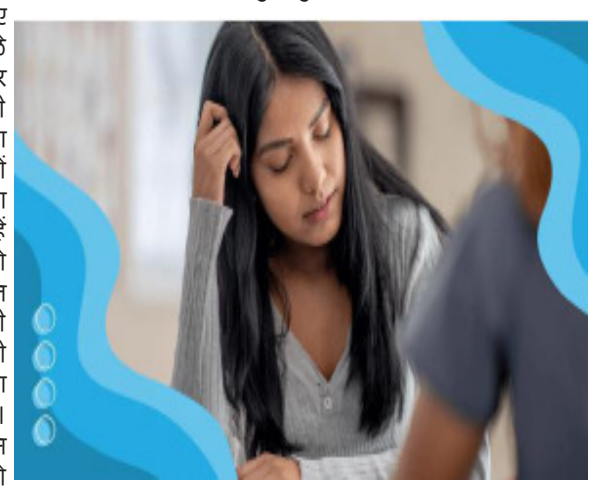

रसोई उन 2-3 दिनों के लिए पूरी तरह से बंद रहती है। हर महीने के आखिरी तीन दिन मेस बंद रहता है। सभी को होटल में खाना पड़ता है, और चाय भी बाहर जाकर पीनी होती है।जब किसी ने पूछा कि यह क्या अजीब नियम है? आपकी रसोई केवल 28 दिन ही क्यों चलती है? वे बोलीं, 'शुरू में यह नियम नहीं था। मैं इसी तरह, इतने ही प्यार से खाना बनाती और खिलाती थी। पर उनकी शिकायतें कभी खत्म ही नहीं होती थीं। कभी यह कमी है, कभी वह कमी है- हमेशा असंतुष्ट और आलोचना करते रहते थे। इसलिए तंग आकर मैंने यह 28 दिन वाला नियम बना दिया। 28 दिन प्यार से खिलाओ और बाकी 2-3 दिन बोल दो कि जाओ, बाहर खाओ। उन 3 दिनों में, उन्हें नानी याद आ जाती है। उन्हें आटे-दाल का भाव पता चल जाता है। उन्हें पता चल जाता है कि बाहर कितना महंगा और कितना घटिया खाना मिलता है। दो घूंट चाय भी 15-20 रुपये की मिलती है। उन्हें मेरी कीमत ही इन 3 दिनों में पता चलती है। इसलिए बाकी 28 दिन वे बहुत कायदे में रहते हैं।'यह वाकिया मुझे तब आया, जब मुझे शनिवार की सुबह दैनिक भास्कर के पाठक 70 वर्षीय शारदा और उनके 75 वर्षीय पति सीताराम अग्रवाल का ईमेल मिला। वे रायपुर से तेलीबांधा से हैं। उन्होंने लिखा कि कैसे कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के समिति सदस्यों की, वहां के रहवासी बिना वजह आलोचना करते हैं। और रहवासी, समिति सदस्यों से ऐसे पेश आते हैं, मानो वे सैलरी पर रखे हुए कोई कर्मचारी हों, जबकि वे लोग तो स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।उन्होंने दुखी होकर बताया कि अमूमन सभी हाउसिंग सोसायटी के यही हाल हैं, जहां अगर कॉलेनी में किसी भी सुविधा में कमी या उसका अभाव दिखता है, तो रहवासी आपे से बाहर हो जाते हैं। सीताराम जी ने मेरे साथ फोन पर बातचीत में बताया कि इससे असंतोष बढ़ता है और अच्छे दिल से काम करने वाले वॉलेंटियर भी सामाजिक कामों से खुद को दूर कर लेते हैं।फंडा यह है कि अगर आप चाहते हैं कि ग्राहक आपकी निष्ठा, प्रतिबद्धता और गुणवत्ता का मूल्य समझें, तो उनकी बात पर कोई प्रतिक्रिया न दें, बस अपनी अनुपस्थिति से उन्हें आपकी प्रतिबद्धता का एहसास कराएं। जब वे चुपचाप भुगतेंगे और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की कमी का अनुभव करेंगे, तभी वे आपका सम्मान करेंगे।

## अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल मैं यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूं कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के ?हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही है, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सबसे ज्यादा मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31प्रतिशत तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक के सबसे धनी अमेरिकी जॉन डी. रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5इ से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है। एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और कमोडिटी जैसे सेक्टरों की 'बैड वेल्थ' की तुलना में टेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की 'गुड वेल्थ' अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और कमोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम योगदान होता है। लेकिन स्वीडन में आज 'गुड बिलियनेअर्स' की संख्या 'बैड बिलियनेअर्स' की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्यमियों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में 'गुड वेल्थ' का हिस्सा महज 12प्रतिशत है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है। स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे। 1990 के दशक की शुरुआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन धन, विरासत, निगमों और अचल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया।2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। उलटे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70प्रतिशत संपत्ति विरासत (इनहेरिटेंस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है। स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और ईज़ी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है। वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे रखा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है।

# इंपैथीः जब दूसरे का दुख-दर्द अपना हो जाए,इंपैथी ही है माइक्रोसॉफ्ट की सफलता का राज, बॉस बनना है तो सीखें इंपैथी

नयी दिल्ली। साल 2014 में सत्य नडेला जब माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ बने, तब कंपनी दुनिया की सबसे ताकतवर टेक कंपनियों में से एक थी। तकनीकी रूप से बेहतरीन, रेवेन्यू भी बढ़ रहा था, लेकिन नडेला को कुछ खटक रहा था। उन्होंने ध्यान से देखा तो पाया कि कंपनी में लोग बस प्रतिस्पर्धा में जुटे हुए थे। वे एक-दूसरे की भावनाओं और परिस्थियों को अनदेखा कर रहे थे। नडेला ने इसे बदलने की ठानी। टीम लीडर्स से लेकर इंजीनियर्स तक सबको 'इंपैथी' के मूल्य अपनाने के लिए प्रेरित किया। धीरे-धीरे माइक्रोसॉफ्ट का कल्चर बदलने लगा। लोग एक-दूसरे की मदद करने लगे, गलतियों पर तानों की जगह सॉल्यूशन देने लगे। इससे कंपनी के प्रोडक्ट्स भी बदले। अब वे सिर्फ फंक्शनल नहीं, बल्कि इमोशनली कनेक्टेड बनने लगे। लोगों को अपनापन सा महसूस होने लगा। इस सोच ने माइक्रोसॉफ्ट को एक इनोवेटिव कंपनी के साथ इमोशनली इंटेलिजेंट कंपनी भी बना दिया। आज के सक्सेस मंत्रा कॉलम का टॉपिक है इंपैथी यानी समानुभूति। हम समझेंगे कि लीडरशिप और सक्सेस के लिए इंपैथी सबसे अंडररेटेड लेकिन जरूरी स्किल है। इंपैथी कैसे हमारी सफलता के सफर को आसान बनाती है और इसे अपनी जिंदगी में कैसे उतार सकते हैं।जब कोई दुखी होता है तो हम अक्सर कहते हैं कि 'मुझे तुम्हारे लिए बुरा लग रहा है।' यह सिंपैथी है, जिसे हिंदी में सहानुभूति कहते हैं। वहीं इंपैथी इससे एक कदम आगे की बात है



यानी समानुभूति। इसमें हम खुद से पूछते हैं कि 'अगर मैं इसकी जगह होता, तो क्या महसूस करता?' इंपैथी में सिर्फ देखना नहीं, बल्कि महसूस करना होता है। यह एहसास हमें दूसरे के दर्द से जोड़ता है, जैसे हम उसके साथ चल रहे हों। यही असली इंसानियत है।भारतीय मूल के सत्य नडेला ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके बेटे की गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी ने उन्हें इंपैथी का मतलब सिखाया था। उन्होंने एक पिता होने के नाते नर्स, डॉक्टर और केयरगिवर्स के नजरिए को समझने की कोशिश की। इससे उनके मन में लोगों के प्रति इंपैथी जागी। यहीं से उनके लीडरशिप स्टाइल में भी बदलाव आया।हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की एक रिसर्च के मुताबिक, इंपैथेटिक लीडर्स के साथ कोई टीम ज्यादा लॉयल, मेहनती और इनोवेटिव होती है। इसका मतलब है कि अगर लीडर टीम के प्रति इंपैथेटिक है तो टीम वर्कर्स को ज्यादा अपनापन महसूस होता है। उन्हें लगता है कि उनका टीम लीडर उनकी हर भावना को समझता है और उनके साथ खड़ा हुआ है। इसलिए टीम के टारगेट और प्रोजेक्ट्स को सफल बनाना उनका काम है।किसी को सलाह देने से पहले, उसे समझने की कोशिश इंपैथी है। यह तब पैदा होती है, जब हम किसी की बात बिना समझे, टोके या जज किए पूरे ध्यान से सुनते हैं। इसके लिए सिंपल तरीका ये है कि खुद से सवाल करें कि अगर मैं इसकी जगह होता तो मुझे कैसा महसूस होता?इस तरह के सवाल से हम किसी की परिस्थिति को उसके नजरिए से देख पाते हैं। इंपैथी विकसित करने का पूरा तरीका,इंपैथी का मतलब सिर्फ दूसरों को अच्छा महसूस करवाना नहीं है, यह खुद को भी गहराई से समझने की शुरुआत है। जब हम किसी की भावनाओं को सच में महसूस करते हैं तो हमारी बातचीत में अपनापन आता है, रिश्ते मजबूत होते हैं और तनाव का सॉल्यूशन मिल जाता है। इंपैथी हमें सिर्फ अच्छा श्रोता नहीं बनाती, बल्कि एक बेहतर इंसान, बेहतर दोस्त और बेहतर लीडर भी बनाती है। जब हम दूसरों को समझते हैं तो धीरे-धीरे हम खुद को भी समझने लगते हैं। यही बदलाव हमारे अंदर इमोशनल इंटेलिजेंस, समझदारी और सेल्फ-अवेयरनेस लाता है और यही तो हर सफल और संतुलित जीवन की नींव है।इंपैथी का मतलब यह नहीं कि आप हर बात से सहमत हों या कमजोर बन जाएं। यह सिर्फ दिल की नहीं, दिमाग की भी समझदारी है। इंपैथी दूसरों के लिए नहीं, खुद को बेहतर इंसान बनाने का जरिया है। जब हम किसी चीज को बेहतर ढंग से समझते हैं, तब ही सही फैसले ले पाते हैं और रिश्ते मजबूत बनते हैं। इंपैथी को लेकर लोगों में जो भ्रांतियां हैं, वे गलत हैं।अगर आप हर किसी का दुख तुरंत अपने ऊपर ले लेते हैं तो धीरे-धीरे आप मन से, शरीर से और सोच से थकने लगते हैं। ये वैसा ही है जैसे हर रोज किसी और का भारी बैग उठाना। यह थोड़ी देर तो ठीक है, लेकिन रोज-रोज उठाते रहेंगे तो आपकी कमर झुकने लगेगी। बहुत ज्यादा इंपैथी रखने से हम अपनी भावनाओं में उलझ जाते हैं। जब कोई रो रहा हो तो हम भी रोने लगते हैं। जब किसी को दुख हो तो हम खुद भी दुखी हो जाते हैं। इससे दो बड़ी दिक्कतें होती हैं।पहले तो हम सामने वाले की सच में मदद नहीं कर पाते हैं, क्योंकि हम खुद ही टूट जाते हैं। दूसरे, हम अपने फैसलों में कंफ्यूज हो जाते हैं, क्योंकि हम दिल की सुनते हैं, लेकिन दिमाग को चुप करा देते हैं।कई बार लोग ज्यादा इंपैथी में दूसरों की तकलीफ अपने दिल पर इतना अधिक ले लेते हैं कि खुद की मानसिक सेहत बिगड़ जाती है। उन्हें नींद नहीं आती, चिंता बनी रहती है और हर वक्त लगता है कि उन्हें ही सब कुछ ठीक करना है।

# राजस्थान के उदयपुर में घर-दुकान बाढ़ में डूबे,यूपी के चंदौली में घाघरा नदी पर बना बांध टूटा; यमुनोत्री हाईवे लैंडस्लाइड से बंद

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। राजस्थान के कई इलाकों में पिछले 2 दिन से भारी बारिश हो रही है। जयपुर, सीकर के कई इलाकों में



पानी भर गया है। सीकर रेलवे स्टेशन पर ट्रैक डूब गया। उदयपुर में घर-दुकान बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर 23 अगस्त से पानी भरा हुआ है। खेरवाड़ा-झाड़ोल मार्ग एनएच 927ए पर सोम नदी का पानी आने से रास्ता बंद है। सवाई माधोपुर में बारिश के बाद करीब 50 फीट जमीन धंस गई है। इधर, यूपी में बारिश से चंदौली में घाघरा नदी पर बना मुसाहिबपुर बांध अचानक टूट गया। इसका पानी 5 गांवों में घुस गया है। फर्रुखाबाद का भुड़िया भेड़ा गांव गंगा नदी की बाढ़ से टापू बन गया है। इसके चलते लोग नाव से आ-जा रहे हैं। उधर, उत्तराखंड में यमुनोत्री नेशनल हाईवे लैंडस्लाइड की वजह से बंद हो गया है। यह भूस्खलन बाणस के पास हुआ, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है। वहीं, बिहार के पटना में सोमवार सुबह मूसलाधार बारिश हुई। इससे कई इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। वहीं, झारखंड में हो रही बारिश के कारण नालंदा में नदियों का जलस्तर बढ़ने बाढ़ के हालात हैं।हिमाचल प्रदेश के शिमला में सोमवार को दोपहर से बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे राज्य के अलग-अलग इलाकों में बारिश होगी।उत्तराखंड में यमुनोत्री नेशनल हाईवे लैंडस्लाइड की वजह से बंद हो गया है। यह भूस्खलन बाणस के पास हुआ, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है।राजस्थान के सिरोही में रपट पर सोमवार सुबह एक कार तेज बहाव में बह गई। वहां मौजूद लोगों ने क्रेन मंगवाकर कार में फंसे युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि पानी का बहाव इतना तेज था कि कार को निकालना संभव नहीं हो सका।चूरू के भानीपुरा में सोमवार को हुई बारिश से पिचकराई ताल गांव में जलभराव हो गया। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।उत्तराखंड के थराली में बादल फटने से आई बाढ़ के बाद लोग अपना सामान ढूंढ रहे हैं। तलाशी और निकासी अभियान अभी भी जारी है।उत्तरी ओडिशा के बालासोर, भद्रक और जाजपुर ज़िलों के बड़े हिस्से उफान पर आई नदियों के कारण डूब गए हैं। सबसे



ज़्यादा प्रभावित बालासोर ज़िले में, सुवर्णरेखा नदी के उफान से बालीपाल, बस्ता, भोगराई और जेलेश्वर ब्लॉक डूबे हैं। जाजपुर के कसपा में अहियास बाजार के पास बैतरणी की सहायक नदी कानी के तटबंध में 30 मीटर की दरार आ गई है।उत्तरकाशी पुलिस ने सोमवार को बताया कि भूस्खलन के कारण गंगोत्री राजमार्ग नलूना के पास अवरुद्ध है। मार्ग की मरम्मत के लिए मशीनरी तैनात कर दी गई है, लेकिन राजमार्ग को बहाल करने में समय लग रहा है। सुरक्षा कारणों से दोनों ओर बैरिकेडिंग कर दी गई है और सुरक्षित स्थानों पर यातायात रोक दिया गया है।भारी बारिश के कारण बांसवाड़ा ज़िले की नदी का जलस्तर बढ़ गया है। संगमेश्वर मंदिर बाढ़ के पानी में डूब गया है। भक्त आरती के लिए मंदिर की चोटी पर चढ़ रहे हैं।रविवार को उधमपुर में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बलिनल्लाह के पास बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक पेट्रोल पंप मलबे में दब गया। घटना शाम करीब 6:30 बजे हुई। पास के पहाड़ में एक दरार आ गई थी, जिससे पेट्रोल पंप पर भार बहुत ज़्यादा हो गया था। इसी वजह से यह पूरा हादसा हुआ।राजस्थान में भारी बरसात प्रदेश में कई इलाके जलमग्न हो गए। कई शहरों, गांवों और कस्बों में बाढ़ जैसे हालात हो गए। रविवार को सबसे ज्यादा 7 इंच बरसात नागौर में दर्ज हुई। 13 जिलों में यलो अलर्ट है। बारिश के अलर्ट को देखते हुए जयपुर-सीकर समेत 19 जिलों में कहीं एक तो कहीं दो तो कहीं तीन दिन की स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है.यूपी के 30 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है। तीन दिनों से लगातार झमाझम बारिश हो रही थी। अब कल मंगलवार से अगले 5 दिन के लिए बारिश की रफ्तार में कमी आएगी। गाजीपुर में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की जर्जर दीवार रविवार शाम ढह गई। हादसे में 4 लोग घायल हो गए। जौनपुर में बारिश और जलभराव के कारण डीएम ने कक्षा 8 तक स्कूल बंद करने का आदेश जारी किया है।यूपी में 3 दिनों से बारिश का दौर लगातार जारी है। लखनऊ-कानपुर में सुबह से बारिश हो रही है। फतेहपुर में दूसरे दिन बारिश जारी है। सोमवार तड़के बिंदकी में कच्चा मकान ढह गया। इसमें दबकर मां-बेटे और बहू की मौत हो गई। 4 बच्चे गंभीर घायल हैं। वहीं, यूपी के 30 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है। रविवार को 24 घंटे में सोनभद्र में सबसे ज्यादा 130 मिमी बारिश हुई। यहां रिहंद बांध ओवरफ्लो हो गया। जलस्तर डेंजर लेवल के करीब 869 फीट पहुंच गया। आधी रात को बांध के 5 गेट खोल कर पानी निकाला।हिमाचल प्रदेश में पूरी रात भारी बारिश हुई। बारिश के बाद सड़क व रास्तों की स्थिति देखते हुए स्कूल कॉलेजों समेत सभी शिक्षण संस्थानों में आज छुट्टी की गई है। कांगड़ा के इंदौरा में कई घर और किसानों की जमीन जलमग्न हो गई है। गाड़ियां पानी में तैरने लगी है। 24 घंटे से जारी बारिश की वजह से लैंडस्लाइड से दो नेशनल हाईवे समेत 482 सड़कें बंद हो गई है।मध्यप्रदेश के ऊपरी हिस्से से मानसून टर्फ गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और लो प्रेशर एरिया भी एक्टिव हैं। इस वजह से प्रदेश में भारी बारिश का दौर जारी है। 22 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। ये जिले उज्जैन, सागर, जबलपुर और ग्वालियर-चंबल संभाग के हैं। इंदौर, भोपाल समेत अन्य जिलों में हल्की बारिश का दौर बना रहेगा। सतना में निचली बस्तियों में पानी भर गया। तेज बारिश होने से नर्मदापुरम जिले के तवा डैम के गेट 5 फीट तक खोले गए।

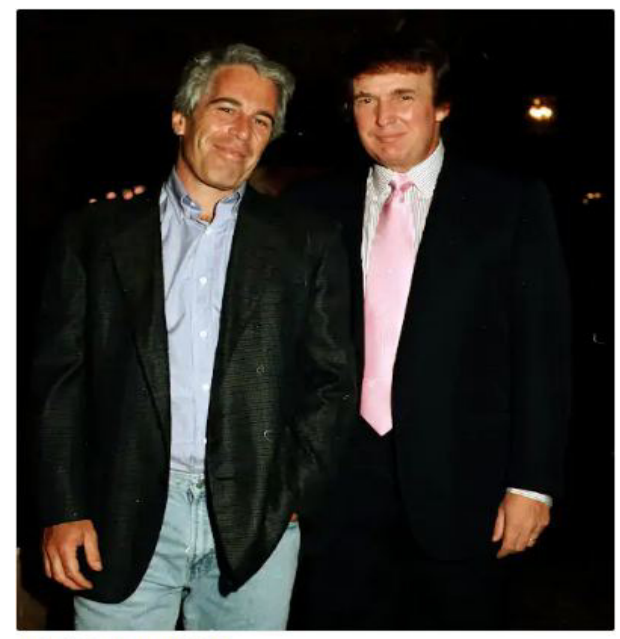

# एपस्टीन सेक्स स्कैंडल में प्रिंसेस डायना का नाम जुड़ा,डायना और एप्स्टीन के डेट पर जाने की अटकलें लगी,दावा- लंदन में मिले होंगे

वॉशिंगटन डी सी। अमेरिका के यौन अपराधी जेफरी एप्स्टीन केस में अब ब्रिटेन की दिवंगत



राजकुमारी डायना का नाम भी जुड़ गया है। दरअसल, जेफरी एप्सटीन की सहयोगी गिसलैन मैक्सवेल ने दावा किया है कि प्रिंसेस डायना को लंदन में एक इवेंट में एप्सटीन से मिलाने की कोशिश की गई थी। मैक्सवेल ने बताया कि यह इवेंट डायना की करीबी दोस्त रोजा मॉन्कटन ने आयोजित किया था। उन्होंने कहा- 'मुझे नहीं पता कि क्या उसे डायना के साथ डेट पर जाने के लिए तैयार किया जा रहा था, लेकिन मैं डायना के बारे में बुरा नहीं कहना चाहती।' मैक्सवेल फिलहाल नाबालिगों की तस्करी के लिए 20 साल की सजा काट रही हैं। यह खुलासा ट्रम्प के एपस्टीन के साथ संबंधों की नए सिरे से जांच और एपस्टीन जांच फाइलों के कुछ हिस्सों को रोके रखने के न्याय विभाग के फैसले की आलोचना के बीच हुआ है।अमेरिकी न्याय विभाग के हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, मैक्सवेल ने कहा कि एप्सटीन पार्टी में उनके बिना गए थे इसलिए उन्हें नहीं इस बात की पूरी जानकारी नहीं है कि



डायना और एप्सटीन की मुलाकात हुई या नहीं, लेकिन यह इवेंट रोजा ने आयोजित किया था।मैक्सवेल ने यह भी कहा कि एप्सटीन उस समय लंदन में बड़े लोगों के साथ घूमते थे, जिनमें रोजा और उनके पति, पत्रकार डोमिनिक लॉसन शामिल थे। रोजा, डायना की सबसे करीबी दोस्तों में से एक थीं। वो रोजा की एक बेटी का पूरा खर्च भी उठाती थी। हालांकि, मैक्सवेल ने डायना को लेकर जो जानकारियां दी है, उनकी तारीख साफ नहीं है। मैक्सवेल के मुताबिक एपस्टीन और डायना के बीच मुलाकात ??2000 के दशक की शुरुआत में हुई, जबकि 31 अगस्त, 1997 को पेरिस में एक कार दुर्घटना में डायना की मृत्यु हो गई थी।इसके साथ ही मैक्सवेल ने प्रिंस एंड्रयू को लेकर भी खुलासे किए हैं, उन्होंने दावा किया की प्रिंस एंड्रयू और वर्जीनिया गिफ्रे की तस्वीर नकली थी। उन्होंने कहा कि लंदन में मैक्सवेल के घर पर प्रिंस एंड्रयू के साथ यौन संबंध बनाने के लिए गिफ्रे को पैसे दिए जाने की कहानी बकवास है। मैक्सवेल के अनुसार, उसने एंड्रयू को एपस्टीन से नहीं मिलाया था और एंड्रयू और गिफ्रे के साथ उसकी तस्वीर नकली थी। दरअसल, एपस्टीन पर आरोप लगाने वाली एक युवती वर्जीनिया गिफ्रे भी थी। उसने आरोप लगाया था कि वह सिर्फ 16 साल की थी जब वह डोनाल्ड ट्रम्प के क्लब मार-ए-लागो में काम कर रही थी। वहीं पर उसकी मुलाकात गिस्लेन मैक्सवेल से हुई थी। उसने उसे मसाज थेरेपी का ऑफर दिया था। वह झांसा देकर उसे एपस्टीन के पास ले गईं। गिफ्रे ने दावा किया कि उसे एपस्टीन के घर ले जाया गया जहां उसे 'मालिश' देने को कहा गया। गिफ्रे ने प्रिंस एंड्रयू पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। हालांकि, प्रिंस एंड्रयू ने आरोपों का खंडन किया था और मामले को अदालत के बाहर 12 मिलियन पाउंड में सुलझा लिया था।मैक्सवेल का प्रिंसेज डायना और एंड्रयू को लेकर किए गए दावों को उनके पारिवारिक रिश्तों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। डायना, एंड्रयू के बड़े भाई प्रिंस चार्ल्स की पत्नी थीं, वे शाही परिवार के कई आयोजनों में एक साथ दिखते थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डायना और एंड्रयू दोनों ही शाही परिवार के प्रोटोकॉल और पब्लिक लाइफ का दबाव महसूस करते थे। हालांकि, डायना अक्सर मीडिया की निगाह में रहती थीं। 1992 में डायना और चार्ल्स अलग हुए, और लगभग उसी समय एंड्रयू और उनकी पत्नी भी अलग हो गए थे।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का नाम भी एपस्टीन केस से जुड़ा हुआ है। टेस्ला मालिक मस्क ने 5 जून को सनसनीखेज दावा करते हुए कहा था कि डोनाल्ड ट्रम्प का नाम जेफरी



एप्स्टीन ने जेल में खुदकुशी की थी

एपस्टीन की फाइलों में शामिल है। दरअसल, ट्रम्प और एपस्टीन दोस्त थे। उनकी मुलाकात एक पार्टी में ही हुई थी। 2002 में ट्रम्प ने एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में कहा था- 'मैं जेफ को 15 साल से जानता हूं, कमाल का आदमी है। हम दोनों को कम उम्र की खूबसूरत लड़कियां पसंद हैं।' यह बयान बाद में ट्रम्प के लिए मुसीबत बन गया। 1992 में ट्रम्प ने फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो रिसोर्ट में एपस्टीन और चीयरलीडर्स के साथ एक पार्टी की। 2019 में एनबीसी ने इसका एक फुटेज जारी किया था। जिसमें ट्रम्प, एपस्टीन को एक महिला की ओर इशारा करते दिखते हैं और झुककर कहते हैं- देखो वह बहुत हॉट है। एप्स्टीन केस- नाबालिग लड़कियों के शोषण का आरोप- जेफ्री एप्स्टीन को पहली बार 2006 में फ्लोरिडा के पाम बीच से गिरफ्तार किया गया। एप्स्टीन को वेश्यावृत्ति और नाबालिगों को लालच देने के लिए दोषी ठहराया गया। हालांकि, कुछ सौदेबाजी के बाद उसे सिर्फ 13 महीने की हिरासत मिली, जिसमें वर्क रिलीज की इजाजत थी। वर्जीनिया गिफ्रे नाम की महिला ने 2009 में आरोप लगाया कि एप्स्टीन ने उन्हें नाबालिग रहते यौन तस्करी के लिए मजबूर किया। 2011 में गिफ्रे ने इस मामले में ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू का भी नाम लिया 2015 में ग्रिफ्रे ने एप्स्टीन के खिलाफ मुकदमा दायर किया। इसमें एप्स्टीन के प्रिंस एंड्रयू और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के साथ रिश्तों का जिक्र था। एप्स्टीन को 2019 में फिर से नाबालिगों की यौन तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया। गिफ्रे ने ही एप्स्टीन के खिलाफ अदालत में गवाही दी।एप्स्टीन को वेश्यावृत्ति का नेटवर्क चलाने और बड़ी संख्या में महिलाओं के यौन शोषण और मानव तस्करी का दोषी ठहराया गया।एप्स्टीन ने 10 अगस्त 2019 को एप्स्टीन ने जेल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिस वक्त उसकी मौत हुई, ट्रम्प अमेरिका के राष्ट्रपति थे। 2025 में 25 अप्रैल को वर्जीनिया गिफ्रे की भी मौत हो गई। रिपोर्ट्स में बताया गया कि उन्होंने आत्महत्या की है। उन्होंने बताया था कि एप्स्टीन ने उन्हें 1999 से 2002 के बीच कई बड़ी हस्तियों के पास भेजा था। उन्होंने यह भी कहा था कि वे एप्स्टीन के जरिए ट्रम्प से कई बार मिली थीं। आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया कि उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की, लेकिन कई मेडिकल और कानूनी एक्सपर्ट्स ने इस पर सवाल उठाए। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में कहा गया कि एपस्टीन की गर्दन की कुछ हड्डियां टूटी थीं। ये चोटें आमतौर पर गला घोंटने से जुड़ी होती हैं, आत्महत्या से नहीं। जिस दिन एपस्टीन की मौत हुई, उस समय उनके सेल के बाहर लगे सुरक्षा कैमरे काम नहीं कर रहे थे और फुटेज गायब हो गए थे। चूंकि एपस्टीन की क्लाइंट लिस्ट में बड़े-बड़े नाम शामिल थे। ऐसे में माना गया कि राज खुलने के डर से उनकी हत्या कराई गई है। एपस्टीन की मौत के बाद एफबीआई और जस्टिस डिपार्टमेंट ने इसकी जांच शुरू की।

# खड़गे बोले-भाजपा की वोट चोरी के बाद अब सत्ता चोरी,30 दिन में विपक्षी सरकारें गिराने की साजिश कर रही,पीएम-सीएम बर्खास्तगी बिल का विरोध

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- भाजपा




'वोट चोरी' के बाद अब 'सत्ता चोरी' में लगी है। लोकसभा में पेश पीएम-सीएम की बर्खास्तगी का बिल विपक्षी सरकारों को 30 दिन में गिराने और लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि यह बिल नागरिकों से अपनी चुनी हुई सरकार बनाने या हटाने का अधिकार छीन लेगा। ये लोग (केंद्र सरकार) ईडी-सीबीआई जैसी एजेंसियों को अधिकार सौंप देते हैं। ऐसा होना लोकतंत्र पर बुलडोजर चलाने जैसा है। खड़गे ने कहा- मोदी जी जिन लोगों को पहले भ्रष्ट कहते थे, आज उन्हें मंत्री बना दिया। 193 केसों में ईडी ने विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई की, लेकिन सिर्फ 2 में ही सजा हुई। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र में विपक्ष चाहता था कि एसआईआर यानी बिहार में वोटर वेरिफिकेशन) और वोट चोरी जैसे मुद्दों पर चर्चा हो, लेकिन सरकार ने टाल दिया। भाजपा वोटर लिस्ट में धांधली करके कांग्रेसी वोट कटवाने की कोशिश में है। दरअसल, खड़गे ने रविवार को दिल्ली में इंदिरा भवन में हरियाणा-मध्यप्रदेश के जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों की मीटिंग ली। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा- फूट डालो और राज करो की राजनीति कांग्रेस में नहीं चलनी चाहिए।हरियाणा-मध्यप्रदेश के जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों की मीटिंग में खड़गे ने कहा- कांग्रेस ने लंबे समय तक देश पर राज इसलिए किया, क्योंकि संगठन मजबूत था। अब उसी पर वापस लौटने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि डीसीसी अध्यक्ष बूथ और मंडल स्तर पर कमेटियां बनाते समय सिर्फ वफादार और मेहनती कार्यकर्ताओं को जगह दें। फूट डालो और राज करो की राजनीति कांग्रेस में नहीं चलनी चाहिए। वहीं, राहुल गांधी ने भी डीसीसी प्रेसिडेंट्स ट्रेनिंग प्रोग्राम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और जनता की आवाज उठाने की दिशा में अहम कदम है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 20 अगस्त को गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार



और लगातार 30 दिन हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले बिल पेश किया था। इस दौरान विपक्ष के भारी विरोध और हंगामा किया। कुछ सदस्यों ने बिल की कॉपियां फाड़ दीं। 21 अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह ने शोर-शराबे के बीच इन्हें राज्यसभा में रखा था। अगले दिन गंभीर आरोपों में गिरफ्तार प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को 30 दिन बाद पद से हटाने से जुड़े इन 3 बिलों संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा गया।

जेपीसी में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल होंगे। रिपोर्ट शीतकालीन सत्र में सौंपी जाएगी। बिल के प्रावधानों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। वहीं, संविधान के 130वें संशोधन बिल पर विशेषज्ञों की राय भी बंटी है। एक वर्ग इसे राजनीति के शुद्धिकरण के तौर पर देख रहा है। वहीं, कानूनी बिरादरी से जुड़े वर्ग का कहना है कि राज्यों में विपक्षी सरकार को अस्थिर करने या राजनीतिक बदले की भावना से एक्ट के दुरुपयोग की आशंका रहेगी। यही वजह है कि इसे आसानी से सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकेगी।

## डेजी शाह से जयपुर में छेड़छाड़:एक्ट्रेस का खुलासा- शूटिंग के दौरान हुआ था वाकया, गुस्से में आकर मारे थे थप्पड़

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह ने हाल ही में अपने साथ हुए कुछ परेशान करने वाले अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि डोंबिवली और जयपुर में उन्हें फिल्माया जा रहा था। शूटिंग पूरी होते ही गेट से निकलते समय भीड़ में किसी ने उनकी पीठ पर हाथ लगाया था। इस घटना के बाद डेजी ने पीछे मुड़कर सभी को थप्पड़ मारना है करो।' करियर की बात करें तो डेजी आखिरी बार 2023 में आई फिल्म 'मिस्ट्री ऑफ द टैटू' में नजर आई थीं। इसके बाद, उन्होंने 2024 में वेब सीरीज 'रेड रूम' में काम

छेड़छाड़ का सामना करना पड़ा था। हाउटरफ्लाई के साथ बातचीत में डेजी ने कहा कि वो डोंबिवली में पली-बढ़ीं। एक बार वह सड़क पर पैदल जा रही थीं, तभी एक आदमी उनके पास से गुजरा और गलत तरीके से छूकर निकल गया। उन्होंने आगे बताया कि जब तक मैं पलटकर देखती, वह कौन था समझ नहीं पाई क्योंकि वहां भीड़ थी। जयपुर में भीड़ में से किसी ने डेजी की पीठ पर हाथ लगाया था डेजी ने जयपुर में फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई दूसरी घटना भी याद की। एक हवेली में गाने का सीक्वेंस शुरू कर दिया। डेजी ने बताया कि शूटिंग खत्म होने के बाद बाहर आते ही एक स्थानीय शख्स ने उन्हें सबक सिखाने की धमकी दी। उन्होंने कहा, 'तब मैंने जवाब दिया, हां दिखाओ।' उन्होंने आगे समझाया कि उन्होंने उस शख्स को क्यों मारा था? डेजी ने कहा, 'मैंने उस व्यक्ति को इसलिए पीटा क्योंकि वह ठीक से बात नहीं कर रहा था। वह ऐसा इसलिए कर रहा था क्योंकि मैं लड़की हूं। सामने आकर बहा दुरी से बात करो, भीड़ में छिपकर कायरों जैसा बर्ताव क्यों कर रहे हो। अपना चेहरा दिखाओ और फिर जो करना किया था। बता दें कि डेजी ने अपना करियर बतौर डांसर और मॉडल शुरू किया था। वह कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की असिस्टेंट रह चुकी हैं। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और फोटोशूट किए। 2011 में वो कन्नड़ फिल्म भद्रा और हिंदी फिल्म बॉडीगार्ड में नजर आईं। फिर डेजी ने 2014 में सलमान के साथ 'जय हो' में काम किया। इसके बाद वह 'हेट स्टोरी 3' में नजर आईं। बाद में उन्होंने 'आक्रमण', 'रमरतन' और 'रेस 3' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

## बेटे के रंग पर महिला ने किया कमेंट, भड़कीं देवोलीना:कहा- खुद को सनातनी कहते हैं, हरकत देखो; पहले भी साइबर सेल में कर चुकी हैं शिकायत

मुंबई। देवोलीना भट्टाचार्या ने हाल ही में उस महिला की जमकर क्लास लगा दी जो उनके नवजात बेटे के रंग पर भद्दे कमेंट कर रही

थी। एक्ट्रेस ने कहा है कि कुछ लोग खुद को सनातनी कहते हैं, लेकिन ऐसी हरकतें करते हैं। उन्होंने ये भी कहा कि भारत में रहकर जिन्हें सांवले रंग से प्रॉब्लम है, उन्हें ब्रिटेन में पैदा होना चाहिए था। देवोलीना ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में उस महिला के कमेंट का स्क्रीनशॉट लगाया है, जिसमें उसने एक्ट्रेस के बेटे के लिए कलुआ शब्द का इस्तेमाल किया। इसके साथ देवोलीना ने महिला के इंस्टा बायो का भी स्क्रीनशॉट लगाया, जिसमें वो खुद को शिव भक्त दर्शा रही हैं। इसके साथ एक्ट्रेस ने लिखा, 'क्लासिक उदाहरण बच्चे क्यों बड़े होकर वैसे ही बनते हैं। घर पर जो सीखेंगे, देखेंगे, बड़े होकर वही करेंगे, तो आप समझ जाइए कि पेरेंटिंग और परवरिश क्या है। दिन-रात राम नाम जपने से कोई धार्मिक नहीं बन जाता। रावण भी शिव भक्त था।'आगे देवोलीना ने लिखा, 'ये सारे खुद को भगवान के भक्त और कट्टर सनातनी बताते हैं और हरकतें देख लो। मैडम आपने अपने बच्चे को भी कान्हा ही बनाया है। कन्हैया के रंग से इतनी प्रॉब्लम क्यों? भारत में क्यों आप जैसे लोग ब्रिटेन में पैदा होने चाहिए थे। गलती हो गई लगता है। आपको, काले रंग से प्रॉब्लम है।' बताते चलें कि देवोलीना भट्टाचार्या इससे पहले भी 7 महीने के बेटे के रंग का मजाक उड़ाए जाने पर साइबर सेल से मदद मांग चुकी हैं। दरअसल, कुछ समय पहले देवोलीना ने बेटे के साथ एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें लोग लगातार उनके सांवले रंग पर भद्दे कमेंट कर रहे थे। इस पर एक्ट्रेस ने सभी कमेंट्स और यूजर्स के स्क्रीनशॉट पोस्ट कर साइबर सेल को टैग कर दिया।उन्हें तुरंत साइबर सेल की तरफ से जवाब मिला और सभी यूजर्स को वॉर्निंग भेजी गई थी।टीवी के पॉपुलर शो साथ निभाना साथिया में गोपी बहू का किरदार निभाकर पॉपुलर हुईं देवोलीना भट्टाचार्या ने साल 2022 में जिम ट्रेनर शाहनवाज शेख से इंटरफेथ शादी की है।शादी के 2 साल बाद 18 दिसंबर 2024 को एक्ट्रेस ने बेटे को जन्म दिया है। देवोलीना भट्टाचार्या बिग बॉस 15 का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

## फेक समझकर ब्लॉक किया गया श्रद्धा कपूर का असल अकाउंट,कहा- अपना ही अकाउंट यूज नहीं कर पा रही, लिंक्डइन को लगता है ये फेक है

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने हाल ही में लिंक्डइन में अपना अकाउंट बनाया था, लेकिन इसे फेक समझकर ब्लॉक कर दिया गया है। अब एक्ट्रेस ने साफ किया है कि वो अकाउंट उनका था, लेकिन फेक घोषित किए जाने के बाद लोगों को उनकी प्रोफाइल नहीं दिख रही है। श्रद्धा कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से स्टोरी पोस्ट कर लिखा है, 'डियर लिंक्डइन, मैं अपना ही अकाउंट इस्तेमाल नहीं कर पा रही हूं क्योंकि लिंक्डइन को लगता है कि यह फेक है। क्या कोई मेरी मदद कर सकता है। अकाउंट बना हुआ है, प्रीमियम और वेरिफाइड भी है लेकिन कोई उसे देख नहीं पा रहा। मैं अपनी उद्यमशीलता की जर्नी शेयर करना चाहती हूं, पर अकाउंट शुरू करना ही अपने आप में एक जर्नी बन गया है।'बताते चलें कि

श्रद्धा कपूर एक कामयाब एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक आंत्रप्रन्योर भी हैं। वो जूलरी ब्रांड पल्मोनास की को-फाउंडर हैं। वो अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी ब्रांड प्रमोट करती नजर आती हैं। एक्ट्रेस ने बताया था कि उन्होंने पल्मोनास ब्रांड से इतनी ज्यादा शॉपिंग की कि उन्हें इसी ब्रांड का को-फाउंडर बना लिया गया था। ये ब्रांड 2022 में पल्लवी मोहादिकर ने शुरू की थी।फिल्मी करियर की बात करें तो श्रद्धा कपूर आखिरी बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म स्त्री 2 में नजर आई हैं। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव लीड रोल में थे। फिल्म ने 800 करोड़ से ज्यादा का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया था और जबरदस्त हिट रही थी। आने वाले दिनों में एक्ट्रेस स्त्री 3 में नजर आएंगी, जो 2027 तक रिलीज हो सकती है। इसमें उनके साथ अक्षय कुमार भी नजर आने वाले हैं। इसके अलावा वो भेड़िया 2 और मेडॉक फिल्म्स की अपकमिंग हॉरर कॉमेडी फिल्म का भी हिस्सा हैं।

## परिणीति-राघव चड्ढा पेरेंट्स बनने वाले हैं,कपल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी खुशखबरी

मुंबई। एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। कपल ने सोशल

मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर यह खुशखबरी दी है। शेयर किए गए पोस्ट में एक बच्चे का नन्हा पांव

दिखाई दे रहा है। इस खबर के बाद बॉलीवुड से लेकर दुनिया भर के फैंस से बधाइयां आ रही हैं।परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर इस खुशखबरी को शेयर करते हुए एक जैसा पोस्ट किया है। इस पोस्ट में बच्चे का नन्हा सा पांव है और 1प्लस 1ञ3 लिखा है। दोनों ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'हमारी छोटी सी दुनिया... बस आने को है, असीम कृपा है। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा है कि अब वे एक और एक मिलाकर तीन होने जा रहे हैं। इस खूबसूरत पोस्ट के साथ कपल ने एक वीडियो भी शेयर किया। वीडियो में परिणीति चोपड़ा, राघव चड्ढा का हाथ थामे चलती दिख रही अनन्या पांडे जैसी तमाम सेलिब्रिटीज ने उन्हें खूब सारी बधाइयां दी हैं। वहीं परिणीति की मां रीना चोपड़ा ने लिखा है- इससे बड़ी कोई खुशी और आशीर्वाद नहीं है। आपको बहुत प्यार। भगवान आप पर आशीर्वाद बनाए रखे। हाल ही में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो पर पहुंचे थे। इस दौरान राघव ने परिणीति की प्रेग्नेंसी का हिंट दिया था और कहा था कि हम जल्द ही गुड न्यूज शेयर करेंगे। फाइनली कपल ने अपने फैंस को खुशखबरी दे दी है।परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की शादी 24 सितंबर 2023 उदयपुर में रॉयल अंदाज में हुई थी। दोनों की शादी की तस्वीरें खूब वायरल हुई थी। कपल की सगाई दिल्ली में हुई थी। इस सगाई में बड़े-बड़े सेलेब्स पहुंचे थे।

## दिव्यांगों का मजाक उड़ाने का मामला,एए का आदेश- समय रैना, रणवीर अलाहबादिया वीडियो बनाकर माफी मांगे, जुर्माना भी लगेगा,आईबी मिनिस्ट्री जल्द बनाए गाइडलाइन

मुंबई। दिव्यांगों का मजाक उड़ाने के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर रणवीर अलाहबादिया और समय रैना को वीडियो बनाकर दिव्यांगों से माफी मांगने का आदेश दिया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (आईबी मिनिस्ट्री) को एक गाइडलाइन बनाने को कहा है। इससे भविष्य में इस तरह दिव्यांग लोगों का मजाक उड़ाए जाने से बचा जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने क्या आदेश दिए- यूट्यूबर समय रैना और रणवीर अलाहबादिया को वीडियो बनाकर सार्वजनिक रूप से अपने जोक्स पर माफी मांगनी होगी। ये वीडियोज संबंधित व्यक्ति अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में पोस्ट करेंगे। आरोपी एक एफिडेविट दाखिल करें, जिसमें वे बताएं कि अपने प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर वे किस तरह दिव्यांगों के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का काम करेंगे। कॉमर्शियल स्पीच को कॉमेडियन्स दूसरों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए इस्तेमाल नहीं करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने आईबी मिनिस्ट्री को निर्देश दिया है कि वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

पर इस्तेमाल की जाने वाली भाषा के लिए एक गाइडलाइन तैयार करे, जिससे सभी व्यक्ति, खासतौर पर दिव्यांगों की गरिमा का सम्मान हो सके। ये गाइडलाइन महज एक घटना की प्रतिक्रिया न हो, बल्कि तकनीकी बदलाव को देखते हुए जल्द से जल्द लागू करवाई जाए। इस गाइडलाइन में एनबीडीएसए (नेशनल बोर्ड फॉर वेलफेयर ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज) और अन्य हितकारियों से सलाह लेकर तैयार की जाए। सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने कहा-'ह्यूमर का स्वागत है और यह जीवन का हिस्सा है। हम खुद पर हंसते हैं। लेकिन जब हम दूसरों पर हंसना शुरू कर देते हैं और संवेदनशीलता को ठेस पहुंचाते हैं, सामुदायिक स्तर पर जब हास्य पैदा होता है, तो वह समस्या बन जाता है। और यही बात आज के कथित इंफ्लूएंसर्स को समझनी चाहिए। वे स्पीच को व्यावसायिक बना रहे हैं। पूरे समुदाय का उपयोग किसी विशेष वर्ग की भावनाओं को आहत करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। यह केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है, यह व्यावसायिक अभिव्यक्ति है।' सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने इंफ्लूएंसर और कॉमेडियन से कहा कि अगली बार वही बताएंगे कि उन पर कितना जुर्माना लगाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा- 'आज मामला विकलांगों का है, अगली बार यह महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों, किसी का भी हो सकता है। इसका अंत कहां होगा?' इन्फ्लूएंसर्स के खिलाफ, दिव्यांगों के फाउंडेशन की तरफ से केस लड़ रहीं सीनियर एडवोकेट अपराजिता सिंह का कहना है कि इस सुनवाई में अदालत ने एक सख्त संदेश दिया है। कैसे शुरू हुआ था विवाद? 8 फरवरी को रिलीज हुए इंडियाज गॉट लेटेंट शो के एपिसोड में रणवीर अलाहबादिया ने पेरेंट्स पर अश्लील कमेंट किया था, जिसके बाद उनके साथ-साथ शो से जुड़े सभी लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी। ये मामला चल ही रहा था कि एनजीओ ने समय रैना पर स्टैंड-अप कॉमेडी शो में स्पाइनल मस्क्यूलर अट्रॉफी से पीड़ित एक नेत्रहीन नवजात का मजाक उड़ाने का आरोप लगा दिया। याचिका में फाउंडेशन ने कोर्ट को बताया था कि दस महीने पहले समय रैना ने दैट कॉमेडी क्लब में स्टैंडअप में कहा था- 'देखो चैरिटी अच्छी बात है, करनी चाहिए। मैं एक चैरिटी देख रहा था, जिसमें एक दो महीने का बच्चा है, जिसे कुछ तो क्रेजी हो गया है। जिसके इलाज के लिए उसे 16 करोड़ रुपए का इंजेक्शन चाहिए। समय ने शो में बैठी एक महिला से सवाल किया- मैम, आप बताइए...अगर आप वो मां होतीं और आपके बैंक में 16 करोड़ रुपए आ जाते। एक बार तो अपने पति को देखकर बोलती ना कि मंहगाई बढ़ रही है, क्योंकि कोई गांरटी नहीं है कि वो बच्चा उस इंजेक्शन के बाद भी बचेगा। मर भी सकता है। सोचो इंजेक्शन के बाद मर गया। उससे भी खराब सोचो कि 16 करोड़ के इंजेक्शन के बाद बच्चा बच गया, फिर बड़ा होकर बोले कि मैं पोएट बनना चाहता हूं। इंडियाज गॉट लेटेंट और दिव्यांगजनों पर किए गए कमेंट्स के मामलों को क्लब किया गया था।

## बिग बॉस-19: पहले दिन ही बिस्तर न मिलने पर झगड़ा:कुनिका ने को-कंटेस्टेंट से कहा- हीरोगिरी मत कर नाम बता चल, जानिए कौन हैं सीजन के 16 कंटेस्टेंट्स

मुंबई। टेलीविजन के पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस के 19वें सीजन का आगाज 24 अगस्त से हो गया है। शो में 16 कंटेस्टेंट्स ने एंट्री ली है, जिनके बीच पहले दिन ही झगड़ा शुरू हो गया है। दरअसल, इस सीजन में कुल 16 कंटेस्टेंट्स हैं, लेकिन बिग बॉस हाउस में सिर्फ 15 ही पलंग दिए गए हैं। जब घरवालों से ये फैसला लेने के लिए कहा गया कि वो कौन सा एक कंटेस्टेंट होगा, जिसे बिस्तर न दिया जाए, तो हर कोई बिस्तर पाने की होड़ में झगड़ पड़ा। इस दौरान सीनियर एक्ट्रेस कुनिका काफी गुस्से में नजर आईं। कलर्स चैनल द्वारा शो के अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो जारी किया गया है। प्रोमो में बिग बॉस ने घरवालों से ऐसे कंटेस्टेंट का चुनाव करने के लिए कहा, जिसकी पर्सनालिटी अन्य घरवालों को सबसे कम इंप्रेसिव लगी। उस शख्स को बैड नहीं दिया जाएगा। फैसला लिए जाने की होड़ में कंटेस्टेंट्स आपस में भिड़ गए। इस दौरान मृदुल तिवारी और कुनिका सदानंद के बीच गर्मागर्मी हो गई। कुनिका ने गुस्से में उनसे कहा- हीरोगिरी मत कर, नाम बता चल। फिलहाल प्रोमो में ये रिवील नहीं किया गया है कि घरवाले किस सदस्य के नाम पर सहमति जताते हैं। इन कंटेस्टेंट्स की हुई बिग बॉस 19 में एंट्री- अशनूर कौर- पटियाला बेब्स शो एक्ट्रेस अशनूर कौर ने शो में एंट्री ली है। वो बिग बॉस 19 हाउस की पहली कंटेस्टेंट बनकर एंटर हुईं।जीशान कादरी- गैंग्स ऑफ वासेपुर फिल्म के राइटर जीशान कादरी भी बिग बॉस 19 का हिस्सा बने हैं।तान्या मित्तल- पॉपुलर इन्फ्लूएंसर तान्या मित्तल ने भी शो में एंट्री ली है। तान्या महाकुंभ में हुई भगदड़ के बीच लोगों को रेस्क्यू करने के दावे पर काफी ट्रोल हुई थीं। आवेज दरबार-नगमा मिराजकर- पॉपुलर इन्फ्लूएंसर जोड़ी आवेज दरबार और नगमा मिराजकर भी साथ में शो में एंटर हुए हैं। आवेज दरबार, एक्ट्रेस

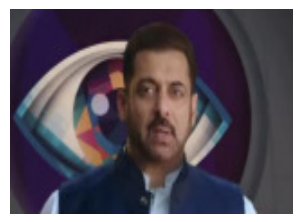

गौहर खान के देवर हैं। गौहर खान बिग बॉस 7 की विजेता रह चुकी हैं। नेहल चुदासमा- मिस यूनिवर्स 2018 में भारत को रीप्रेजेंट कर चुकीं मॉडल नेहल चुदासमा भी शो में बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुई हैं। नेहल इसके अलावा कई म्यूजिक वीडियोज में नजर आ चुकी हैं।बशीर अली- मॉडल और स्प्लिट्सविला 10 के विजेता रह चुके बशीर अली भी बिग बॉस 19 का हिस्सा हैं।अभिषेक बनर्जी- एक्टर अभिषेक बनर्जी भी शो में आए हैं। वो स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 और चंडीगढ़ करे आशिकी जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं।गौरव खन्ना- पॉपुलर टीवी शो अनुपमा में अनुज का किरदार निभाकर पॉपुलर हुए एक्टर गौरव खन्ना भी बतौर कंटेस्टेंट शो से जुड़े हैं।नेटली- मॉडल और एक्ट्रेस नेटली भी शो में आई हैं। वो हाउसफुल 5 और मस्ती फिल्म फ्रैंचाइजी में नजर आ चुकी हैं। आने वाले दिनों में वो मस्ती 5 में नजर आएंगी। प्रणीत मोरे- पॉपुलर स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणीत मोरे भी शो का हिस्सा बने हैं। प्रीमियर में उन्होंने अपनी कॉमेडी का नमूना पेश किया और सलमान खान को खूब हंसाया था। अमाल मलिक- सिंगर अमाल मलिक भी शो में बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुए हैं।

## शिवानी तोमर का दुबई स्विमिंग पूल शूट देख फैंस में आया उत्साह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) दुबई। फिल्म और टेलीविजन अभिनेत्री शिवानी तोमर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में

उन्होंने दुबई के एक शानदार स्विमिंग पूल में ग्लैमरस फोटोशूट कराया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। उनके इस नए लुक को देखकर फैंस बेहद उत्साहित नजर आए। शिवानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वे स्टाइलिश आउटफिट्स और आत्मविश्वास से भरपूर अंदाज में नज़र आ रही हैं। ब्लू वॉटर बैकग्राउंड और दुबई की लग्ज़री लोकेशन ने उनके इस शूट को और भी आकर्षक बना दिया है। फैंस ने कमेंट सेक्शन में जमकर तारीफें कीं। किसी ने उन्हें 'वॉटर क्वीन' कहा तो किसी ने 'ग्लैम डॉल ऑफ टीवी' का खिताब दे दिया। शिवानी तोमर इससे पहले कई पॉपुलर टीवी शोज़ में अपनी दमदार अदाकारी के लिए जानी जा चुकी हैं, लेकिन उनका यह नया अवतार दर्शकों को एक अलग ही अंदाज में नजर आया है। ऐसा माना जा रहा है कि यह फोटोशूट उनके आने वाले किसी नए प्रोजेक्ट का हिस्सा हो सकता है, हालांकि अभी इस पर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फिलहाल तो सोशल मीडिया पर शिवानी का यह स्विमिंग पूल लुक चर्चा का विषय बना हुआ है, और फैंस उनके हर नए अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

## साइन केयर प्रोडक्शन प्रवीण द्वारा निर्देशित फिल्म प्यार तो हमेशा रहेगा के सॉन्ग रिलीज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मुंबई। साइन केयर प्रोडक्शन द्वारा

निर्मित निर्देशित प्रवीण द्वारा हिंदी पिक्चर फिल्म प्यार तो हमेशा रहेगा के सॉन्ग रिलीज किए गए साइन केयर प्रोडक्शन ऑफिशल युटुब चैनल पर रिलीज किए गए प्यार तो हमेशा रहेगा के सभी सॉन्ग दिल्ली उत्तर प्रदेश उत्तराखंड की विभिन्न लोकेशन पर शूट किए गए हैं इसमें मुख्य कलाकार शोएब राणा आरती मलकीत सिंह धीरेंद्र कुमार गजेंद्र सिंह श्रीपाल यादव गुलाब सिंह धर्मेंद्र वर्मा प्रतीका बसुबैटरी गरिमा सैनी पूजा श्रीवास्तव पंकज सिवाच शौकीन अल्वी मनोज भारती डी के डबास प्रोडक्शन मैनेजर हरेंद्र डबास संगीतकार और गायक अंकित सिंहा गीतकार डॉक्टर अवनीश राही है फिल्म पर अभी बैकग्राउंड म्यूजिक स्कोर पर कार्य चल रहा है इसके बाद केंद्रीय फिल्म प्रमाणक बोर्ड को भेजी जाएगी उसके बाद सिनेमाघर में इस साल रिलीज होने की पूरी उम्मीद है फिल्म में रोमांटिक लव इमोशनल सॉन्ग है जो लोगों को अच्छे प्रेरणादायक है फिल्म की कहानी पारिवारिक है जो सभी वर्ग के लोगों को पसंद आएगी प्यार तो हमेशा रहेगा बहुत ही अच्छी प्रेरणादायक फिल्म साबित होगी

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।